गुजरात
जैविक राज्य

गुजरात को जैविक राज्य बनाने के लिए संगठित प्रयत्न 2013 से प्रारम्भ हो गये हें. जैविक बोर्ड स्थापित करने के लिए मानसिकता तैयार हो गयी है.

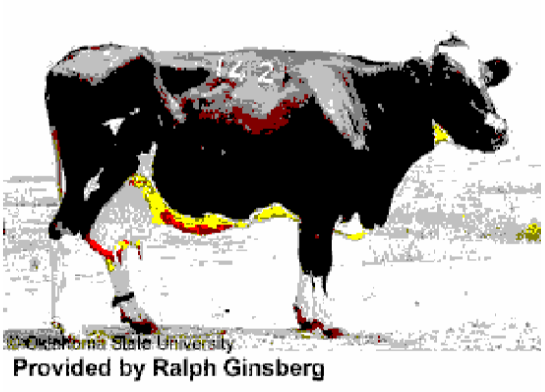

कामधेनु सेवा

6 करोड़ गुजरातियों के कारण ही विश्व में गुजरात की अपनी अलग ही पहचान है. कामधेनु सेवा करने के लिए गुजरात में गोवंश प्रेम सर्वोपरि है.

कतलखाने

गुजरात में वर्तमान में 38 लाइसेंस प्राप्त कतलखाने हें जिसके कारण ही गोवंश की संख्या में बहुत ही तेजी के साथ में कमी आयी है.

कतलखानों के कारण ही जीवों की दर्दनाक तरंगे 1040 मेगावाट से अधिक उर्जा उत्पन्न कर अकाल, ओजोन में छेद, बाढ़ जैसी अनेको प्राकृतिक विपदायें मानव के नाश करने के लिए तुल गयी है.

गुजरात में 47 सालों से लंबित सर्वोच्च न्यायालय का मामला 2005 में जीतने के कारण अब वर्तमान में गुजरात में 67,85,000 गोवंश मोजूद हैं.

आज से 350 सालों पूर्व भी अंग्रेज सूरत से सर्वप्रथम व्यापार के नाम से प्रवेश कर चुके हैं. कर्नल कूपर के द्वारा कूपरवीला कोठी सूरत में बनवायी गयी है.

गुजरात दर्शन

विश्व से गुजरात के दर्शन करने के लिए प्रतिदिन बहुत बड़ी संख्या में लोग आते रहते हें.

सम्पन्नता

गुजरात की सम्पन्नता गोवंश के कारण ही पूरे विश्व में प्रसिद्ध है. कम आवश्यकता के साथ में कामधेनु सेवा करने के लिए संकल्पित हैं.

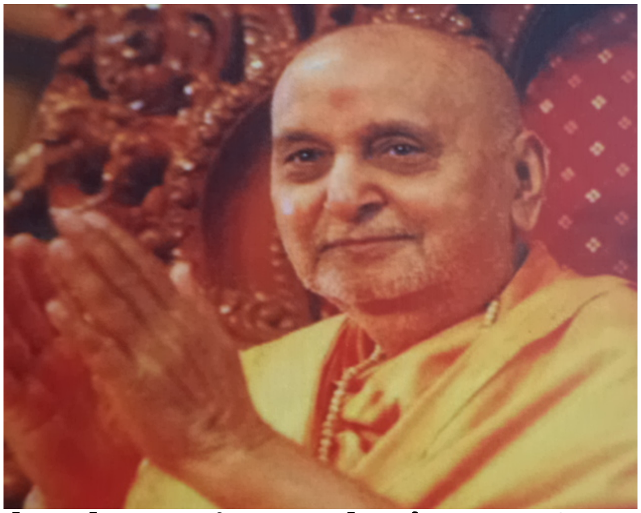

गोवंश के कारण ही गुजरात में धर्म तथा संस्कृति का विकास चरम सीमा तक पहुंच सका है. गोवंश के कारण ही गुजरात में बुद्धिमान, साहसी, क्षमाशील तथा गौरवशाली परमपरा दिखाई दी है.

सात्विक प्रभाव के कारण ही देवत्व की भावना का विकास गुजरात में हुआ है.

अतिथि देवो भवः

अतिथि देवो भवः की भगवान श्री कृ-ण की प्राचीन परम्परा का विकास गुजरात में है. गुजरात का अतिथि प्रेम विश्व में आज भी प्रसिद्ध है.

दूध उत्पादन में पांचवा स्थान

गुजरात दूध उत्पादन में वर्तमान में 2007-08 में 7911 हजार टन करके पांचवे रह गया है.

2008-09 में 83,30 हजार एवं

2009-10 में 8500 हजार टन हो जायेगा.

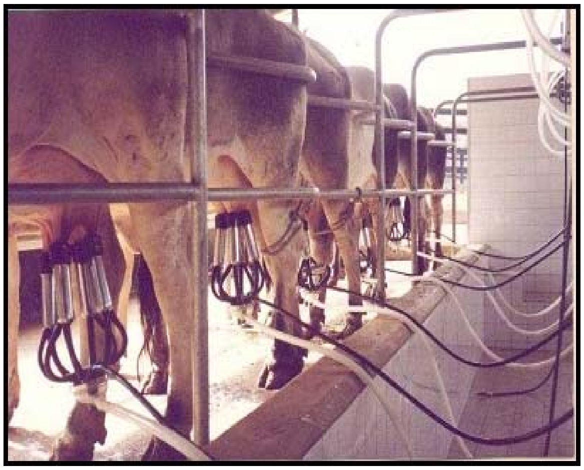

संकर

वर्तमान में गुजरात संकर गायों 6,39,000 का दूध 429 टन दूध उत्पादन कर रहा है.

1950 से 60 के बीच में गुजरात में संकर जानवरों को बहुत ही अच्छी तरह से प्रवेश करवाया गया है.

अमूल

वर्तमान में मात्र 15 प्रतिशत ही संकर गायें भारत में हैं.

स्वर्गीय वर्गीस कुरियन के कारण ही वर्णसंकर को बढ़ावा दिया गया है.

गुजरात में अमूल के कारण ही विश्व में गोपालन से रोजगार के लिए संदेश गया है.

वर्तमान में अमूल संकर नस्ल के जानवरों को बढ़ावा दे रहा है.

डेयरी उद्योग अधिक दूध के लिए संकर नस्ल की गायों को महत्व देता है.

गुजरात में सरकार को ध्यान देकर संकर नस्ल पर प्रतिबंध लगाने के लिए नीति तैयार करने की आवश्यकता है.

कामधेनु बोर्ड स्थापित कर ए-2 दूध के उत्पादन पर ध्यान देना अनिवार्य है.

रा-द्रीय पशु आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो के अनुसार ए-1 दूध संकर गायों से मिल रहा है जो बहुत ही अधिक धातक है.

गुजरात की गीर नस्ल को पूरी तरह से बरबाद करने के लिए सरकार के द्वारा वर्णसंकर नस्ल का अभियान चलाया गया था.

1633 टन

मात्र 1633 टन दूध 67,85,000 देशी नस्ल से प्राप्त कर रहा है. डेयरी उद्योग में हमारी देशी गाय के दूध को विशे-ा महत्व नहीं दिया गया है.

10 लाख गीर नस्ल गुजरात में समाप्त हो गयी. है.

रा-द्रीय पशु आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो के अनुसार ए-2 दूध हमारी देशी गायों से मिल रहा है.

विश्व में गीर तथा कांकरेज गायों के दूध पर गहन अनुसंधान किये गये हैं.

4116 टन

भैंसों से 4116 टन दूध उत्पादन किया जा रहा है. गुजरात में वसा के आधार पर दूध के मूल्यांकन करने के कारण ही भैंसों के संवर्धन पर बहुत ही अधिक प्रयत्न किया गया है.

243 टन

बकरी का दूध 243 टन उत्पादन कर रहा है. बकरी के दूध को बहुत ही उत्तम माना गया है लेकिन बकरी चोर होती है इसलिए बकरी का दूध पीने पर मन में चोरी का भाव उत्पन्न होता है.

गुजरात राज्य गोवंश के संवर्धन संरक्षण करने के लिए अन्य राज्यों की तुलना में बहुत ही अधिक जागरुक है.

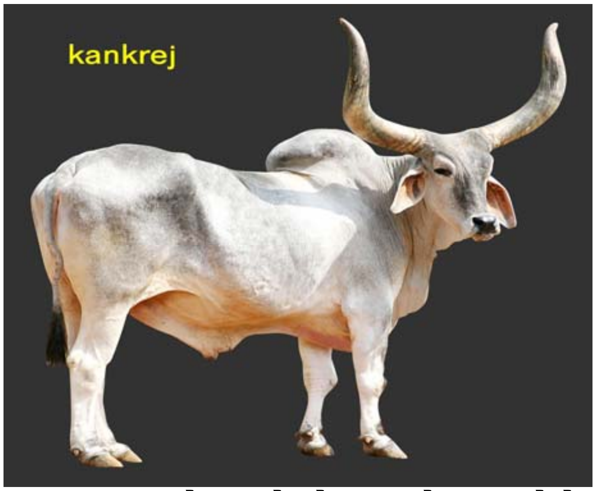

गुजरात राज्य गोशालाओं के साथ में पांजरापोलों के विकास करने के लिए गंभीर है.

अन्य राज्यों की तुलना में वर्तमान में गोवंश के लिए हर तरह से प्रयत्नशील है.

श्री गिरीश भाई जी हीरा व्यापारी मुम्बई के द्वारा विश्व के जीवदया प्रेमियों के सहयोग से कार्य कर रहे हैं.

भारतीय जीवजंतु कल्याण बोर्ड एवं गुजरात गो सेवा आयोग, कपार्ट, खादी ग्रामोद्योग, पेटा, पीएफए, ब्यूटी विदाउट क्रूएलटी की वित्तीय सीमाओं और लोगों के अंदर से जीवदया को समाप्त होने के कारण जीव दया करने के लिए संचालित समस्त महाजन संस्था विभिन्न योजनाओं में 10 लाख देने पर 200 गोवंश के पांजरापोलों में साल भर निर्वाह करने के लिए गोवंश निर्वाह योजना है.

निर्माण योजना में 10 लाख देने पर पांजरापोलों में गोवंश को बरसात में भीगने से बचाने के लिए निर्माण में मदद करने की योजना है.

गोवंश उपचार योजना में 10 लाख देने पर गांव गांव के पांजरापोलों के गोवंश का उपचार दो डाक्टर्स के दल एवं एक एम्बुलेंस द्वारा होगा.

भूमिदाता योजना के अंतर्गत 10 लाख देने पर 20 एकड़ भूमि पांजरापोलों को मिल सकेगी.

5 लाख देने पर 10 एकड़ भूमि पांजरापोलों को मिल सकेगी.

50 हजार देने पर 1 एकड़ भूमि पांजरापोलों को मिल सकेगी.

तकती योजना में 10 लाख देने पर 2 गुणित 3 की तकती पर सुनहरे अक्षरों में लिखा जायेगा. 5 लाख देने पर 1 गुणित 1 की तख्ती पर सुनहरे अक्षरों में लिखा जायेगा. 1 लाख देने पर जीवदया स्तभं पर सुनहरे अक्षरों में लिखा जयेगा.

जीवदया योजना में 10 लाख देने पर 100 एकड़ बिन जुती जमीन में चारागाह विकसित करने का लाभ जिससे गोवंश को हरी घास 12 माह मिल सकेगा. हरी घास 12 माह मिलने पर गोवंश पूरी तरह से निरोगी रहेगा.

5 लाख देने पर 50 एकड़ भूमि पर चारागाह

विकसित करने का लाभ तथा 1 लाख देने पर 10 एकड़ जमीन विकसित करने का लाभ मिलेगा.

समस्त महाजन फीचर्स योजना में सदविचार एवं सदाचार का प्रसार करने वाले लेखों का प्रकाशन 10 लाख देने पर है. जीवरक्षा योजना में कतलखानों में जा रहे जीवों को बचाने के लिए 10 लाख में 1000 जीवों को बचाने के लिए प्रयत्न किया जा रहा है.

10 लाख देने पर गोवंश के लिए साल भर घास बैंक योजना में घास सस्ती होने पर 5 लाख किलो खरीद कर बीमा करवा कर रखना तथा कमी के समय उस घास का वितरण करना है.

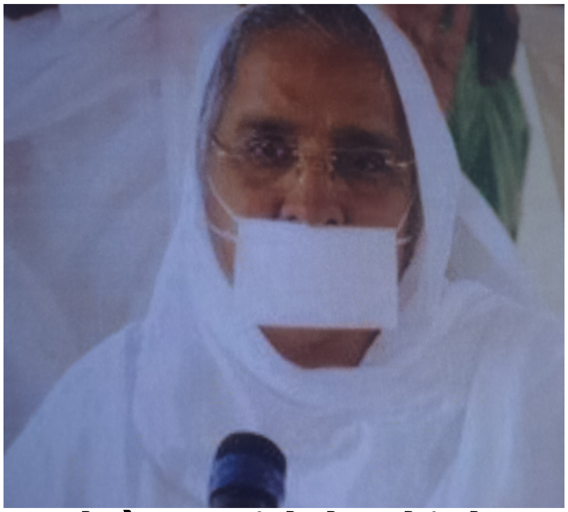

विश्व के जैन अनुयायीओं से दानपेटी के माध्यम से करोड़ों रु. एकत्र कर गुजरात के सभी जैन लोगों के द्वारा चलाए जा रहे पांजरापोलों के स्वावलंबी बनाने के लिए वृक्ष मित्र योजना में 10 लाख देने पर बरगद पीपल, आम, इमली, नीम, हरडे, बहेडा, आंवला, समी, बिलपत्र, उंबरो, जामुन, अशोक जैसे वृक्षों को पांजरापोलों की हजारों एकड़ खाली पड़ी जमीनों पर गोवंश को छाया देने के लिए छायादार पेड़ लगाने की योजना है.

10 लाख देने पर बारिश को एकत्रित करने तथा गोवंश के पीने के लिए साफ जल पांजरापोलों में विशाल तालाब के निर्माण करने के लिए वित्तीय सहयोग कर रही है.

गांधीनगर जिला

जमीयतपुरा

स्वामीनारायण मंदिर प्रभा हनुमानजी मंदिर गौशाला

आर वर्ल्ड सीनेमा के सामने, कलोल हाइवे में 15 गायें, 3 बछियाएं, 2 बछड़े, कुल 20 गोवंश हैं.

रांधेजा

गुजरात विद्यापीठ कृनि विज्ञान केंद्र गौशाला

7 गायें, 2 बछियाएं, 4 बछड़े, 2 बैल कुल 15 गोवंश हैं.

अमीयापुर

तपोवन संस्कारपीठ गौशाला डाकघर सुघड दूरभा-I 232-382424, 23276273 में 2 सांढ, 64 गायें, 35 बछियाएं, 10 बछड़े, कुल 111 गोवंश हैं. नस्ल सुधार करने के लिए पूरा ध्यान दिया गया है.

कामधेनु परिवार

साबरमति से गांधीगर मार्ग पर तपोवन है. पंचगव्य महो-धियों का निर्माण किया जाता है. यहां पर जैन संगठन गुरुकुल संस्कृत पाठशाला के साथ में विद्यार्थियों को अमृत रुपी दूध उपलब्ध करवाने के लिए गीर गोवंश को 100 प्रतिशत शुद्ध पाला जा रहा है.

अडालज

श्रीमती माणेकबा विनय विहार गौशाला दूरभा-I 079-23971217, 23971841 में 3 सांढ, 66 गायें, 60 बछियाएं, 24 बछड़े, 1 बैल कुल 154 गोवंश हैं.

लोदरा

बाला हनुमान गौशाला

बाला हनुमान गौशाला दूरभा-I 02763-285421 में 1 सांढ, 10 गायें, 2 बछियाएं, 1 बछड़ा कुल 14 गोवंश हैं.

धोडकूवा

स्वामीनारायण धाम गौशाला

स्वामीनारायण धाम गौशाला डाकघर इंद्रोका दूरभा-I 3094301213 में 1 सांढ, 6 गायें, 3 बछियाएं, 1 बछड़ा कुल 11 गोवंश हैं.

मेंदरा

श्री आत्मा कल्याण ट्रस्ट गौशाला

नरोडा रेल्वे स्टेशन के सामने मुकाम मेंदरा जिला गांधीनगर में श्री आत्मा कल्याण ट्रस्ट गौशाला दूरभा-I 079-27443646 में 5 सांढ, 150 गायें, 60 बछियाएं, 30 बछड़े, कुल 250 गोवंश हैं.

गांधीनगर पंचगव्य

मोबाइल 9925617500 पर विश्व की सबसे बड़ी गोशाला पथमेड़ा में पृथ्वीमेड़ा पंचगव्य उत्पादन प्रा. लि. के द्वारा निर्मित सभी वस्तुएं उपलब्ध हैं.

स्वामीनारायण मंदिर गुरुकुल गौशाला

2 सांढ, 29 गायें, 24 बछियाएं, 12 बछड़े, कुल 67 गोवंश हैं.

माणसा

अंबोड़

सदगुरु सेवा समिति गौशाला ट्रस्ट

पुराने अंबाजी मंदिर राममूनि आश्रम में 1 सांढ, 12 गायें, 4 बछियाएं, 3 बछड़े कुल 20 गोवंश हैं.

खरणा

श्री रामजी मंदिर

श्री रामजी मंदिर खरणा तालुका माणसा जिला गांधीनगर दूरभा-I 263343 30 गायें, 10 बछियाएं, 8 बछड़े, 2 बैल कुल 50 गोवंश हैं.

अमरापुर

ग्राम भारती ट्रस्ट गौशाला

ग्राम भारती ट्रस्ट गौशाला मुकाम अमरापुर तालुका माणसा जिला गांधीनगर 02764-261338 में 1 सांढ, 35 गायें, 30 बछियाएं, 16 बछड़े, कुल 82 गोवंश हैं.

माणसा महाजन पांजरापोल संचालित गौशाला

70 गायें, 17 बछियांएं, 15 बछड़े कुल 102 गोवंश माणसा महाजन पांजरापोल संचालित गौशाला माणसा जिला गांधीनगर में हैं.

माणसा गौशाला

माणसा गौशाला माणसा जिला गांधीनगर दूरभा-ा 02763-270436 में 2 सांढ, 33 गायें, 62 बछियाएं, 19 बछड़े, 1 बैल कुल 117 गोवंश हैं.

स्वामीनारायण मंदिर गौशाला

स्वामीनारायण मंदिर गौशाला मुकाम माणसा तालुका माणसा, जिला गांधीनगर में 1 सांढ, 18 गायें, 7 बछियांएं, 5 बछड़े कुल 31 गोवंश रखे गये हैं.

माणसा महाजन पांजरापोल

माणसा महाजन पांजरापोल मुकाम माणसा जिला गांधीनगर दूरभा-ा 02763-270425 173 गायें, 71 बछियांए, 48 बछड़े, 24 बैल, 463 अन्य कुल 779 गोवंश रखे गये हैं. वर्तमान में एक भी सांढ नहीं हैं.

पेथापुर

पेथापुर पांजरापोल मुकाम पेथापुर जिला गांधीनगर 3 सांढ, 6 गायें, 9 बछियांएं, 9 बछड़े, 40 अन्य कुल 67 गोवंश हैं.

अमदावाद पांजरापोल

अमदाबाद पांजरापोल मुकाम रांयरडा, तालुका कलोल जिला गांधीनगर 1916 गायें, 1000 बछियाएं, 1126 बछड़े, 1093 अन्य कुल 5135 गोवंश रखे गये हैं. वर्तमान में एक भी सांढ नहीं हैं.

कलोल

नारदीपुर

ग्राम सेवा मंदिर गोशाला

2 सांढ, 9 गायें, 6 बछियाएं, 1 बछड़ा कुल 18 गोवंश हैं.

गायत्री परिवार सेवा ट्रस्ट गौशाला

11 गायें, 23 बछियाएं, 13 बछड़े कुल 47 गोवंश हैं.

स्वामीनारायण विश्वमंगल गुरुकुल गौशाला

25 गायें, 20 बछियाएं, कुल 45 गोवंश हैं.

कलोल पांजरापोल मुकाम कलोल जिला गांधीनगर में 5 सांढ, 80 गायें, 3 बछियाएं, 15 बछड़े, 6 बेल, 133 अन्य कुल 242 गोवंश हैं.

झुंडाल

स्वामीनारायण गुरुकुल गौशाला

1 सांढ, 6 गायें, 8 बछियाएं, 3 बछड़े, कुल 18 गोवंश हैं.

दहेगाम

झांक

रामजी मंदिर गौशाला

1 सांढ, 60 गायें, 16 बछियाएं, 12 बछड़े, 6 बैल कुल 95 गोवंश हैं.

दहेगाम पांजरापोल

दहेगाम पांजरापोल दहेगाम तालुका दहेगाम जिला गांधीनगर 30 गायें, 3 बछियांएं, 7 बछड़ें कुल 40 गोवंश रखे हैं.

नांदोल

जैविक कृनि

श्री भरत पटेल मोबाइल 9725696141, 9327098256 ऋनि कृनि अनुसंधान ऋनि उपवन सजीव कृनि केंद्र नांदोल दहेगाम रोड डाकधर नांदोल तालुका दहेगाम जिला गांधीनगर सजीव कृनि कर दुर्लभ जड़ीबूटियां उत्पन्न कर रहे हैं.

गांधीनगर

किसान संघ

किसानों के कल्याण करने के लिए गांधीनगर बस स्टेंड के निकट किसान संघ कार्य कर रहा है. बाहर से आने वाले किसानों के लिए भोजन की व्यवस्था की गयी है.

साल भर किसानों के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण, साहित्य वितरण किया जाता है.

साहित्य प्रकाशन

किसानों के लिए गोमूत्र गोबर का उपयोग करने के लिए जैविक खेती पर साहित्य प्रकाशन किया गया है.

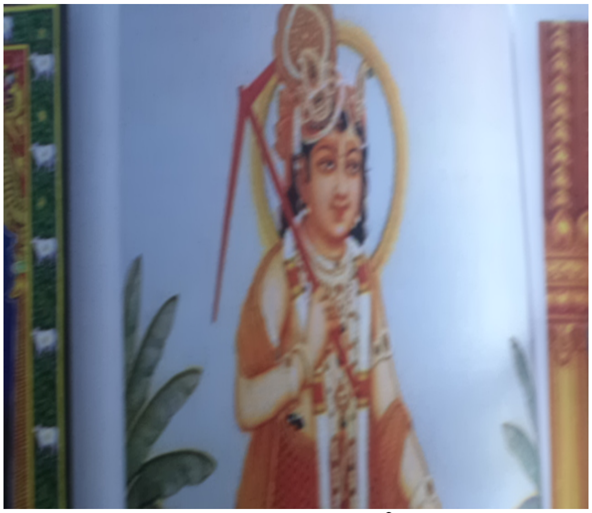

भगवान बलराम जी

भगवान बलराम जी किसानों के आदर्श हैं. बलराम जी को हलधर कहा जाता है. हल का महत्व किसानों के बीच में बलराम जी ने रखा है.

भगवान बलराम जी का मंदिर बहुत ही सुंदर तैयार किया गया है.

बलराम जंयती

बलराम जंयती किसानों के द्वारा समूह में हल की पूजा करने के साथ में हर साल बहुत ही उत्साह तथा आनंद के साथ में मनायी जाती है.

जैविक खेती

जेविक खेती करने के लिए किसानों को कामधेनु साहित्य, वीडियो सीडी उपलब्ध करवाया जा रहा है.

कामधेनु परिवार

श्री चंदुभाई पटेल कामधेनु चिकित्सक मोबाइल 9427072139 महामंत्री गुजरात राज्य गोशाला एवं पांजरापोल गांधीनगर में सक्रिय हैं.

अनुक्रमणिका

गुजरात राज्य की गोशालाओं तथा पांजरापोलों की नयी अनुक्रमणिका प्रकाशित की जायेगी.

कामधेनु पंचगव्य आरोग्य मंदिर

विश्वास कामधेनु पंचगव्य आरोग्य मंदिर पोर जिला गांधीनगर मोबाइल 9925452157 घी तथा पंचगव्य महो-ाधियां उपलब्ध करवा रही हैं.

पंचगव्य महो-ाधियां

श्री भुनेश्वरी पीठ श्री भुनेश्वर महादेव तीर्थ दूरभा-ा 23249735 में गोवंश के साहित्य एवं सीडी, मासिक पत्रिका गोदर्शन गुजराती के साथ में गो मूत्र से तैयार अर्क एवं अन्य सभी आयुवेदिक पंचगव्य महो-ाधियां उपलब्ध हैं.

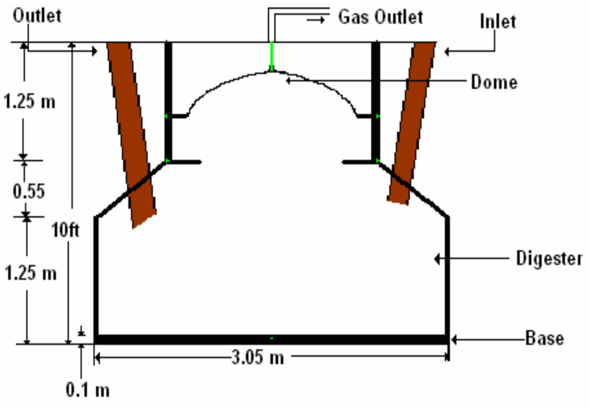

जेडा

गुजरात में गांधीनगर में 1979 से गुजरात एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी यानी जेडा की नीव रखी गयी थी. गुजरात सरकार के द्वारा जेडा की स्थापना 1869 के चेरिटेबल एक्ट के अंतर्गत की गयी है.

जेडा का मुख्यालय वर्तमान में 4 थे माले ब्लोक 11 एवं 12, उद्योग भवन गांधीनगर सेक्टर 11 गुजरात में है.

जेडा के द्वारा गुजराती धारावाहिकों में लगातार गोबर गैस के विज्ञापन दिखाये जाते हैं. गांव गांव में गुजराती में सामुहिक गोबर गेस पर सीडी दिखाई जाती है. जेडा इंटरनेट पर विस्तार से जानकारी देकर गांव गांव में सामुदायिक गोबर गैस संयंत्र के लिए जागरुकता उत्पन्न कर रही है. गुजराती में विस्तार से साहित्य का प्रकाशन किया गया है.

जेडा के माध्यम से गोबर गैस संयंत्र पूरे गुजरात में रखे गये हैं.

गुजरात गो सेवा आयोग

गुजरात सरकार के द्वारा गोवंश के संपूर्ण विकास करने के लिए डा. वल्लभ भाई कथीरिया अध्यक्ष गुजरात गो सेवा आयोग मोबाइल 9099377577, श्री पो-ाक पटेल 9879097522 संयुक्त निदेशक एवं सचिव सदस्य गौसेवा एवं गोचर विकास बोर्ड निवास बी-303, अर्जुन रत्न अपार्टमेंट, सी.पी.नगर-1, धाटलोदिया, अहमदाबाद 380061 दूरभा-ा 07929299548, कार्यालय डा. जीवराज मेहता भवन, ब्लोक 6, दूसरे माले, सेक्टर 10, गांधीनगर 382010 दूरभा-ा 079-23256329 का गठन 1999 में किया गया था.

कानून

गुजरात में गोवंश की हत्या करने के लिए परिवहन उपलब्ध करवाने वाले को 3 से 7 साल की सजा तथा 50,000 रु. का दंड है.

गुजरात में कानून का बहुत ही कड़ाई से पालन करने के लिए गो सेवा आयोग सक्रिय है.

गुजरात सरकार नंदी के विकास करने के लिए श्री शामजीभाई खूंट 9824042942, चेतनभाई रामाणी 9427207049, डा. सी.एम.पंडया 9898550448, श्री भुवनेश पंडया 9825440045 राजेंद्रसिंह राजपुरोहित जी को अपना सलाहकार नियुक्त कर राजस्थान में हो रहे प्रयत्नों का अध्ययन कर बेहतर कार्य करने के लिए योजना तैयार कर रही है.

गुजरात में लोगों के अंदर गीर तथा कांकरेज गोवंश के विकास करने के लिए लंबे समय से गोसेवा आयोग को प्रारम्भ करने की मांग थी.

अन्य राज्यों की तुलना में गुजरात में अच्छी तरह से कार्य करने की भावना मौजूद है. गोशालाओं तथा पांजरापोलों में प्रतियोगिता कर प्रोत्साहन नगद पुरुस्कार अलग अलग प्रथम 75,000 रु., द्वितीय 50,000 रु., तृतीय 25,000 रु. है.

गुजरात गो सेवा आयोग को बहुत अधिक अधिकार दिये गये हैं. गुजरात में श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा गोवंश की सुरक्षा करने के लिए गुजरात गो सेवा आयोग खोलने की अनुमति दी गयी थी.

गुजरात गो सेवा आयोग के खुलने के कारण ही गोवंश का संपूर्ण विकास करना संभव हो पाया था. गो सेवा आयोग नंदी के विकास करने के लिए बहुत अधिक कार्य कर रहा है.

कामधेनु साहित्य

प्राणीमित्र प्रकाशक श्री वसनजी प्रेमजी सोनी वर्धमान जीवदया केंद्र 307, 315, सरदार वल्लभभाई पटेल मार्ग, कानजी मेन्शन, चेतसिंग गुरबक्ष म्यूजिकल हाउस नी सामेद्व अलंकार सिनेमा नी बाजु मां, मुंबई 400004 दूरभा-ा 022– 23813733 कार्यक्षेत्र लुणी तालुका मुंद्रा जिला कच्छ 370410 सन 2000 में 1000 प्रतियां सहयोग राशि 150 रु. गोवंश के रोगों को पूरी तरह से दूर करने, डा. पंकज देसाई के द्वारा लिखित गोवंश में पोइजनिंग सहयोग राशि 18 रु., डा. अरविंद कुमार सेठ आनंद के द्वारा लिखित प्राणीरक्षा सहयोग राशि 7 रु. तथा 19 सालों से प्रकाशित गोदर्शन मासिक पत्रिका कृ-ि भवन गांधीनगर गुजरात गोसेवा आयोग के द्वारा दी जा रही है.

कामधेनु विश्वविद्यालय

कामधेनु विश्वविद्यालय सौरा-ट्र में मई 2009 में गुजरात में प्रारम्भ किया गया है. कुलपति की नियुक्ति अभी तक नहीं की गयी है.

कामधेनु विश्वविद्यालय प्रारम्भ करने के पूर्व सभी तैयारियां पूरे जोरों पर हैं. कामधेनु विश्वविद्यालय के माध्यम से वेटनरी कोलेज खोलकर गोवंश के बारे में पढ़ाकर चिकित्सक तैयार कर उत्तम सेवाएं गावों में देना संभव हो पायेगा.

वर्तमान में गुजरात गो सेवा आयोग गोवंश के संपूर्ण विकास करने के लिए 5 करोड़ हर साल खर्च किये जाते हैं.

गुजरात में गोवंश के संपूर्ण विकास करने के लिए बहुत सारी योजनाओं को लागू किया गया था.

अनुक्रमणिका

वर्तमान में गुजरात में डो ए.बी. पटेल के नेतृत्व में सभी गोशालाओं को 2005-2007 में अनुक्रमणिका के साथ में 13 पुस्तकें गुजरात राज्य की गोशालाओं एवं पांजरापोलों को वितरित की गयी है.

अनुक्रमणिका में परिवर्तन 2012 में किया गया है तथा नये संगठन के साथ में अप्रेल 2013 में प्रकाशन किया गया है.

रायगढ़ जिला
कामधेनु संवर्धन

दर्शनीय गीर गाय गोशाला नारायण गांव रायगढ़ जिला में 90 गीर गायें हैं. नंदी संवर्धन पर पूरा ध्यान दिया गया है. अच्छा दूध देने के लिए गीर गाय को सर्वश्रे-ठ नंदी चाहिए. 5 गीर सांढ महारा-ट्र की 5 गोशालाओं में दान में दिया गया है.

वलसाड जिला

वलसाड

श्री स्वामी विवेकानन्द संस्कार केंद्र, महादेव नगर, मोगरवाडी, वलसाड दूरभाष 02632-223865 में 10 गायें, 2 बछियाएं, 3 बछड़े कुल 15 गोवंश हैं.

वलसाड पांजरापोल

3 नंदी, 135 गायें, 46 बछियाएं, 57 बछड़े, 7 बैल, 45 अन्य कुल 293 गोवंश हैं.

डमरगाम

गोवाला

श्री मातुश्री लक्ष्मीबाई प्रेमजी छेडा पांजरापोल

कांकरडी रोड पर दूरभाष 0250-2432405, 0260-2560224, 9898309063, 9825569425 में 2 नंदी, 65 गायें, 95 बछियाएं, 45 बछड़े, 4 बैल, 8 अन्य कुल 219 गोवंश हैं.

पाटडी

राता

श्री अजीतसेवा ट्रस्ट पांजरापोल में 85 गायें, 70 बछियाएं, 69 बछड़े, 66 अन्य कुल 290 गोवंश हैं. नंदी एक भी नहीं है.

गुंदलाव

श्री लालजी वेलजी शाह पांजरापोल नेशनल हाइवे नं.8, गुंदलाव चार रस्ता, गुंदलाव में 4 नंदी, 127 गायें, 58 बछियाएं, 39 बछड़े, 11 बैल, 1 अन्य कुल 240 गोवंश हैं.

बीलीमोरा

बीलीमोरा पांजरापोल में 2 नंदी, 34 गायें, 17 बछियाएं, 26 बछड़े, 14 बैल कुल 93 गोवंश हैं.

अमलसाड

अमलसाड पांजरापोल में 1 नंदी, 34 गायें, 13 बछियाएं, 15 बछड़े, 9 बैल कुल 72 गोवंश हैं.

मगोड

श्री शांति मंदिर गोशाला महाफडिया, मगोड, तालुका एवं जिला वलसाड दूरभाष 02632-232854, 232855 में 1 नंदी, 11 गायें, 13 बछियाएं, 7 बछड़े कुल 32 गोवंश हैं.

वांकल

श्री नंदीग्राम ट्रस्ट गौशाला धरमपुर रोड, डाकघर वाकल, तालुका एवं जिला वलसाड दूरभाष 02632-267245, 26594 में 1 नंदी, 8 गायें, 9 बछियाएं, 5 बछड़े, 2 बैल कुल 25 गोवंश हैं.

किल्ला पारडी

श्री स्वाध्याय मंडल गौशाला नेशनल हाइवे क्रमांक 8 दूरभाष 0260-2373346, 2375888 में 1 नंदी, 20 गायें, 14 बछियाएं, 5 बछड़े कुल 40 गोवंश हैं.

फाणसा भीलाड

श्री टाटा एग्रीकल्चर एंड रुरल ट्रेनिंग सेंटर फोर ब्लाइंड

दूरभाष 0260-27163692716229 में 1 नंदी, 25 गायें, 20 बछियाएं, 4 बछड़े कुल 50 गोवंश हैं.

श्री स्वामीनारायण एज्यूकेशन ट्रस्ट गौशाला मोटा पोंढा तालुका कपराडा जिला वलसाड में 1 नंदी, 21 गायें, 7 बछियाएं, 3 बछड़े कुल 32 गोवंश हैं.

श्री स्वामीनारायण गौशाला मोटा पोंढा तालुका कपराडा जिला वलसाड दूरभाष 02633-260013 में 1 नंदी, 7 गायें, 3 बछियाएं, 1 बछड़ा कुल 12 गोवंश हैं.

सदगुरुदेव स्वामी अखंडानन्द गौशाला बरुमाड, तालुका धरमपुर जिला वलसाड में 1 नंदी, 10 गायें, 5 बछियाएं कुल 16 गोवंश हैं.

वागलधारा

कैंसर होस्पीटल

वर्तमान में कैंसर के मरीज विश्व में बहुत ही तेजी के साथ में बढ़ रहे हैं. अमेरिका में कैंसर से मरने वाले मरीज बहुत ही अधिक हैं.

भारत में भी कैंसर के मरीज बहुत ही अधिक हैं. गरीब मरीज कैंसर के उपचार करने के लिए लाखों रुपये खर्च नहीं कर सकते हैं.

वर्तमान में कैंसर के उपचार के लिए पंचगव्य ही वर्तमान में कारगर है.

सेठ रसिक भाई माणकचंद जी धारीवाल कैंसर होस्पीटल, गिरीविहार संकुल, नेशनल हाइवे नं 8, वागलधारा जिला वलसाड 396375 दूरभा-ा 02629-268080 पंचगव्य गोमूत्र चिकित्सा पद्धति पर आधारित कैंसर रोगों को दूर करने का निःशुल्क 80 बिस्तरों वाला अस्पताल 11 फरवरी 2008 को प्रारम्भ हुआ.

मरीजों के भोजन के लिए एक भोजनालय है. मरीजों को 10 से 20 दिनों तक उपचार करने के लिए यहां परं भरती किया जाता है.

अश्वगंधा, शतावर आदि अनेक जड़ी-बूटियां खाने वाली 52 गीर गायों की एक गोशाला यहां पर है.

निदेशक एवं मुख्य सलाहकार श्री केशरीचंदजी मेहता, सलाहकार के रुप में वैद्य श्री भरतभाई शाह नवसारी, श्री विपिन भाई शाह वलसाड, वैद्य विद्या बहन ठकराल उपलेटा स्त्री रोग विशे-ाज्ञ, श्री चंद्रेश भाई शाह मुम्बई हैं. 8 सिस्टर 24 धंटे सेवाएं दे रही हैं.

अभी तक 943 कैंसर रोगियों का उपचार हुआ है.

जामनगर जिला

जामनगर

श्री शरद आचार्य जामनगर 9374079365 रा-द्रीय गोरक्षा संयुक्त संध-र्ा मोर्चा सक्रिय है.

कामधेनु दर्शन

श्री आणदाबावा सेवा संस्था गोशाला लीमडालेन, गोपाल भवन, जामनगर में विशाल क्षेत्र में हरी हरी धांस उगाकर कामधेनु दर्शन की भावना के साथ में समर्पित गोपालकों के द्वारा 2 सांढ, 70 गोमाताएं, 45 बछियाएं, 10 बछड़े, 6 बैल पाले जा रहे हैं.

श्री धोरीवाव गोशाला

कामधेनु परिवार

श्री धोरीवाव गोशाला लीमडालेन, गोपाल भवन, जामनगर 0288 2540155 में कामधेनु परिवार तैयार किया गया है. सर्वश्रे-ठ सेवा के साथ में कामधेनु यहां पर प्रसन्न हैं. 3 सांढ, 57 गोमाताएं, 31 बछियाएं, 6 बछड़े, 3 बैल कुल 100 गोवंश पाले जा रहे हैं.

वर्तमान में गोवंश को स्वावलंबी बनाने के लिए पंचगव्य महो-ाधियां, जैविक खादें, गोबर गैस, सी.एन.जी. विचाराधीन है. विश्व में वर्तमान में पंचगव्य महो-ाधियों की विशे-ा मांग भी है. नस्ल सुधार करने के लिए नंदी तैयार करने के लिए संगठित प्रयत्न जारी हैं.

पांजरापोल

2002 से भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड चेन्नई के द्वारा पंजीकृत होकर तथा उनके वित्तीय सहयोग से श्री जामनगर पांजरापोल लीमडालेन जामनगर 0288-2540990 के द्वारा 12 सांढ, 402 गोमाता, 90 बछियाएं, 61 बछड़े, 14 बैल, 124 अन्य जीव रखे गये हैं. गोवंश के संवर्धन करने के लिए गांव गांव में एडस के खिलाफ अभियान चलाने के लिए गोमूत्र को एकत्रित कर वैद्य के मार्गदर्शन में कार्य करना है.

कृपा

श्री हितेश भाई जानी 9825221233 पंचगव्य एवं एलोपेथिक चिकित्सक जनकल्याण समिति एवं संस्था क्लिनिकल यूनिट फोर रिसर्च ओन पंचगव्य यानी संक्षिप्त में कृपा, सिद्ध विनायक अपार्टमेंट, तीसरा माला, मावतर के पीछे, 2 रजन लिमडालेन, जामनगर 0288-2559292 के द्वारा पंचगव्य पर निरन्तर अनुसंधान किया जा रहा है. प्रयोगशाला का निर्माण कर वैज्ञानिक आधार तैयार किया जा रहा है.

गोहत्या संपूर्ण रुप से बंद करने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान की निरन्तर आवश्यकता है. पंचगव्य महोधियों के निर्यात करने के लिए भी कार्य किया जा रहा है. पंचगव्य महो-ाधियों के निर्माण करने के लिए कार्य चल रहा है. एमगीरी वर्धा के वित्तीय सहयोग से पंचगव्य का प्रशिक्षण 10 गांवों को दिया जाता है.

कामधेनु संवर्धन

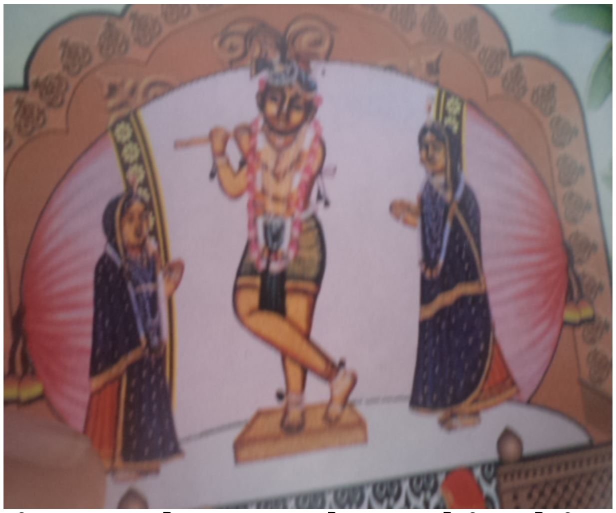

श्री मदन मोहन प्रभु गोशाला मोटी हवेली जामनगर दूरभा-ा 0288-2677212 में वै-णवों के द्वारा बहुत ही उत्साह के साथ गुजरात गो सेवा आयोग के वित्तीय सहयोग से कामधेनु सेवा की जा रही है.

कामधेनु कृपा

मदन मोहन प्रभु कामधेनु का दूध, दूध से दही, छाछ, मक्खन, घी के बहुत ही स्वादि-ट व्यंजन पेड़े, बरफी, गुलाबजामुन, मोहनथाल, मैसूरपाक, फ्रूट सलाद, रायता, रबड़ी, खीर, दूधपाक तथा बासुंदी, श्रीखंड मंगला से रात्रि में शयन तक आरोगते हैं.

असाध्य रोगों को दूर करने के लिए वैद्यों के मार्गदर्शन में पंचगव्य महो-ाधियां वितरित की गयी हैं. 2 सांढ, 30 गोमाताएं, 20 बछियाएं, 10 बछड़े, 4 बैल पाले जा रहे हैं.

श्री पाचनवतनपुरी धाम खीजडीया मंदिर ट्रस्ट गोशाला कालावाड चौकड़ी के पास में जामनगर में 3 सांढ, 73 गोमाताएं, 11 बछियाएं, 13 बछड़े, 2 बैल पाले जा रहे हैं.

बरवाड़ा

तालुका द्वारका

वर्तमान में वै-णव अनुयायिओं के अपार उत्साह के कारण ही श्री पुर-ोत्तम लालजी गोसेवा ट्रस्ट के नाम से जामनगर जिले में बरवाडा में तालुका द्वारका में अकाल के समय में गोवंश को सुरक्षित रखने के लिए गुजरात गोसेवा आयोग के वित्तीय सहयोग से 6 सांढ, 80 गोमाताएं, 50 बछियाएं, 20 बछड़े, 10 बैल पाल रहे हैं.

ओखा

1950 में श्री लक्ष्मीदास एवं श्री तुलसीदास जी के द्वारा श्री ओखा कृ-णा गोशाला मेर्नून बराज-आरिणा-पोर्ट ओखा, तालुका द्वारका जिला जामनगर 361350 02892-263015, मोबाइल 9824142535 में 26,25,000 रु. खर्च कर 3 सांढ, 3 बैल, 127 गोमाताएं, 85 बछियाएं, 104 बछड़े पाल रहे हैं.

ओखा पोर्ट

श्री ओखा कृ-णा पांजरापोल लहेरी माता रोड ओखा पोर्ट जिला जामनगर 0288-263015 में 2 सांढ, 140 गोमाताएं, 103 बछयाएं, 108 बछड़े पाल रहे हैं.

लालपुर

गोरक्षक मंडल

श्री गोरक्षक मंडल लालपुर जिला जामनगर में बहुत ही सेवा भावना के साथ में 2 सांढ 6 गोमाताएं 4 बछियाएं 2 बछड़े पाले जा रहे हैं.

पांजरापोल

गोरक्षक मंडल पांजरापोल लालपुर जिला जामनगर 4 सांढ़ 400 गोमाताएं 60 बछियाएं 50 बछड़े 15 अन्य पाल रहे हैं.

तरसाई

श्री तरसाई गोशाला सेवा समिति तरसाई तालुका जामजोधपुर जिला जामनगर में 4 सांढ, 200 गोमाताएं, 50 बछियाएं पाल रहे हैं.

सतापर

श्री सर्वोदय गोपालन ट्रस्ट गोशाला सतापर तालुका जामजोधपुर जिला जामनगर में 3 सांढ, 300 गोमाताएं, 105 बछियाएं, 10 बछड़े पाले जा रहे हैं.

भाणवड

गोशाला

श्री भाणवड महाजन गोशाला भाणवड जिला जामनगर में 3 सांढ, 103 गोमाताएं, 40 बछियाएं, 25 बछड़े, 6 बैल पाले जा रहे हैं.

पांजरापोल

श्री भाणवड महाजन पांजरापोल भाणवड जिला जामनगर में 15 सांढ़, 34 गोमाताएं, 48 बछियाएं, 16 बछड़े, 3 बैल पाले जा रहे हैं.

जामखंभाडिया

गोशाला

श्री चुनीलाल भगवानजी अनाथ गोशाला जामखंभाड़िया, जिला जामनगर में 2 सांढ, 118 गोमाताएं, 73 बछियाएं, 9 बछड़े, 4 बैल पाले जा रहे हैं.

पांजरापोल

श्री हरजीवनदास नरोत्तमदास पांजरापोल जामखंभाड़िया जिला जामनगर 4 सांढ, 50 गोमाताएं, 15 बछियाएं, 15 बछड़े, 6 बैल पाल रहे हैं.

मोवाण

गोशाला

श्री मोवाण गोशाला मोवाण तालुका खंभाडिया जिला जामनगर में 4 सांढ, 237 गोमाताएं, 129 बछियाएं, 19 बछड़े, 18 बैल पाले जा रहे हैं.

पांजरापोल

श्री मोवाणा पांजरापोल मोवाणा तालुका जामखंभाडिया जिला जामनगर में 4 सांढ़, 281 गोमाताएं, 30 बछियाएं, 41 बछड़े, 11 बैल, 3 अन्य पाल रहे हैं.

अलीयावाडा

कामधेनु परिवार

श्री विद्या मंडल गोशाला अलीयावाडा जिला जामनगर में 1 सांढ, 11 गोमाताएं, 9 बछियाएं, 13 बछड़े, 2 बैल पाले जा रहे हैं.

रावलसर

कामधेनु दर्शन

श्री नवसर्जन उत्तर बुनियादी विद्यालय गोशाला रावलसर आमरा जिला जामनगर में 1 गोमाता, 1 बछिया, 2 बैल पाले जा रहे हैं.

काटकोला

कामधेनु परिवार

श्री आशुतो-ा गोसेवा समिति गोशाला काटकोला तालुका भाणावड, जिला जामनगर में 2 सांढ, 90 गोमाताएं, 60 बछियाएं, 8 बछड़े, 3 बैल पाले जा रहे हैं.

रावल

कामधेनु सेवा

श्री रावल गोशाला मुख्य बाजार रावल जिला जामनगर में 5 सांढ, 57 गोमाताएं, 15 बछियाएं, 12 बछड़े, 2 बैल पाले जा रहे हैं.

कोटडाबावीसी

कामधेनु कृपा

श्री बावीसी माता मंदिर गोशाला कोटडाबावीसी जिला जामनगर में 19 गोमाताएं, 7 बछियाएं, 3 बछड़े पाले जा रहे हैं.

मोटा वडाला

श्री मोटावडाला गोसेवा राहत ट्रस्ट मोटा वडाला तालुका कालावाड जिला जामनगर में 5 सांढ, 277 गोमाताएं, 40 बछियाएं, 26 बछड़े पाले जा रहे हैं.

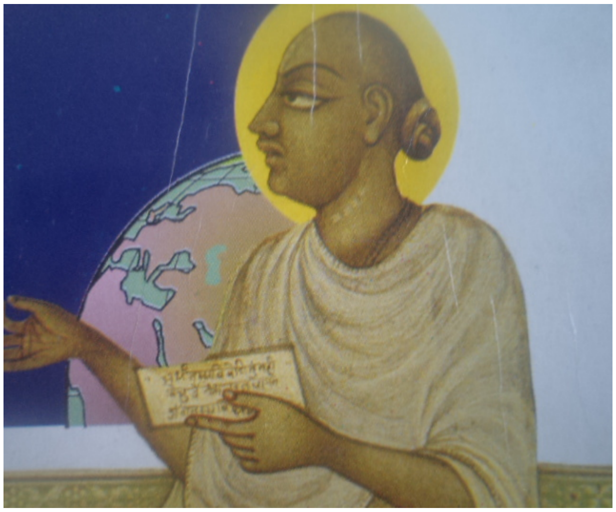

नवानगर

श्री महाप्रभुजी की 56 वी बैठक कालावाड गेट रोड नागमति नदी के किनारे जामनगर 0288-2570671

नवानगर वर्तमान में जामनगर के नाम से प्रसिद्ध है. भक्ति की यहां पर निरन्तर वृद्धि हो रही है. महाप्रभुजी की सेवा वर्तमान में वै-णवों के द्वारा बहुत ही भाव से की जा रही है. हरि गुरु वै-णव की भावना ही सर्वेपरि है.

मोरबी से आप यहां पर छोकर के वृक्ष के नीचे नागमती नदी के तीर पर रमणीय स्थल देखकर पधारे. यहां पर आपने श्रीमद भागवत पाठ किया है. राजा जामतमांची ने आकर सा-टांग दंडवत प्रणाम किया तथा विनंती की कि धन्य मेरे भाग्य साक्षात वेद निरुपण करते है जो आपके ठीक वैसे ही दर्शन हुए हैं.

आपके दर्शन करने से मेरी बुद्धि निर्मल हो गयी है. आप कृपा करके मुझे आपकी शरण में लीजिये. राजा को स्नान करने की आज्ञा की तथा नाम सुनाया और ब्रहम संबंध कर गले में तुलसी की माला डाली. राजा ने विनंती की कि मुझे यहां पर शहर बसाना है. आप आज्ञा दें तो मैं वहां पर शहर बसाउं.

आपने आज्ञा की कि मूहर्त बहुत ही अच्छा है इसलिये निर्भय होकर शहर बसाओ. राजा ने शहर का मूहर्त किया तथा आज भी नवानगर निर्भय होकर बस रहा है. यहां से आप खंभालिया पधारे.

कालावाड

श्री भगवान सूर्यनारायण ट्रस्ट गोशाला विकास कोलोनी मुख्य बाजार कालावाड शीतला, तालुका कालावाड जिला जामनगर में गुजरात गो सेवा आयोग के वित्तीय सहयोग से 8 सांढ, 100 गोमाताएं, 15 बछियाएं, 10 बछड़े पाल रहे हैं.

कालावाड़ पांजरापोल

कालावाड पांजरापोल कालावाड जिला जामनगर में 11 सांढ़, 123 गोमाताएं, 39 बछियाएं, 57 बछड़े, 14 बैल, 87 अन्य पाले जा रहे हैं.

जामजोधपुर

पांजरापोल

श्री गौसेवा सदन पांजरापोल रवी चेंम्बर्स, जामजोधपुर जिला जामनगर 0288-222150 में 2 सांढ, 224 गोमाताएं, 276 बछियाएं, 76 बछड़े, 9 बैल पाल रहे हैं.

गोसेवा सदन

श्रीगौसेवासदन पांजरापोल रवि चेंबर्स बाल मंदिर सामे जामजोधपुर जिला जामनगर में 3 सांढ़, 190 गोमाताएं, 130 बछियाएं, 53 बछड़े, 9 बैल पाले जा रहे हैं.

वेराद

पांजरापोल

श्री पंचेश्वर महादेव गोवंश आशराधाम पांजरापोल वेराद तालुका भाणवड जिला जामनगर में 5 सांढ़, 135 गोमाताएं, 107 बछियाएं, 29 बछड़े, 3 बैल पाल रहे हैं.

धोड़

पांजरापोल

श्री ध्रोड़ पाजरापोल ध्रोड़ जिला जामनगर में 47 गोमाताएं, 39 बछियाएं, 42 बछड़े, 30 अन्य पाल रहे हैं.

जोड़िया

श्री जोड़िया पांजरापोल जोड़िया जिला जामनगर में 2 सांढ, 79 गोमाताएं, 36 बछियाएं, 45 बछड़े, 39 बैल पाल रहे हैं.

आमरण

श्री काशीबेन दामजीभाई गोशाला चेरिटेबल ट्रस्ट पांजरापोल आमरण तालुका जोड़िया जिला जामनगर में 1 सांढ़, 82 गोमाताएं 10 बछियाएं, 12 बछड़े पाल रहे हैं.

तालुका जामजोधपुर

सतापुर

श्री सर्वोदय गोपालन ट्रस्ट पांजरापोल सतापुर तालुका जामजोधपुर जिला जामनगर में गुजरात गो सेवा आयोग के वित्तीय सहयोग से 2 सांढ, 260 गोमाताएं, 58 बछियाएं, 30 बछड़े पाले जा रहे हैं.

सलाया

सलाया गोशाला पांजरापोल सलाया तालुका जामखंभाड़िया जिला जामनगर में 1 सांढ़, 5 गोमाताएं, 3 बछियाएं,, 3 बछड़े, 7 बैल पाले जा रहे हैं.

सुरेन्द्रनगर जिला

सुरेन्द्रनगर

पंचगव्य महो-ाधियां

श्री जैनदर्शन सुरेन्द्रनगर 02752-232162, 231377 पंचगव्य दवाएं विक्रय कर रहे हैं.

मनसुखभाई दो-ी लोक विद्यालय गौशाला

व्यवस्थापक दूरभा-ा 02752-52728325 के द्वारा 1 नंदी, 10 गायें, 9 बछियाएं कुल 20 गोवंश रखे गये हैं.

जैविक खेती

विभिन्न जैविक खादों को तैयार कर किसानों से जैविक खेती करने के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है.

नस्ल सुधार

गोवंश को पूरी तरह से स्वावलंबी बनाने के लिए नस्ल सुधार कर रहे हैं.

दीपचंदगाडी रुरल एंड एनीमल प्रोडक्शन एंड डेवलपमेंट ट्रस्ट

व्यवस्थापक दूरभा-ा 222144, 223446 के द्वारा 2 नंदी, 14 गायें, 10 बछियाएं, 15 बछड़े कुल 41 गोवंश हैं.

जैविक खेती

ग्रामीण स्तर पर किसानों के द्वारा जैविक खेती करने के लिए जैविक खादें तैयार करने के लिए प्रोत्साहन दिया जाता है. नस्ल सुधार कर आदर्श गोशाला बना रहे हैं.

चंडा

श्री चुडा महाजन पांजरापोल

2 नंदी, 37 गायें, 19 बछियाएं, 21 बछड़े, 7 बैल कुल 86 गोवंश हैं.

सुदामडा

श्री सुदामडा महाजन पांजरापोल

3 नंदी, 39 गायें, 17 बछियाएं, 24 बछड़े, 7 बैल, 15 अन्य कुल 105 गोवंश हैं.

दसाडा तालुका

आदरियाणा

श्री खोडाढोर पांजरापोल

1 नंदी, 5 गायें, 4 बछियाएं, 4 बछड़े, 2 बैल कुल 16 गोवंश हैं.

गोवंश को स्वावलंबी बनाने के लिए नस्ल सुधारने के लिए प्रयत्न कर रहे हैं.

जीजुवाडा

श्री जीजुवाडा पांजरापोल

3 गायें, 2 बछियाएं, 2 बछड़े, 10 अन्य कुल 17 गोवंश हैं. वर्तमान में नंदी नहीं हैं.

पाटडी तालुका

बजाणा

श्री बजाणा पांजरापोल

3 नंदी, 60 गायें, 20 बछियाएं, 30 बछड़े, 1 बैल, 33 अन्य कुल 147 गोवंश हैं.

श्री पाटडी खोडाढोर पांजरापोल

व्यवस्थापक दूरभा-ा 227561 के द्वारा 39 गायें, 22 बछड़े, 4 बैल कुल 65 गोवंश हैं.

हड़वद तालुका

गोडिया

श्री गोडिया महाजन पांजरापोल

2 नंदी, 52 गायें, 20 बछियाएं, 15 बछड़े, 4 बैल, 25 अनय कुल 118 गोवंश हैं.

हड़वद

हड़वद महाजन पांजरापोल

7 नंदी, 67 गायें, 19 बछियाएं, 23 बछड़े, 14 बैल 87 अन्य कुल 217 गोवंश हैं.

टीकर

श्री टीकर पांजरापोल

5 नंदी, 30 गायें, 25 बछियाएं, 30 बछड़े कुल 90 गोवंश हैं. गोवंश को स्वावलंबी बनाने के लिए नस्ल सुधार करने के लिए प्रयत्न जारी है.

जैविक खेती

जैविक खेती किसानों के माध्यम से करवाने के लिए गुजरात गो सेवा आयोग के सहयोग से जनता के द्वारा संगठित प्रयत्न चल रहा है.

लखतर

लखतर पांजरापोल

4 नंदी, 49 गायें, 81 बछियाएं, 218 बछड़े, 5 बैल, 131 अन्य कुल 488 गोवंश हैं.

नस्ल सुधार

नस्ल सुधारने के लिए विशे-ा अभियान चल रहा है.

समढियाणा

श्री धारेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट गौशाला

तालुका सायला दूरभा-ा 02755-267566, मोबाइल 9427430690 में 1 नंदी, 30 गायें, 6 बछियाएं, 5 बछड़े, 2 बैल कुल 44 गोवंश हैं.

चोटीला

श्री धारसी वीरजी गौशाला ट्रस्ट

व्यवस्थापक दूरभा-ा 02751-280339 के द्वारा 1 नंदी, 17 गायें, 8 बछियाएं, 8 बछड़े कुल 34 गोवंश हैं. वर्तमान में नस्ल सुधार कर स्वावलंबन कर रहे हैं.

श्री चोटीला पांजरापोल

10 नंदी, 300 गायें, 50 बछियाएं, 50 बछड़े, 20 बैल, 27 अन्य कुल 457 गोवंश हैं.

भोयका

श्री कुंवरबापा गौशाला

5 गायें, 1 बछियाएं, 2 बछड़े कुल 8 गोवंश हैं. नंदी नहीं है.

नानी मोलडी

नानी मोलडी आपारता गौशाला

तालुका चोटीला मोबाइल 9879376552 में 1 नंदी, 25 गायें, 4 बछियाएं कुल 30 गोवंश हैं.

मूडी

श्री स्वामीनारायण मंदिर गौशाला ट्रस्ट

व्यवस्थापक दूरभा-ा 02756-233330, 233530 के द्वारा 2 नंदी, 40 गायें, 46 बछियाएं, 14 बछड़े, 4 बैल 106 कुल गोवंश रखे गये हैं.

श्री मूडी महाजन पांजरापोल

16 नंदी, 601 गायें, 100 बछियाएं, 157 बछड़े, 30 बैल कुल 904 गोवंश हैं.

तालुका चोटीला

थानगढ

श्री बांडीयाबेली गौशाला

व्यवस्थापक दूरभा-ा 221950 के द्वारा 3 नंदी, 40 गायें, 5 बछियाएं, 2 बछड़े कुल 50 गोवंश हैं. नस्ल सुधार करने के लिए प्रयत्न जारी हैं.

श्री थानगढ पांजरापोल

व्यवस्थापक दूरभा-ा 220314 के द्वारा 4 नंदी, 58 गायें, 27 बछियाएं, 36 बछड़े, 5 बैल, 30 अन्य कुल 160 गोवंश हैं.

सुरजदेवल

सुरजदेवल मंदिर गौशाला

व्यवस्थापक दूरभा-ा 02751-234234 के द्वारा 3 नंदी, 58 गायें, 15 बछियाएं, 15 बछड़े, 4 बैल कुल 95 गोवंश हैं.

रतनपुर

स्वामीनारायण शिक्षण संस्कारधाम

5 गायें, 3 बछियाएं, 2 बछड़े कुल 10 गोवंश हैं. नंदी नहीं है.

सायला

श्री गोरडिया हनुमानजी मंदिर गोशाला

नस्ल सुधार करने संकल्पित हैं. 2 नंदी, 21 गायें, 6 बछियाएं, 3 बछड़े कुल 32 गोवंश हैं.

श्री सायला महाजन पांजरापोल

व्यवस्थापक दूरभा-ा 02755-280582 के द्वारा 6 नंदी, 65 गायें, 90 बछियाएं, 110 बछड़े, 6 बैल एवं अन्य 268 कुल 545 गोवंश हैं.

कोठारिया

श्री रामरोटी अन्नक्षेत्र आश्रम गौशाला

व्यवस्थापक दूरभा-ा 02752-277265, 277565 के द्वारा 13 नंदी, 548 गायें, 209 बछियाएं कुल 770 गोवंश हैं.

लींबडी

श्री मोटा मंदिर गौशाला ट्रस्ट

2 नंदी, 9 गायें, 8 बछियाएं, 5 बछड़े कुल 24 गोवंश हैं. नस्ल सुधार करने के लिए पूरा ध्यान दिया गया है.

श्री लींबड़ी महाजन पांजरापोल

व्यवस्थापक दूरभा-ा 02753-250013 के द्वारा 11 नंदी, 249 गायें, 340 बछियाएं, 363 बछड़े, 33 बैल, 346 अन्य कुल 1342 गोवंश हैं.

पाणसीणा

श्री पाणसीणा महाजन पांजरापोल

10 बछियाएं, 31 बछड़े कुल 41 गोवंश हैं. नस्ल सुधारने के लिए नंदी तैयार कर रहे हैं.

नाना टींबला

श्री रामदेवजी सेवा ट्रस्ट गौशाला

व्यवस्थापक दूरभा-I 257318 के द्वारा 1 नंदी, 16 गायें, 5 बछियाएं, 2 बछड़े कुल 24 गोवंश हैं.

लींबडी

श्री कबीर आश्रम गौशाला

व्यवस्थापक दूरभा-I 02753-2630401, 261518 के द्वारा नस्ल सुधार करने के लिए 1 नंदी, 14 गायें, 27 बछियाएं, 14 बछड़े, 2 बैल कुल 58 गोवंश हैं.

आंचरडा

श्री तपस्वीबापू स्मृति गौसेवा ट्रस्ट

व्यवस्थापक दूरभा-I 02753-236224 के द्वारा 3 गायें, 2 बछियाएं, 2 बछड़े, 2 बैल कुल 9 गोवंश हैं.

नंदी तैयार कर नस्ल सुधार करने के लिए विशे-I कार्य जारी हैं.

ध्रांगध्रा

श्री राम महेल मंदिर ट्रस्ट गौशाला

व्यवस्थापक दूरभा-I 02754-283710 के द्वारा नस्ल सुधार करने के लिए 1 नंदी, 15 गायें, 4 बछियाएं, 3 बछड़े कुल 23 गोवंश हैं.

श्री ध्रांगध्रा पांजरापोल

72 नंदी, 146 गायें, 55 बछियाएं, 234 बछड़े, 4 बैल, अन्य 696 कुल 1207 गोवंश हैं.

नस्ल सुधार

नस्ल सुधार करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है.

दूधई

दूधई वडवाडा देव गौशाला

व्यवस्थापक दूरभा-I 02756-244345 के द्वारा 1 नंदी, 119 गायें, 17 बछियाएं, 9 बछड़े, 2 बैल कुल 148 गोवंश हैं.

कोटो

केशवस्वामी गौशाला सेवा ट्रस्ट

व्यवस्थापक दूरभा-I 02754-255075 के द्वारा 1 नंदी, 14 गायें, 4 बछियाएं, 2 बछड़े, 1 बेल कुल 22 गोवंश हैं.

मेवासा

श्री नारायण एज्यूकेशन चेरिटेबल ट्रस्ट गौशाला

व्यवस्थापक दूरभा-ा 2237344 के द्वारा 1 नंदी, 26 गायें, 3 बछियाएं, 2 बछड़े, 3 बैल कुल 35 गोवंश हैं.

दूधरेज

दूधरेज वडवाडा मंदिर गौशाला

व्यवस्थापक दूरभा-ा 02758-255702 के द्वारा 4 नंदी, 180 गायें, 26 बछियाएं, 20 बछड़े, 10 बैल कुल 240 गोवंश हैं.

सायला

लालजी महाराज मंदिर गौशाला

व्यवस्थापक दूरभा-ा 2806445 के द्वारा 2 नंदी, 90 गायें, 85 बछियाएं, 25 बछड़े, 6 बेल कुल 208 गोवंश हैं.

कोढ

केशवस्वामी गौशाला सेवा ट्रस्ट

व्यवस्थापक दूरभा-ा 02754-255079 के द्वारा नस्ल सुधार करने के लिए 1 नंदी, 14 गायें, 4 बछियाएं, 2 बछड़े कुल 21 गोवंश हैं.

सीतापुर

लालजी महाराज गौशाला

व्यवस्थापक दूरभा-ा 230427 के द्वारा 1 नंदी, 15 गायें, 4 बछियाएं, 2 बछड़े कुल 22 गोवंश हैं.

गोवंश को पूरी तरह से स्वावलंबी बनाने के लिए नस्ल सुधार कर रहे हैं.

निराली

खरेश्वर महादेव मंदिर गौशाला ट्रस्ट

व्यवस्थापक दूरभा-ा 02754-240451 के द्वारा 2 नंदी, 98 गायें, 80 बछियाएं, 18 बछड़े कुल 198 गोवंश हैं.

ध्रांगध्रा

श्री राम महेल मंदिर गौशाला

व्यवस्थापक दूरभा-ा 283710 के द्वारा 1 नंदी, 12 गायें, 6 बछियाएं, 3 बछड़े, 2 बैल कुल 24 गोवंश हैं. उत्तम नस्ल तैयार करने के लिए प्रयत्नशील हैं.

गेडिया

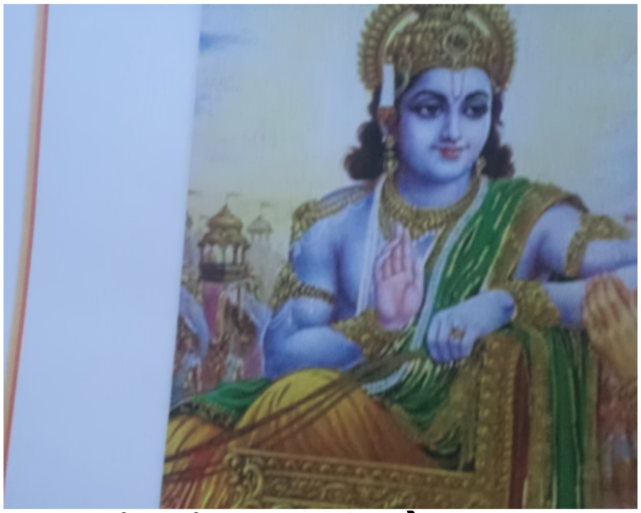

श्री कालीया ठाकर मंदिर गौशाला

50 गायें, 10 बछियाएं, 5 बछड़े कुल 65 गोवंश हैं. उत्तम नस्ल तैयार करने के लिए नंदी तैयार करने के लिए विशे-ा प्रयत्न किये जा रहे हैं.

तरणेतर

श्री त्रिनोतेश्वर महादेव मंदिर गौशाला

5 गायें, 3 बछियाएं, 2 बछड़े कुल 10 गोवंश हैं.

आदरीयाणा

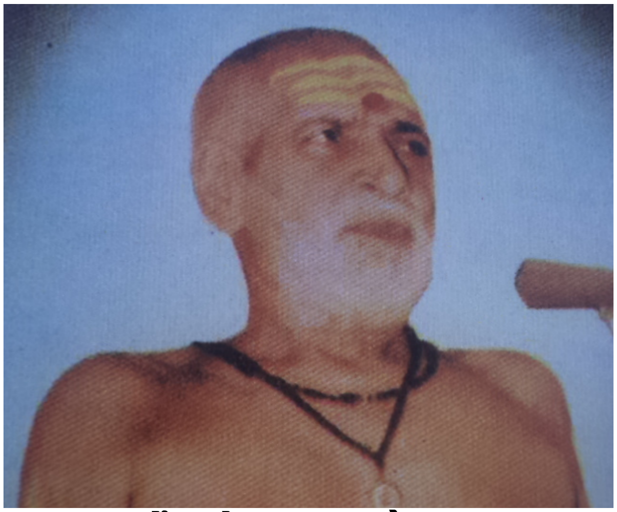

सर्वोदय सेवाश्रम ट्रस्ट गौशाला

1 नंदी, 5 गायें, 4 बछियाएं, 5 बछड़े कुल 15 गोवंश हें.

कंथारीया

श्री रामप्रताप गौशाला सेवा ट्रस्ट

नस्ल सुधार करने के लिए 2 नंदी, 15 गायें, 5 बछियाएं, 3 बछड़े कुल 25 गोवंश हैं.

मूडी

श्री मांडव रायजी गौशाला ट्रस्ट

8 गायें, 4 बछियाएं, 4 बछड़े कुल 16 गोवंश हैं.

वढवाण

श्री स्वामीनारायण मंदिर गौशाला

2 नंदी, 35 गायें, 22 बछियाएं, 5 बछड़े कुल 64 गोवंश हैं.

वढवाण महाजन पांजरापोल

व्यवस्थापक दूरभा-ा 220044 के द्वारा 60 नंदी, 1380 गायें, 265 बछियाएं, 286 बछड़े, 21 बैल, अन्य 67 कुल 2079 गोवंश हैं.

वच्छराज बेट

वच्छराज बेट वच्छराज दादाजी जीवदया गौशाला ट्रस्ट

2 नंदी, 87 गायें, 17 बछियाएं, 14 बछड़े कुल 120 गोवंश हैं.

ध्रांगध्रा तालुका

राजसीतापुर

राजसीतापुर पांजरापोल

2 नंदी, 27 गायें, 11 बछियाएं, 18 बछड़े कुल 58 गोवंश हैं.

ध्रांगध्रा

श्री भगवतधाम गौशाला

1 नंदी, 15 गायें, 7 बछियाएं, 3 बछड़े कुल 26 गोवंश हैं. नस्ल सुधारने के लिए पूरी तरह से जागरुक हैं.

महेसाणा जिला

सिद्धपुर तालुका
मेथान
कामधेनु सेवा

एशिया का सबसे बड़ा गोबर गैस संयंत्र

विश्व में ओजोन परत को सुरक्षित रखने के लिए बहुत सारे प्रयत्न चल रहे हैं इसलिए भारत में भी 25 अप्रेल 1987 को गुजरात के महेसाना जिले में सिद्धपुर तालुका में 5000 की जनसंख्या वाला गांव मेथान में 176 परिवारों के लाभ के लिए सिल्वर जुबली बायो गैस प्रोडयूसर एंड कंज्यूमर कोपरेटिव सोसायटी के द्वारा 100 प्रतिशत अनुदान के आधार पर 630 घनमीटर क्षमता का सामुहिक गोबर गैस संयत्र लगाया गया है जिसमें 8.5 टन गोबर का प्रतिदिन उपयोग किया जाता है जिसके फलस्वरुप साल में 1920 टन गोबर गैस स्लरी का उत्पादन किया जाता है.

आदर्श गांव

मेथान गांव 20 सालों से सम्पन्नता के कारण आज गुजरात का आदर्श गांव है.

प्रचार

वीडियो सीडी तैयार कर उपलब्ध करवायी गयी है. एशिया में सामुहिक कामधेनु सेवा का बहुत ही अधिक प्रचार चेनल तथा सभी समाचार पत्रों में हुआ है.

कामधेनु सेवा करने के लिए मेथान में सामुहिक स्तर पर विश्व में यह आदर्श कार्य किया गया है.

विश्व हिंदु परि-ाद

श्री भरतभाई जानी जी मोबाइल 9427681211 विश्व हिंदु परि-ाद के माध्यम से कामधेनु के संवर्धन करने के लिए गो विज्ञान परीक्षा जैसी बहुत सारी गतिविधियां संगठित होकर कर रहे हैं.

खेरालू
श्री महाप्रभुजी की 71 वी बैठक श्री माडीवास
जिला महेसाणा 02761-230130

अहमदाबाद से महेसाणा होकर खेरालू स्टेशन पहुंचना है. नवनीतप्रिया जी का स्वरुप महाप्रभुजी ने जगन्नाथ जोशी की मां को पधरा दिया था.

कालीदास विठठलदास जोशी उनके वंशज वर्तमान में सेवा कर रहे हैं. श्रीकृ-णदेव राजा के द्वारा जो चम्मर कनकाभि-ोक के समय में श्री महाप्रभुजी को दिया था वह यहां पर मौजूद है. जगन्नाथ जोशी ने पादुकाएं मांगी थी. श्री महाप्रभुजी की पादुकाएं यहां पर बिराज रही हैं.

दूसरी बार परिक्रमा करते समय श्री महाप्रभुजी जब खेरालू के बाहर पधारे थे तब उनका प्रताप सुनकर बहुत सारे व्यक्ति दर्शन करने के लिए पधारे थे.

श्री महाप्रभुजी को सा-टांग दंडवत प्रणाम कर जब माता ने विनंती की कि मैं बहुत ही गरीब ब्राहमण हूं. अनपढ होने के कारण कुछ भी नहीं जानती हूं. मेरी जीविका जैसे तैसे चल रही है. मेरे दो लड़के हैं उनको पढ़ा रही हूं. आप मुझे सेवा पधरा दें तथा रीति समझा दें. श्री महाप्रभुजी ने सेवा की रीति समझायी.

प्रातःकाल उठकर स्नान कर नवनीतप्रिया जी के स्वरुप को सिंहासन पर बैठाकर मेवा तथा मिश्री धराकर जल की जारीजी भर बंटा भरकर प्रेम से सेवा करो. एकमात्र भगवान में अपना मन लगाओ. तुम्हारा अवश्य ही कल्याण होगा.

तीसरी बार जब खेरालू पधारे तब जगन्नाथ जोशी

के धर में पधारे. वेद का पारायण किया था. श्री महाप्रभुजी श्री ठाकुर जी के दर्शन करने के लिए पधारे. श्री ठाकुरजी की जीभ तथा होठ लाल थे. श्री महाप्रभुजी ने श्री ठाकुरजी को पूछा कि आपके होठ तथा जीभ लाल क्यों है?

श्री ठाकुर जी ने कहा कि आपका सेवक मुझे गरम खीर खिलाता है जिसके कारण मैं गरम गरम खाता हूं तो मेरा यह हाल हो गया है. जब महाप्रभु जी ने अपने सेवक से पूछा तब उसने कहा कि गरम खीर बहुत अच्छी होती है. महाप्रभुजी ने कह कि खीर ठंडी अच्छी होती है.

श्री महाप्रभुजी साक्षात बिराजकर श्रीमद भागवत सप्ताह में रसावेश कर देहानुसंधान भुला देते हैं. खेरालू में श्री जगन्नाथ जोशी की मां पर बहुत प्रसन्न रहने के कारण ही घर में बिराजकर पाक करिके भोग धर परम प्रीति सो आरोगते. आप कथा कहते. कथा में जगन्नाथ जोशी ने युगलगीत का एक श्लोक पूछा तो तीन प्रहर व्यतीत हो गये. आपने श्रीमद भागवत सप्ताह की. यहां से आप सिद्धपुर पधारे.

वडनगर

1973 से भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड चेन्नई के वित्तीय सहयोग से महेसाणा डिस्ट्रीक्ट एनिमल वेलफेयर सोसायटी कापड़ बाजार वडनगर 384355 गोवंश को बचाने तथा उनको सुरक्षित रखने के लिए 35 सालों से बहुत ही अच्छी तरह से कार्य कर रही है.

नानी कड़ी

स्वामी विवेकानंद एज्यूकेशन ट्रस्ट गोशाला नानी कडी तालुका कडी जिला महेसाणा 02765-262722 मोबाइल 982513322 में 22 गोमाताएं, 7 बछियाएं, 8 बछड़े पाले जा रहे हैं.

वालम

सर्वोदय आश्रम गोपाला वालम तालुका विसनगर जिला महेसाणा 2 सांढ़, 12 गोमाताएं, 6 बछियाएं, 4 बछड़े, 1 बैल पाले जा रहे हैं.

मोरवाड

श्री वृंदावन गोशाला मोरवाड तालुका वीजापुर जिला महेसाणा में 1 सांढ़, 4 गोमाताएं, 8 बछियाएं, 2 बछड़े पाले जा रहे हैं.

खेड़ा जिला

अलीणा

श्री गुंसाई जी की 22 वी बैठक

अलीणा डाकोर से 5 गाउ यानी 4 मील दूर है. नडियाद से कपडवंज रेल्वे में महूधा से जाते हैं. श्री गुंसाई जी की बैठक अलीणा में महीधरजी फुलबाई के घर में है. यहां पर श्री गुंसाई जी साक्षात बिराज रहे हैं. नित्य वै-णव दर्शन करने के लिए आते हैं.

महीधर सरकारी पद पर थे तब महीधर देसाई तथा फुलबाई ने नरहर जोशी को विनंती की कि गुंसाई जी को अलीणा में पधरा लायें. पहले नरहर जोशी जब अलीणा में श्री गुंसाई जी को पधराये लाये तब महीधर जी सामने से गुंसाई जी को पधराने के लिए चले.

महीधरजी ने कहा कि खाली हाथ श्री गुंसाई जी को कैसे पधरायें? नरहर जोशी ने कहा कि महोर तथा रुपये न्योछावर करो. तब महीधर जी महोर एवं रुपीया न्यौछावर करके अपने घर पधराये.

सहकुटुंब सभी श्री गुंसाई जी के सेवक बने. महीधर को गुंसाई जी का बहुत ही अधिक विरह था. श्री गुंसाई जी एकांत में प्रकट होकर दर्शन देकर विरह दूर करते थे.

महीधरजी को फुलबाई ने विनंती की कि ठाकोरजी पधरा दीजिये तब श्री मदनमोहन जी देकर सेवा करने की रीति बतलाई तथा श्री गुंसाई जी ने आज्ञा की कि जैसा नरहर जोशी कहें वैसा करें. वर्तमान में मुम्बई में कोट में मदनमोहन जी बिराज रहे हैं.

एक बार अलीणा में आग लगी. तब नरहर जोशी खेरालू में तालाब उपर स्नान कर रहे थे. नित्यकर्म कर हाथ में तुलसी तथा फूल की छाब लेकर आ रहे थे. नरहर जोशी जी के मन में प्रेरणा हुई कि अलीणा में आग लगी है.

नरहर जोशी ने उस समय रास्ते में खड़े रहकर तुलसी दल के चारों ओर जल की धारा कुंडलाकार की जिससे अलीणा में लगी आग बंद हो गयी. अपने छोटे भाई जगन्नाथ जोशी को जब नरहर जोशी को अलीणा की आग बुझाने की बात कही तब हठ न करने की सलाह छोटे भाई ने दी.

डाकोर

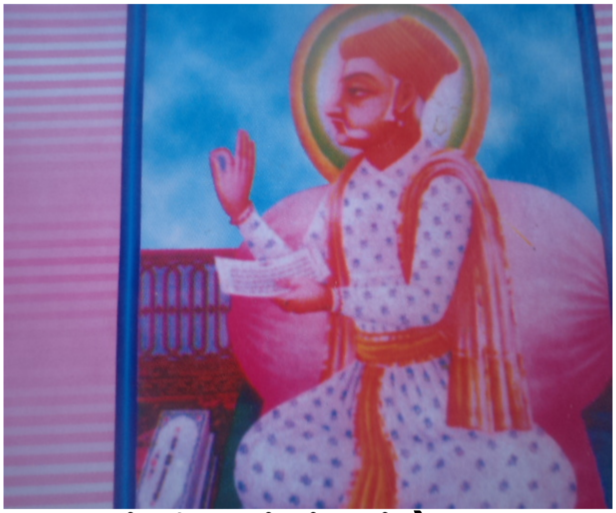

श्री हरिराय जी की 5 वी बैठक

श्री हरिराय जी की बैठक डाकोर में श्री गोमती जी के किनारे पर है. बैठक जी बहुत ही सुंदर तथा अलौकिक है. श्री हरिरायजी के अनुसार श्री रणछोडजी के दर्शन श्री महाप्रभुजी के संबंध के कारण करना चाहिये.

कामधेनु परिवार

दूर दूर से वै-णव श्री हरिरायजी के अदभुत प्रताप को देखकर श्रीमद भागवत कथा सुनने के लिए आये थे. अनेक जीवों का उद्धार सेवक बनकर हुआ है. कामधेनु परिवार बन गया है.

84 वचनामृत

कलियुग में हरिरायजी के 84 वचनामृतों के कारण ही चमत्कार हुआ है.

श्री हरिराय जी ने यहां पर भावविभोर होकर श्रीमद भागवत सप्ताह की. सभी को बहुत ही सुख मिला है.

श्री हरिराय जी यहां पर नित्य दर्शन दे रहे हैं. बैठक में बहुत ही सुंदर सेवा का क्रम चल रहा है.

बोडाणा भक्त के द्वारा द्वारका से डाकोर में श्री रणछोडरायजी को पधराया था. यवनों के आक्रमण के समय में कुछ समय के लिए श्री रणछोडरायजी गुप्त रुप से बिराज रहे थे.

श्री हरिराय जी जब गुजरात में पधारे थे तब भोजन करके अलीणा में विश्राम कर रहे थे उस समय श्री रणछोड जी के द्वारा हरिराय जी को स्वप्न में आज्ञा की कि मैं यहां पर छपरे में बैठा हूं. एक ब्राहमण मुझे नित्य एक लोटा जल डाल जाता है सो आप साधारण मंदिर में पधरायें.

श्री हरिराय जी श्री रणछोड जी के मंदिर में दर्शन करने पधारे. दर्शन कर वै-णवों को बुलवाया तथा श्री रणछोडजी को मूहर्त देखकर पधराया. खेडावाल ब्राहमण को सेवा में नहलाया तब पहले जो नित्य सेवा करता था उसने आकर विनंती की कि मैं पहले से ही सेवा कर रहा हूं.

तब हरिराय जी ने आज्ञा की कि आधा आधा बांट लें. श्री हरिराय जी के द्वारा एक बार श्री रणछोड जी की सेवा प्रारम्भ करने पर आज भी बहुत ही सुंदर सेवा चालू है.

श्री डाकोर निराश्रित गोशाला स्टेशन रोड डाकोर जिला खेडा में 3 सांढ़, 46 गोमाताएं, 28 बछियाएं, 10 बछड़े, 4 बैल पाले जा रहे हैं.

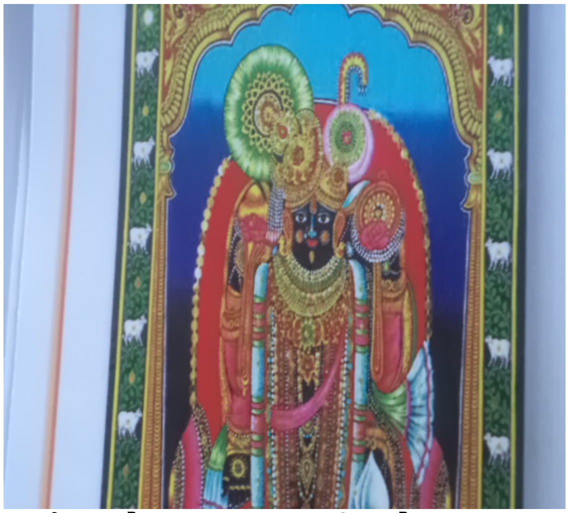

श्री रणछोडराय महाराज मंदिर गोशाला ट्रस्ट

दूध से व्यंजन

श्री रणछोड़राय जी के दर्शन करने पूरे विश्व में अपार उत्साह है. श्री रणछोड़राय महाराज जी के मंदिर में प्रतिदिन गोमाता के दूध का उपयोग नये नये व्यंजन तैयार करने के लिए किया जाता है.

कामधेनु सेवा

डाकोर में प्रतिदिन दर्शन करने के लिए बहुत बड़ी संख्या में आते हैं तथा गोवंश के संपूर्ण विकास करने के लिए बहुत ही उदारता के साथ में दान कर रहे हैं.

श्री रणछोडराय महाराज मंदिर गोशाला ट्रस्ट डाकोर जिला खेड़ा में अपार आय आने के कारण ही उदार मन से गोवंश के संपूर्ण विकास करने के लिए बहुत ही उत्साह के साथ में 11 सांढ़, 322 गोमाताएं, 183 बछियाएं, 210 बछड़े, 12 बैल पाले जा रहे हैं.

श्रीजंबूसर

श्री हरिराय जी की 7 वी बैठक

सावली से यहां पर आप पधारे हैं. श्री हरिराय जी की बैठक तालाब के पास में हैं. श्री हरिराय जी यहां पर बिराजकर कथा करते थे. प्रेमजीभाई ने युगलगीत का प्रसंग पूछा तब तीन प्रहर तक आपने महा अलौकिक रसावेश से वै-णवों को आनन्दित किया.

देह का अनुसंधान न रहने पर सावधान किया. दूर दूर से अनेक जीव आपके अलौकिक प्रताप को जानकर आये. आपने श्रीमद भागवत सप्ताह कर अनेक जीवों का उद्धार किया. यहां से आप श्रीनाथद्वारा पधारे.

अपने 84 वचनामृतों में बताया कि कलियुग में जीव का उद्धार ब्रहम संबंध ग्रहण करने के बाद में सिर्फ सत्संग करने से ही संभव है. वै-णवों के प्रति आदर, प्रेम तथा नि-कपट भाव रखने पर जीव का जीवन सार्थक है. दीनता के साथ में जीव के द्वारा हरि गुरु एवं वै-णवों की सेवा करना आवश्यक है.

नडीयाद

संतराम मंदिर

नड़ीयाद में संतराम जी का मंदिर बहुत ही प्रसिद्ध है. बहुत ही विशाल भूमि पर संतराम मंदिर में गोवंश के संवर्धन करने के लिए अखंड अग्नि की स्थापना बहुत ही लंबे समय से की गयी है. समय समय पर यहां पर आचार्यों के प्रवचन आदि कार्यक्रम किये जाते हैं. दूर दूर से अपना उपचार करवाने के लिए संतराम मंदिर में प्रतिदिन बहुत बड़ी संख्या में मरीज आते हैं.

श्री करुणामणि मंगला सेवा ट्रस्ट गोशाला संस्कारधाम डाकोर रोड नडीयाद जिला खेड़ा में वर्तमान में गीर एवं कांकरेज नस्ल को सुरक्षित रखने के लिए 1 सांढ़, 12 गोमाताएं, 15 बछियाएं, 6 बछड़े पाले जा रहे हैं.

वडताल

स्वामीनारायण मंदिर गोशाला वडताल तालुका नडियाद जिला खेडा में संगठित स्तर पर बहुत ही अच्छा कार्य किया गया है. गो ग्रास के लिए उदारता के साथ में सहयोग दिया गया है. गोमूत्र एवं गोबर का उपयोग बहुत अधिक किया गया है. विश्व में रहने वाले अनुयायी अपने कोश में से नियमित दान कर रहे हैं. 1 सांढ, 53 गोमाताएं, 19 बछियाएं, 23 बछड़े, 4 बैल पाले जा रहे हैं.

कबीलपोर

1991 से भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड चेन्नई से पंजीकृत करवाकर तथा वित्तीय सहायता प्राप्त कर तपोवन संस्कारधाम, धारागिरी डाकघर कबीलपोर, नवसारी हाइवे पर, जिला नवसारी 396424 संपर्क 02637 236183, 258959 में गुजरात गो सेवा आयोग के वित्तीय सहयोग से पंचगव्य दवाएं तैयार की जा रही हैं.

जिला साबरकांठा

जुना भवनाथ

भुवनेश्वरी महादेव ट्रस्ट

डाकघर मउ तालुका भीलोडा में 5 गायें, 3 बछियाएं, 1 बछड़ा कुल 9 गोवंश रखे गये हैं. नंदी एक भी नहीं है.

देशी गोवंश के विकास करने के लिए गोबर एवं गोमूत्र के जैविक खाद तथा पंचगव्य महो-ाधियों के निर्माण करने के लिए संकल्पित हैं.

गोबर गैस, सीएनजी जैसे कई कार्य कर 100 प्रतिशत उपयोग कर स्वावलंबन करने के लिए संगठित होकर प्रयत्नशील हैं.

सोनासण

गोपालदास पटेल फाउन्डेशन गौशाला

तालुका प्रांतीज में 1 नंदी, 12 गायें, 7 बछियाएं, 4 बछड़े, 2 बैल कुल 26 गोवंश रखे हैं. देशी गोवंश की नस्ल सुधारने के लिए संगठित प्रयत्न कर रहे हैं.

जैविक खेती तथा पंचगव्य महो-ाधियों के माध्यम से स्वावलंबन के लिए प्रयत्नशील हैं.

शामडाजी

श्री शामडाजी वि-ाु मंदिर गौशाला

तालुका भीलोडा दूरभा-ा 02771-240121, 240399 के द्वारा 1 नंदी, 31 गायें, 14 बछियाएं, 10 बछड़े, 2 बैल कुल 58 देशी नस्ल के गोवंश रखकर जैविक खेती तथा पंचगव्य महो-ाधियों पर गहन अनुसंधान कर स्वावलंबन करने के लिए संगठित प्रयत्न किया जा रहा है.

रोजड

श्री आर्यवन गौशाला

तालुका तलोद दूरभा-ा 02774-277717 के द्वारा 2 नंदी, 30 गायें, 45 बछियाएं, 13 बछड़े, 1 बेल रखकर देशी गोवंश की नस्ल सुधार करने के लिए जैविक खाद, गोबर गैस, सीएनजी, पंचगव्य महो-ाधियों पर गहन अनुसंधान कर जेविक खेती करने के लिए संगठित प्रयत्न किया जा रहा है.

अनेरा

श्री विश्व मंगलम अनेरा गौशाला

व्यवस्थापक दूरभा-ा 02772-226434 के द्वारा 1 नंदी, 14 गायें, 3 बछियाएं, 2 बछड़े कुल 20 गोवंश रखकर नस्ल सुधार करने के लिए संगठित प्रयत्न किया गया है.

तालुका भीलोडा

भूतवड

पुरावास

श्री नूतन केडवडी मंडल भीलोडा गौशाला

व्यवस्थापक दूरभा-ा 0250-232179 के द्वारा 7 गायें, 4 बछियाएं, 2 बछड़े कुल 13 गोवंश रखकर जैविक खेती तथा पंचगव्य महो-ाधियों पर गहन अनुसंधान कर संगठित प्रयत्न जारी हैं.

तालुका मेघरज

कसाणा

श्री सेवामंडल मेघरज वैश्वानर गौशाला

व्यवस्थापक दूरभा-ा 02773-284242 के द्वारा 9 गायें, 8 बछियाएं, 5 बछड़े, 2 बैल कुल 24 गोवंश रखकर जैविक खेती तथा पंचगव्य महो-ाधियों पर गहन अनुसंधान करने के लिए संगठित प्रयत्न किये जा रहे हैं.

खेडब्रहमा

श्री जीवदया पांजरापोल संस्था

अंबाजी हाइवे रोड पर 2 गायें, 1 बछिया, 2 बैल रखकर जीवदया कार्य कर रहे हैं.

तालुका मेघरज

लीभोई

श्री केवलज्ञान सेवा समाज संचालित गौशाला

1 गाय, 2 बछड़े, 2 बैल कुल 5 गोवंश रखकर सेवा कर रहे हैं.

वडचली

विनोबा आश्रम गोशाला

1 नंदी, 27 गायें, 7 बछियाएं, 9 बछड़े कुल 44 गोवंश रखकर जैविक खेती करने तथा पंचगव्य महो-ाधियों पर गहन अनुसंधान संगठित स्तर पर कर स्वावलंबन किया जा रहा है.

प्रांतिज

श्री शरदचंद पारीख 992433638, 9714343634 प्रांतिज पांजरापोल खोढा ठोर विवेकानन्द शापिंग सेन्टर सामने, सब्जी बाजार के पीछे, ग्राम प्रांतिज 383203 जिला साबरकांटा दूरभा-ा 02990-230930 वर्तमान में बिना हरे चारे के ही 60 गाय रखने की क्षमता के साथ में 2 एकड़ भूमि पर कुल 6,20,881 रु. प्राप्त कर परिवर्तन करने के लिए प्रयत्नशील हैं.

हिम्मतनगर

विश्व हिंदु परि-ाद

परीक्षा

श्री जीवाभाई राठोड मोबाइल 9426283400 संघ के समर्पित कार्यकर्ता हैं. 66 साल की आयु में गुजरात में कामधेनु के दर्शन, कृपा, परिवार तैयार करने के लिए भारतीय गो विज्ञान परीक्षा हर गुरुकुल, विद्यालय, महाविद्यालय में करवाकर मानसिक परिवर्तन करने के लिए सक्रिय हैं.

कामधेनु सेवा

श्री कृ-ण गो संवर्धन ट्रस्ट, वृंदावन परिसर, भोलेश्वर महादेव मंदिर, भोलेश्वर हिम्मतनगर, श्री नटूभाई डाबी मोबाइल 9909177203 कामधेनु पंचगव्य चिकित्सालय, कर्मधान भवन, आदर्श विद्यालय के बाजू में, मोतीपुरा, हिम्मतनगर जिला साबरकांठा 383001 घी तथा पंचगव्य महो-ाधियां उपलब्ध करवा रही हैं.

इडर

कामधेनु परिवार

इडर पांजरापोल गौशाला

1 नंदी, 68 गायें, 49 बछियाएं, 27 बछड़े कुल 145 गोवंश रखकर कार्य कर रहे हैं. आदर्श गौशाला बनाने के लिए संगठित प्रयत्न करने के कारण ही इडर का ध्यान वर्तमान में पूरे विश्व में है.

इडर पांजरापोल

1991 से भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड चेन्नई के द्वारा पंजीकृत होकर तथा गुजरात गो सेवा आयोग से वित्तीय सहायता प्राप्त कर श्री इडर पांजरापोल संस्था इडर साबरकांठा 383430 दूरभा-ा 02778-250056 9 नंदी, 275 गायें, 12 बछियाएं, 79 बछड़े, 25 बैल एवं अन्य 1072 कुल 1472 गोवंश रखकर देशी नस्ल सुधार, जैविक खेती करने के लिए जैविक खाद, फसलरक्षक, गोबर गेस स्लरी, गोबर गैस, सीएनजी जैसे बहुत सारे कार्यक्रमों के द्वारा पंचगव्य पर निरन्तर अनुसंधान कर असाध्य रोगों को दूर करने के लिए जबरदस्त अभियान चल रहा है.

कामधेनु सेवा

21 सालों में कामधेनु सेवा का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत कर गोबर एवं गोमूत्र के उपयोग पर जनसाधारण में नयी चेतना उत्पन्न हुई है.

बनासकांठा जिला

डीसा

पंचगव्य

मोबाइल 09426428751 पर विश्व की सबसे बड़ी गोशाला राजस्थान पथमेड़ा में पृथ्वीमेड़ा पंचगव्य उत्पादन प्रा. लि. के द्वारा निर्मित सभी वस्तुएं उपलब्ध हैं.

श्री जुना डीसा महाजन पांजरापोल

श्री सुइगाम खोडाढोर पांजरापोल

श्री खोडाढोर पांजरापोल

श्री सिध्धभूवन मनोहर जेन पांजरापोल

श्री भांभर खोडाढोर पांजरापोल

श्री वाव जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ

श्री राजपुर डीसा पांजरापोल

कामधेनु परिवार

श्री राजपुर डीसा पांजरापोल डीसा जिला बनासकांठा में 1270 सांढ, 1766 गोमाताएं, 366 बछियाएं, 1365 बछड़े, 25 बैल, 174 अन्य जीव पालन किए जा रहे हैं. विश्व से गोवंश के लिए धन उदारता के साथ दिय गया है.

एडस के खिलाफ जबरदस्त अभियान चलाने के लिए बड़ी मात्रा में गोमूत्र की दवाएं तैयार करने के लिए बहुत ही जागरुक उर्जावान वैद्य की आवश्यकता है.

टंटोडा

कामधेनु दर्शन

श्री राजराम गोशाला आश्रम टंटोडा तालुका डीसा जिला बनासकांठा में 150 सांढ, 4820 गोमाताएं, 375 बछियाएं, 251 बछड़े, 6 बैल पाले जा रहे हैं. गीर एवं कांकरेज को सुरक्षित रखने के लिए संगठित होकर बहुत ही अच्छा कार्य किया गया है.

एडस के खिलाफ अभियान चलाने के लिए उर्जावान वैद्य के मार्गदर्शन में बहुत बड़े स्तर पर गोमूत्र को एकत्र कर पंचगव्य दवाएं तैयार करने की आवश्यकता है.

श्री पालनपुर महाजन पांजरापोल

पालनपुर

पंचगव्य

मोबाइल 09428459225 पर विश्व की सबसे बड़ी गोशाला राजस्थान पथमेड़ा में पृथ्वीमेड़ा पंचगव्य उत्पादन प्रा. लि. के द्वारा निम्रित सभी वस्तुएं उपलब्ध हैं.

कामधेनु का सम्मान विश्व में भारत की पहचान

श्री धीरज कुमार डाहयालाल परीख मेनेजिंग ट्रस्टी मोबाइल पशु समाधि सेवा ग्रुप कार्यालय 17, व्हाइट हाउस, बनास होटल के सामने, पालनपुर बनासकांठा पिन 385001 दूरभा-ा : 255775, मेनेजर मो. 9879584017, 9898234520, निवास वैभव बंगलो, एस.टी. स्टेंड के सामने, कुंभासण 385515 दूरभा-ा : 02742-222263 भगवान महावीर के विश्व को दिये गये जीयो और जीने दो के आदेश से कामधेनु के सम्मान करने के लिए प्रतिज्ञाबद्ध हैं.

गौ सेवा तीर्थ

उत्तर गुजरात में बनासकांठा जिले में 12 तालुकों में मोर, बंदर, कुत्तों, बिल्ली, चिड़िया, तोता, कबूतर जैसे मुक जीवों के उपचार करने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है.

वर्तमान में सरकार सिर्फ दूध देने वाले पालतु जानवरों के उपचार करने के लिए सक्रिय है.

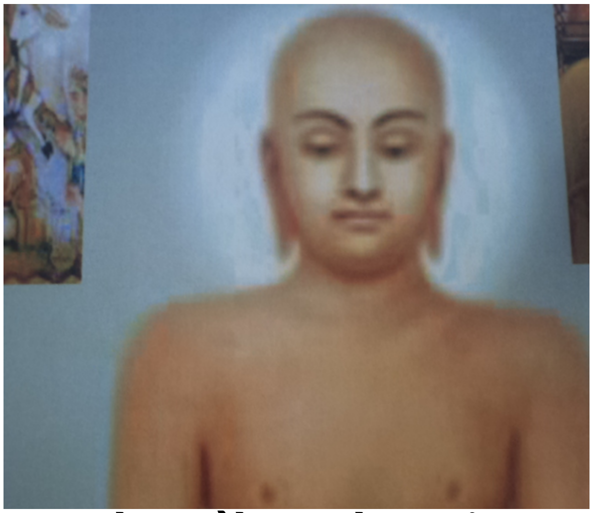

पालनपुर में मात्र पौने चार करोड़ रु. की भगवान महावीर के जीवदया के आदेश से गौ सेवा तीर्थ स्थापित करने की अदभुत योजना है.

कामधेनु सेवा

24 घंटे कामधेनु चिकित्सक की सेवा उपलब्ध है. 3300 से अधिक जीवों की संस्था के उपचार केंद्र में बिना मूल्य सेवा की गयी है.

वेदना से मुक्ति

1500 लावारिस जीवों को वेदना में से मुक्ति दी गयी है.

पांजरापोल में भरती

2600 से अधिक जीवों को पांजरापोल में भरती किया गया है. जीवदया संस्थाओं को सूखा घांसचारा दिया जाता है.

आपातकालीन सेवाएं

5000 से अधिक जीवों को अचानक दुर्घटना के समय घायल हो जाने पर आपातकालीन सेवायें दी गयी हैं. तीन एम्बुलेंस 24 घंटे दुर्घटना के समय में कामधेनु सेवा के लिए तत्पर हैं.

जलसेवा

कामधेनु के लिए उत्तम जलसेवा करने के लिए बहुत सारे नांद बनाये गये हैं.

पक्षियों के दाना

75 बोरी साल में दाना पक्षियों के लिए उपलब्ध है.

कुत्तों को भोजन

कुत्तों को प्रतिदिन घी लगाकर तथा दूध में डूबोकर रोटी देने की व्यवस्था की गयी है. कुत्तों के लिए 350 स्टील के बरतन वाले चाटनु का निर्माण किया गया है.

चिटियों को आहार

प्रतिदिन चिटियों को आहार देने की बहुत ही उत्तम व्यवस्था है.

कामधेनु समाधि

9000 मृत्यु प्राप्त जीवों को गढढा खोदकर नमक डालकर कफन ओढ़ाकर अबिल, गुलाल, कंकू, अगरबत्ती के साथ सम्मानपूर्वक समाधि दी गयी है.

पंचगव्य महो-धियां

धीरजभाईशाह पालनपुर 02742-222263,

वापी

रुसी होस्पीटल वापी 0260-2707623,

श्री चीमनगढ पांजरापोल

दियोदर खोडाढोर पांजरापोल

सिहोरी महाजन पांजरापोल

धानेरा महाजन पांजरापोल

जय बजरंग सेवा ट्रस्ट

श्री घुडीयावीर गौशाला ट्रस्ट

श्री भांभर प्रगति मंडल पांजरापोल

थराद पांजरापोल

जयश्री दरियावाला चेरिटेबल ट्रस्ट पांजरापोल

श्री जलाराम गौसेवा केंद्र सं. पांजरापोल

श्री लोकनिकेतन रतनपुर गौशाला

श्री सोमारपुर महाराज गौशाला

श्री कृ-ण गौसेवा, मानव सेवा ट्रस्ट

श्री सिद्धसंत श्री रामपुरीजी गौशाला सेवा ट्रस्ट

श्री देवदरबार मठ गौशाला ट्रस्ट

श्री केवलपुरीजी गौशाला ट्रस्ट

श्री मणीलाल गगलदास पटेल गौशाला ट्रस्ट

श्री नूतन भारती ग्राम विद्यापीठ गौशाला

श्री राजाराम गोशाला आश्रम

श्री सर्वोदय आश्रम

जय बजरंग सेवा ट्रस्ट

श्री घोडीयाधर गोशाला ट्रस्ट

राजकोट जिला

राजकोट

श्री राजकोट महाजन पांजरापोल

डाकधर राजकोट ने 88 नंदी, 786 गायें, 407 बछियाऐं, 400 बछड़े, 400 बैल, 658 अन्य कुल 2739 गोवंश रखे हैं.

जामकंडोरणा

श्री गौवंश पांजरापोल

डाकधर जामकंडोरणा, जिला राजकोट ने 6 नंदी, 746 गायें, 200 बछियाएं, 77 बछड़े कुल 1029 गोवंश रखे हैं.

खाखरेची

श्री खाखरेची पांजरापोल

डाकघर खाखरेची व्हाया मोरबी जिला राजकोट दूरभा-ा 02829-287719 ने 1 नंदी, 19 गायें, 41 बछियाएं, 68 बछड़े, 7 बैल, 30 अन्य कुल 166 गोवंश रखे हैं.

शीवराजगढ

शीवराजगढ गौसेवा पांजरापोल

डाकघर शीवराजगढ, व्हाया गोंडल, जिला राजकोट दूरभा-ा 02825-287440 ने 4 नंदी, 200 गायें, 24 बछियाएं, 20 बछड़े कुल 248 गोवंश रखे हैं.

सरधार

श्री हरिहरानंदजी चेरिटेबल ट्रस्ट गौशाला

व्यवस्थापक दूरभा-ा 02821-2781249 के द्वारा 5 नंदी, 73 गायें, 17 बछियाएं, 19 बछड़े, 2 बैल कुल 116 गोवंश रखकर नस्ल सुधार, जैविक खेती जैसी अनेको गतिविधियां कर कामधेनु की सेवा कर रहे हैं.

पंचगव्य महो-ाधियां असाध्य रोगों के उपचार करने के लिए गहन अनुसंधान कर गोवंश को स्वावलंबन की ओर ले जाने के लिए संगठित प्रयत्न किया गया है.

तालुका जसदण

श्री पीपरडी ब्रहमेश्वर गौशाला ट्रस्ट

डाकघर पीपरडी तालुका जसदण जिला राजकोट ने 2 नंदी, 113 गायें, 50 बछियाएं, 10 बछड़े कुल 175 गोवंश रखे गये हैं.

श्री वीछीया महाजन पांजरापोल

तालुका जसदण, जिला राजकोट दूरभा-ा 02821-273645 ने 1 नंदी, 92 गायें, 42 बछियाएं, 19 बछड़े, 19 बैल, 63 अन्य कुल 236 गोवंश रखे हैं.

जसदण

श्री जसदण महाजन पांजरापोल

डाकघर जसदण जिला राजकोट मोबाइल 9824666252 ने 2 नंदी, 252 गायें, 18 बछियाएं, 27 बछड़े, 12 बैल, 35 अन्य कुल 346 गोवंश रखे गये हैं.

श्री मारुतिधाम गौशाला

डाकधर जसदण जिला राजकोट मोबाइल 9426929693 ने 1 नंदी, 290 गायें, 40 बछियाएं, 28 बछड़े कुल 359 गोवंश रखे गये हैं.

श्री कामधेनु गौशाला एवं प्रा.प सा केंद्र

डाकधर आटकोट, तालुका जसदण, जिला राजकोट दूरभा-ा 02821-288000 मोबाइल 9426250675 ने 1 नंदी, 200 गायें, 29 बछियाएं, 20 बछड़े, 2 बैल कुल 252 गोवंश रखे गये हैं.

जीवापुर

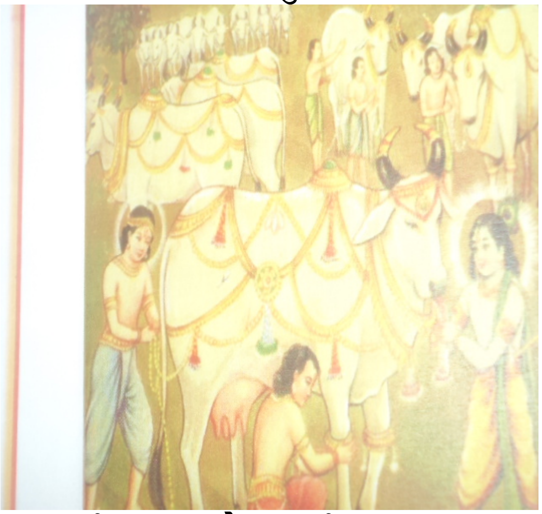

श्री वृंदावन गौशाला जीवदया ट्रस्ट

जीवापुर, तालुका जसदण, जिला राजकोट व्यवस्थापक दूरभा-ा 02821-220713 के द्वारा 7 नंदी, 225 गायें, 503 बछियाएं, 136 बछड़े, 120 बैल, 25 अन्य कुल गोवंश 1016 रखकर जीवदया का कार्य कर रहे हैं.

धेला सोमनाथ

ग्राम स्वराज्य शिक्षण केंद्र गोपालधाम

व्यवस्थापक दूरभा-ा 02821-277355 के द्वारा 2 नंदी, 14 गायें, 6 बछियाएं, 6 बछड़े, 5 बैल कुल 23 गोवंश रखे गये हैं. नस्ल सुधार करने के लिए प्रयत्नशील हैं.

श्री घेला सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट गौशाला

घेला सोमनाथ, तालुका जसदण जिला राजकोट दूरभा-ा 02821- 278256 ने 2 नंदी, 8 गायें, 7 बछियाएं, 5 बछड़े कूल 22 गोवंश रखे गये हैं.

गोवंश को पूरी तरह से स्वावलंबी बनाने के लिए संगठित स्तर पर गुजरात गो सेवा आयोग तथा जनता के सहयोग से नस्ल सुधार, जैविक खादें तैयार कर जैविक खेती करने किसानों को प्रोत्साहन देना मुख्य योजना है.

तालुका गोंडल

गोंडल

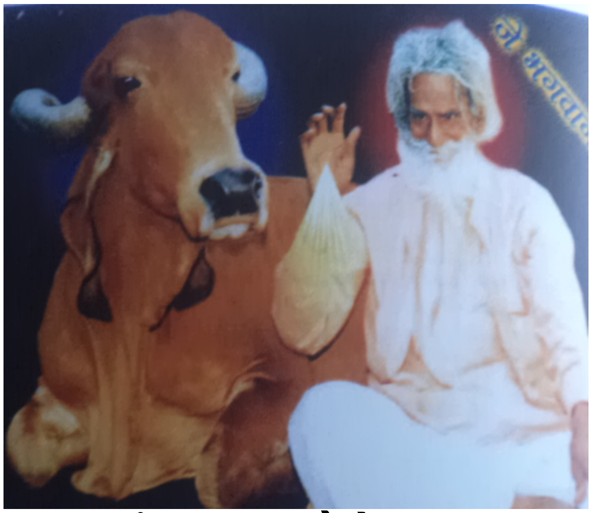

श्री रामगर बापू गौ सेवा ट्रस्ट

16 अप्रेल 1990 को श्री जयकरभाई जीवराजानी, दूरभा-ा 02827-220509, मोबाइल 9978350001, विकटोरिया सिनेमा के पास, नानी बाजार, गोंडल में कामधेनु की सेवा करने के लिए कार्य प्रारम्भ कर चुके हैं. वर्तमान में 2 नंदी, 98 गायें, 25 बछियाएं, 10 बछड़े, 5 बैल, 1 अन्य कुल 141 गोवंश रखकर हर माह 1,50,000 रु. खर्च कर रहे हैं. बड़ी गोशाला का निर्माण करना है.

गोंडल

श्री गोंडल पांजरापोल

डाकघर गोंडल जिला राजकोट ने 120 गायें, 20 बछियाएं, 30 बछड़े, 5 अन्य कुल 175 गोवंश रखे गये हैं.

श्री अक्षर पुरु-ोत्तम स्वामी नारायण मंदिर गौशाला डाकधर गोंडल जिला राजकोट 1 नंदी, 35 गायें, 22 बछियाएं, 10 बछड़े, 8 बैल कुल 79 गोवंश रखकर गुजरात गो सेवा गो आयोग तथा हरिभक्तों के साथ में संगठित प्रयत्न कर नस्ल सुधार तथा जैविक खेती करने के लिए अभियान चला रहे हैं.

प्रमुख स्वामी जी हरिभक्तों को अपने निवास पर ही गो सेवा करने के लिए प्रेरणा दे रहे हैं.

स्वामी नारायण गौसेवा चेरिटेबल ट्रस्ट

डाकधर गोंडल, जिला राजकोट व्यवस्थापक दूरभा-ा 02882-220107 के द्वारा 1 नंदी, 55 गायें, 20 बछियाएं, 15 बछड़े, 2 बैल कुल 93 गोवंश रखकर गुजरात गो सेवा आयोग तथा हरिभक्तों के संगठित प्रयत्न से गोवंश को पूरी तरह से स्वावलंबी बनाने के लिए नस्ल सुधार कर जैविक खादें, फसलरक्षक, पंचगव्य महो-ाधियों, गोबर गैस, सीएनजी जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के माध्यम से किसानों को जैविक खेती करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं.

असाध्य रोगों को दूर करने के लिए हर घर में गोपालन करवाकर व्यसन मुक्ति अभियान गांव गांव में चलाया जा रहा है.

गोमटा

श्री गोसेवा सदन ट्रस्ट

डाकधर गोमटा, तालुका गोंडल, जिला राजकोट व्यवस्थापक दूरभा-ा 02825-85383, मोबाइल 9879538472 के द्वारा 4 नंदी, 24 गायें, 65 बछियाएं कुल 93 गोवंश रखकर गोवंश को स्वावलंबी बनाने के लिए नस्ल सुधार, जैविक खादें तैयार कर किसानों के माध्यम से जैविक खेती करवाने के लिए संगठित प्रयत्न कर रहे हैं.

सुलतानपुर

श्री गोकुल गौसेवा चेरिटेबल ट्रस्ट

सुलतानपुर, तालुका गोंडल, जिला राजकोट व्यवस्थापक दूरभा-ा 273312 के द्वारा 3 नंदी, 120 गायें, 30 बछियाएं, 10 बछड़े, 15 बैल कुल 178 गोवंश रखकर गुजरात गो सेवा आयोग तथा जनता के सहयोग से संगठित प्रयत्न जैविक खादें तैयार करवाकर किसानों से जैविक खेती करने के लिए कर रहे हैं.

घुड़शीया

श्री घुड़शीया गौसेवा ट्रस्ट

डाकधर घुडशीया, तालुका गोंडल, जिला राजकोट व्यवस्थापक दूरभा-ा 02825-273697, 273786 के द्वारा 2 नंदी, 30 गायें, 7 बछियाएं, 1 बछड़ा कुल 40 गोवंश रखकर गुजरात गो सेवा आयोग तथा स्थानीय जनता से सहयोग प्राप्त कर जैविक खादें, फसलरक्षक जैसी महत्वपूर्ण योजनायें तैयार कर परिवर्तन करने के लिए संगठित प्रयत्न कर रहे हैं.

कोलीथड

श्री कृ-ण गौसेवा समाज ट्रस्ट गौशाला

डाकधर कोलीथड, तालुका गोंडल, जिला राजकोट दूरभा-ा 02825–286757 ने 2 नंदी, 105 गायें कुल 107 गोवंश रखे हैं.

अनीडा

श्री अनीडा गौसेवा समाज

डाकधर अनीडा, तालुका गोंडल, जिला राजकोट दूरभा-ा 02825–276408 ने 1 नंदी, 24 गायें, 5 बछियाएं, 3 बछड़े कुल 33 गोवंश रखे गये हैं.

श्रीनाथगढ

श्रीनाथगढ गौसेवा समाज ट्रस्ट

डाकघर श्रीनाथगढ, तालुका गोंडल, जिला राजकोट निवास दूरभा-ा 02825–282567 ने 3 नंदी, 60 गायें, 20 बछियाएं, 5 बछड़े कुल 88 गोवंश रखे हैं.

गोमटी

स्व. व्रजकुंवरबेन वशरामभाई वछाणी गौशाला

डाकधर गोमटी, तालुका गोंडल, जिला राजकोट 4 नंदी, 72 गायें, 21 बछियाएं, 1 बछड़ा कुल 99 गोवंश रखकर परिवर्तन करने के लिए संकल्पित हैं.

भुनेश्वरी पीठ

श्री भुनेश्वरीपीठ गौशाला

2 सांढ, 48 गायें, 47 बछियाएं, 32 बछड़े, 2 बैल कुल 134 गोवंश हैं.

अश्वशाला

अश्वों पर भी मासिक पत्रिका का प्रकाशन यहां से किया जाता है. विश्व से लोग अश्व के लिए भी यहां पर आते हैं. उच्च गुणवत्ता के अश्व भी यहां पर मौजूद हैं.

कामधेनु परिवार

श्री घनश्याम व्यास आचार्य आयुर्वेद घनश्याम भवन 2, महादेव वाड़ी गोंडल 360311 दूरभा-ा 02825-220968, 222445, 46, 47 मंदिर कार्यालय 222450, विश्राम भवन 222451 के द्वारा बहुत सारी आयुर्वेदिक महो-ाधियां उच्च गुणवत्ता के साथ में तैयार की गयी हैं.

अनुसंधान केंद्र

अनुसंधान का कार्य लंबे समय से चल रहा है. असाध्य रोगों के उपचार करने के लिए काफी खर्च करने पर सफलता मिल रही है.

असाध्य रोगों पर बहुत अच्छे परिणाम मिलने के कारण ही विश्व में भुनेश्वरी पीठ के द्वारा तैयार महो-ाधियों की मांग है.

आयुर्वेद स्मारिका

विश्व प्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य आयुर्वेद महो-ाधियों के परिणाम असाध्य रोगों पर समय समय पर अपने अनुभव यहां पर सम्मेलनों में बतला रहे हैं. आयुर्वेद पर सम्मेलन की स्मारिका भी प्रकाशित की जा रही है.

पंचाग

पंचाग का प्रकाशन यहां से बहुत समय से किया जाता है. पूरे विश्व में पंचाग की बहुत अधिक मांग है.

कैलेंडर

भुनेश्वरी कैलेंडर के माध्यम से भी भुनेश्वरी देवी के बारे में लोगों को प्रेरणा मिल रही है.

भुनेश्वरी मंदिर में स्थानीय लोग दर्शन करने के लिए आते हैं. बहुत बड़ी संख्या में भुनेश्वरी देवी की पूजा, अर्चना करने के लिए प्रतिदिन विश्व से भक्त आते हैं.

पिछले 50 सालों से गोवंश संवर्धन करने के लिए विश्व व्यापी अभियान चला रहे हैं.

विश्व व्यापी अभियान

गुजरात में गांधीनगर, अहमदाबाद, राजकोट, नवसारी, वलसाड, बारडोली, बिलिमोरा, सूरत, वडोदरा, महारा-द्र में मुम्बई तथा विश्व में लंदन, अमेरिका, न्यूजीलैंड में भी गोमूत्र से तैयार अर्क तथा अन्य आयुर्वेदिक दवाएं उपलब्ध करवा रहे हैं.

यूके

श्री निरन्जन भाई वखारिया दूरभा-ा 01132742832, मोबाइल 07976220129, 56, पार्क व्यू एव. लीडस, एलएस4, 2एलएच, यूके

लेसेस्टर

श्री दलपतरामभाई सी. मिस्त्री 12, ओरचार्ड क्लोज, स्क्रेपटोफट, लेसेसटर एलइ7 9बीएन यूके, दूरभा-ा 01162419355,

श्री लालजीभाई मासूरु 25, स्टीलिंग टन, क्रीसेंट, हेमिलटन, लेसेसटर, एल इ 5,आईडब्लूएच यूके दूरभा-ा 00441163483839 कार्यालय मोबाइल07807472365,

श्री डाहयाभाई देसाई 1693 कोवेंट्री रोड, साउथ यार्डले, बीरमिंघम, बी26 आईडीटी यूके दूरभा-ा 01216241107 मोबाइल 07951994008

श्री कांतिभाई पटेल 6 टाललेंड एव्युन्युस्टोक हीथ, कोवेंट्री सीवी67एनएक्स यूके दूरभा-ा 02476685368 मोबाइल 07789191491

न्यूझीलेंड

भूनेश्वरी परिवार पोस्ट बोक्स 69-155, ग्लीनडीनी ओकलैंड न्यूझीलैंड निवास दूरभा-ा 0064-09-626-2696

यूएसए

अमेरिका में भूनेश्वरी परिवार 1500 रामसगेट, पीकेडब्लूवाय, छातानूगा टीएन 37343 यूएसए दूरभा-ा 423-842-8104 मोबाइल 423-400-8122 कार्य कर रही है.

गोंडल के महाराजा के द्वारा गोवंश के संपूर्ण विकास करने के लिए बहुत ही ठोस कार्य किया है.

कामधेनु दर्शन

श्री घनश्याम के द्वारा गोंडल का गौरव बनाये रखा है. श्री घनश्याम के द्वारा गीर गोवंश के विकास करने के लिए फार्म हाउस विकसित किया गया है.

फार्म हाउस में गीर गोवंश के अवलोकन करने के लिए भारत के सभी राज्यों के लोगों का आना लगा रहता है.

कामधेनु कृपा

पूरे भारत के सभी राज्यों में श्री घनश्याम के फार्म हाउस से बढ़िया सांढ खरीद कर गीर गोवंश का विकास किया गया है.

कामधेनु सम्मेलन

समय समय पर गीर तथा कांकरेज के संपूर्ण विकास करने के लिए सम्मेलनों का आयोजन गोंडल में किया जाता हे जिसके कारण पूरे विश्व से गोवंश के समर्पित लोग श्री घनश्याम से मिलने आते हैं.

कामधेन भवन

श्री घनश्याम के द्वारा भारत तथा विश्व से आने वाले अतिथियों के लिए सर्व सुविधाजनक अतिथि गृह तैयार किये गये हैं.

कामधेनु प्रसाद

भारत से आने वाले अतिथियों के लिए 24 घंटे निःशुल्क रहने एवं भोजन करने की सुविधा है.

कामधेनु साहित्य

अतिथियों को गुजराती में प्रकाशित निःशुल्क गोदर्शन गाइड मासिक पत्रिका, मदर इंडिया फादर ब्राजील पुस्तक, सीडी, डीवीडी दी जाती है.

कामधेनु का प्रचार

इंटरनेट पर वेबसाइट के माध्यम से विश्व के कई देशों में उनका सीधा संपर्क है. उनके अभियान से प्रभावित होकर ब्राजील के गीर प्रेमी लोग गीर का आयात भारत में गुजरात में गोंडल से बहुत बड़ी मात्रा में नियमित कर रहे हैं.

कामधेनु का सम्मान

गीर गोवंश के संपूर्ण विकास करने के लिए श्री घनश्याम व्यास के द्वारा लंबे समय से वैज्ञानिक ढंग से गहन अनुसंधान किया गया है. गीर गोवंश के संपूर्ण विकास करने के लिए श्री घनश्याम के द्वारा विश्व का दौरा किया गया है. ब्राजील के गीर संगठन के द्वारा श्री घनश्याम का भव्य सम्मान किया गया है.

तालुका उपलेटा

भायावदर

श्री भायावदर पांजरापोल

डाकधर भायावदर, तालुका उपलेटा, जिला राजकोट ने 8 नंदी, 79 गायें, 40 बछियाएं, 42 बछड़े, 63 बैल कुल 232 गोवंश रखे हैं.

उपलेटा

श्री उपलेटा पांजरापोल

डाकधर उपलेटा, जिला राजकोट दूरभा-ा 02826-20113 ने 20 गायें, 13 बछियाएं, 13 बछड़े कुल 46 गोवंश रखे गये हैं.

श्री गोकुल गोसदन अरणी

थुमरगली, उपलेटा राजमार्ग, वडाली चौक, उपलेटा दूरभा-ा 02826-220509 के द्वारा 5 नंदी, 55 गायें, 80 बछियाएं, 76 बछड़े, 56 बैल कुल 272 गोवंश रखकर नस्ल सुधार करने के लिए संगठित स्तर पर प्रयत्नशील हैं.

किसानों को जैविक खेती करने के लिए सभी प्रकार की जैविक खादें, फसलरक्षक, पंचगव्य महो-ाधियों पर गहन अनुसंधान करने प्रयत्न जारी हैं.

जाम टींबडी

श्री गौ सेवा मंडल

डाकधर जाम टींबडी, तालुका उपलेटा जिला राजकोट दूरभा-ा 279121 ने 2 नंदी, 90 गायें, 36 बछियाएं, 26 बछड़े, 4 बैल कुल 158 गोवंश रखे हैं.

समढीयाडा

श्री गौसेवा समाज गौशाला

डाकधर समढीयाडा, तालुका उपलेटा, जिला राजकोट, व्यवस्थापक दूरभा-ा 283108 के द्वारा 1 नंदी, 60 गायें, 10 बछियाएं, 10 बछड़े कुल 81 गोवंश रखकर कामधेनु सेवा कर रहे हैं.

तलगणा

श्री गामसेवा समाज गौशाला

डाकधर तलगणा, तालुका उपलेटा, जिला राजकोट व्यवस्थापक दूरभा-ा 283209 के द्वारा 2 नंदी, 120 गायें, 35 बछियाएं, 30 बछड़े कुल 187 गोवंश रखकर नस्ल सुधार कर स्वावलंबन करने के लिए जैविक खेती करने के लिए किसानों को जैविक खादें, फसलरक्षक तैयार करने प्रोत्साहन दिया जाता है.

कुमीयाणा

आदर्श कामधेनु गौशाला

व्यवस्थापक दूरभा-ा 02826-220406 के द्वारा 2 नंदी, 39 गायें, 17 बछियाएं, 19 बछड़े, 2 बैल कुल 79 गोवंश रखकर कामधेनु सेवा करने जा रहे हैं.

मोटी पानेली

श्री गौसेवा समाज गौशाला

मोटी पानेली, तालुका उपलेटा, जिला राजकोट व्यवस्थापक दूरभा-ा 02826-276196 के द्वारा 12 नंदी, 101 गायें, 77 बछियाएं, 19 बछड़े कुल 209 गोवंश रखकर नस्ल सुधार करने के लिए संगठित होकर जेविक खेती, पंचगव्य महो-ाधियों जैसी अनेक गतिविधियों को चलाने की योजना है.

प्रांसला

श्री कामधेनु वैदिक गौशाला

डाकधर प्रांसला, तालुका उपलेटा, जिला राजकोट व्यवस्थापक दूरभा-ा 02826–281273, 281274 के द्वारा आर्य समाज के स्वामी दयानन्द सरस्वती जी के अनुसार ही कामधेनु के संवर्धन करने के लिए 12 नंदी, 1485 गायें, 460 बछियाएं, 310 बछड़े कुल 2267 गोवंश रखकर नस्ल सुधार, स्वावलंबन, जैविक खेती, पंचगव्य महो-ाधियां, गोबर गैस, सीएनजी जैसी बहुत सारी गतिविधियां संगठित स्तर पर चल रही हैं.

कामधेनु सेवा

वैदिक सिद्धांतों के अनुसार ही ब्रहम मूहर्त में संतो ंके द्वारा प्रतिदिन नियमित हवन कर आश्रम में कामधेनु की सेवा की जा रही है.

राजकोट

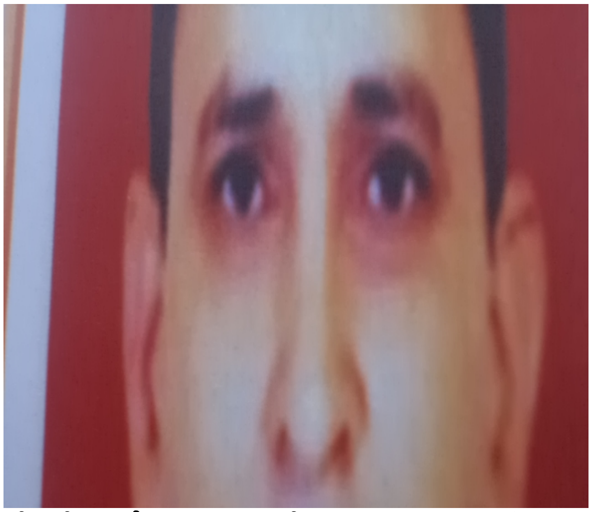

श्री धीरुभाई एल. रामाणी 9374100502 निवास 1-ए, सर्वोदय सोसायटी, राजकोट पूरे देश में सोसायटी बना रहे हैं जिसमें धर के साथ साथ में गाय का होस्टेल है.

गाय का होस्टेल

श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी मुख्यमंत्री गुजरात राज्य के द्वारा गीर तथा कांकरेज के विकास करने के लिए गुजरात में गांव गांव में गाय का होस्टेल बनाने के लिए जोर दिया गया है.

स्वावलंबन

गरीबों की सेवा करने के लिए गोबर गोमूत्र का अधिक से अधिक उपयोग करने के लिए बायोगैस, बिजली, जैविक खाद, सी.एन.जी. का उत्पादन करने की योजना है.

अनुक्रमणिका

श्री सुदर्शन जी ढंढारिया, रा-ट्रीय अहिंसा मंच कोलकत्ता के द्वारा गोवंश के विकास करने के लिए संगठित प्रयत्न करने के लिए अनुक्रमणिका का प्रकाशन किया गया है.

श्री धीरुभाई रमाणी के द्वारा प्रकाशित अनुक्रमणिका का वितरण भी गुजरात में अपने यहां से कर रहे हैं.

स्वाती विश्वमंगल गौ ग्राम, कोठारिया, रनुजा मंदिर रेड, राजकोट गुजरात 9712233773 के द्वारा विश्वमंगल गो ग्राम यात्रा में 1 करोड़ रु. दिया.

विश्व में परिवर्तन करने के लिए डेरी इंडस्ट्रीज और गो प्रोडक्ट बनाने की भावी योजना है.

गोचर की जमीन सरकार से प्राप्त हो इसके लिए संगठित प्रयत्न करने के लिए जोर दे रहे हैं.

पंचगव्य उत्पाद

वर्तमान में गांव गांव में गोशालायें बना रहे हैं. गौशालाओं के माध्यम से पंचगव्य उत्पाद के तैयार तथा उसे हर घर तक पहुंचाने के लिए प्रयत्नशील हैं.

1,11,111 गोशालाएं

भारत की सभी देशी प्रजातियों को पूरी तरह से सुरक्षित रखने के लिए 1,11,111 गोशालाओं को 1,11,111 रु. प्रत्येक को देना चाहते हैं.

सहयोग

देश भर के हजारों गोभक्तों, गोशालाओं, गोरक्षक संस्थाओं को अपेक्षा से अधिक सहयोग दिया.

210 गोवंश

8 अगस्त 2008 को स्वाती विश्व मंगल गौ गुरुकुल प्रारम्भ कर 15 एकड़ भूमि पर 200 पेड़ लगाकर 210 गोवंश रखकर वर्तमान में अर्क बना रहे हैं.

जलक्रांति ट्रस्ट

कामधेनु साहित्य

श्री मनसुखभाई सुवागिया जी जलक्रांति ट्रस्ट अनमोल अपार्टमेंट 3 वारगीया वाडी राजकोट 0281-2373995 मोबाइल 09426251301, 9425241301 वर्गीस कुरियन के कारण गीर के लगातार पतन होने के कारण लोगों के अंदर से गीर गोवंश के बारे में गलतफहमी को पूरी तरह से दूर करने के लिए गीर गाय ग्रंथ मूल्य 100 रु. प्रथम 1000 प्रतियां एवं द्वितीय संस्करण 1000 प्रतियां का प्रकाशन गुजराती में 140 पन्नों में किया गया है.

कामधेनु कृपा

गुजरात का गौरव गीर गाय के बारे में प्रकाशित प्रमाणित जानकारी को लोगों ने बहुत ही पसंद किया है.

गीर

12 राज्यों में गीर गायों की संख्या में उल्लेखनीय सुधार हुआ है. मनसुख भाई के कारण विश्व के 23 देशों से विदेशी जामका में चल रहे उल्लेखनीय सुधारों को देखने के लिए आये थे. जामका के परिवर्तन को अपने देश में भी अपनाने के लिए प्रेरणा मिली है.

कामधेनु दर्शन

जामका में बाहर से लोगों के आने से नया उत्साह देखने मिला है. 2003 में 2 बहुत ही अच्छे गीर सांढ तथा 150 गीर गायें जामका में बाहर से लायी गयी हैं.

कामधेनु परिवार

5 लाख लोग 5000 गांवों से जामका गांव में आये हैं तथा उनके आने के कारण ही जामका गांव के लोगों के अंदर गीर गाय पालने के लिए भावना उत्पन्न हुई है.

कामधेनु चमत्कार

कृ-ि में 10 से 100 प्रतिशत वृद्धि देखने आये थे. खेती खर्च में 20 प्रतिशत बचत, पानी के उपयोग में 25 से 30 प्रतिशत बचत, जैविक खेती करने के कारण मानव के स्वास्थय में हुए उल्लेखनीय सुधार को देखकर नयी चेतना उत्पन्न हुई है.

2004 में जामका में गाय से आधारित कृ-ि की नींव रखी गयी थी. मनसुख भाई के प्रयत्न को श्री सुरेश भाई विराणी जी संपादक वै-णव सृ-िट सूरत से प्रकाशित मासिक पत्रिका में लगातार संपादकीय में तथा पांच पगला भारत भूमि पर लेख प्रकाशित कर विश्व के 3 करोड़ वै-णवों को जागृत करने का प्रयत्न किया गया है.

जामका ग्राम में गीर गोवंश के संपूर्ण विकास 2003 से प्रारम्भ किया गया है. आजादी के पहले गीर गायों की संख्या 10 से 12 लाख थी. 2003 से पहले मात्र 5000 गीर गाय बच पायी थी. गीर गाय के दूध का कोई मूल्य नहीं था.

50 सालों के समय में गीर गायें पांजरापोलों में पहुंच गयी थी. 1000 गांवों में जाकर गीर गाय के विनाश के कारणों को श्री मनसुख भाई ने बहुत ही ध्यान से देखा था.

गीर गाय कामधेनु से मिटकर सेवा करने का मात्र साधन बन गयी थी. गोवंश के प्रति रुचि पूरी तरह से समाप्त हो गयी थी. 100 ग्राम तक गीर गाय का दूध गांव में उपलब्ध था.

आरोग्य नु झरणु देशी गाय जामका गांव का नाम विश्व में सम्मान के साथ लिये जाने के लिए पहल श्री मनसुख भाई ने की थी.

पहला विशाल गीर गाय रक्षा सम्मेलन 1 फरवरी 2004 को जामका गांव में आयोजित किया गया था. 5 नवम्बर 2005 को 500 गावं के लोगों के साथ में गीरनार परिक्रमा की थी. मनसुख भाई के कारण गीर गाय का मूल्य 50000 रु. तक पहुंच गया है.

गीर गाय के दूध का मूल्य 25 रु. तक पहुंच गया है. गीर गाय का घी 1400 से 1500 रु. किलो तक पहुंच गया है. गीर गोवंश के कारण श्री मनसुखभाई को विश्व में लोग पहचान रहे हैं. गीर गोवंश के विकास करने के लिए 10 सालों से 5000 गीर तैयार कर बहुत ही जबरदस्त कार्य कर रहे हैं. 10 लाख शुद्ध गीर गोवंश भारत में एक बार फिर से तैयार करने के लिए संकल्प ले चुके हैं.

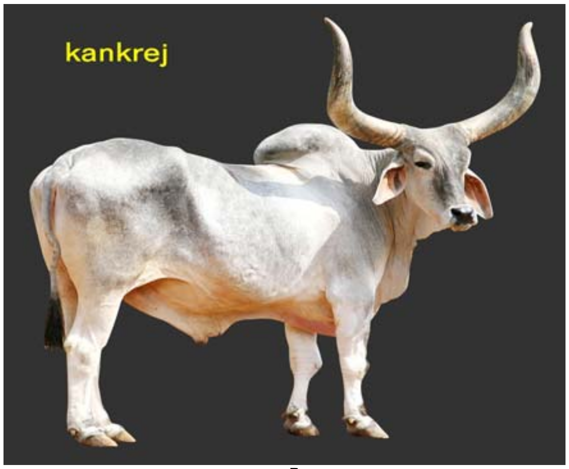

कांकरेज

22 मई 2009 से राजकोट के शापर गांव में कांकरेज गोवंश के संपूर्ण विकास करने के लिए अभियान प्रारम्भ किया गया है. आरोग्य नु झरणु कांकरेज गाय लेखक श्री मनसुखभाई सुवागिया जी पुस्तक प्रकाशित की गयी है.

कांकरेज गाय के बारे में गुजराती में सचित्र जानकारी प्रकाशित की गयी है.

गाय आधारित कृिन पुस्तक का प्रकाशन किसानों के मार्गदर्शन के लिए किया गया है. भारतीय संस्कृति में गाय के 36 संस्कार कैलेंडर का प्रकाशन किया गया है. 2008 एवं 2009 में 255 दिनों में चार राज्यों में 555 गांवों में गो संस्कृति निर्माण करने के लिए 15000 लोगों को संकल्प दिलवाया गया है.

2000 गांवों में 2000 सभाओं तथा सम्मेलनों के माध्यम से 10 सालों में लोगों को गोवंश के विनाश के कारण समझाये गये हैं.

10 लाख शुद्ध कांकरेज गोवंश तैयार करने का संकल्प लिया गया है.

दीर्घायु केंद्र

कामधेनु संवर्धन

वैद्य श्री उमेश पंडया एम.डी. आयुर्वेद ज्योति-ाविद मोबाइल 9426783868 पंचकर्म आयुर्वेदिक योग नेचरोपथी होस्पीटल 3, किशानपरा, राजकोट तथा मनी-ाा पंडया एन. डी. प्राकृतिक चिकित्सक 9426783867 गुरुकृपा निदान केंद्र जी.इ.बी. के सामने, नाना मवा मेइन रोड, राजकोट 10 सालों से गोमूत्र अर्क का निःशुल्क वितरण, जैविक गुड़, जैविक अनाज, सब्जी, कामधेनु संवर्धन कर रही है.

कामधेनु सेवा

श्री हसमुख पटेल मोबाइल 9426321832 कार्यालय बी-19, स्वस्तिक चेम्बर्स, मकरपुरा डेपो के पास, वड़ोदरा 390010 निवास 1, नंदीग्राम सोसायटी, जी.आई. डी.सी., वडसर रोड, वड़ोदरा कामधेनु सेवा में लगे हैं.

श्री सहजानंद गोशाला

श्री कांतिभाई पटेल मोबाइल 9824233729 श्री सहजानंद गोशाला, ग्राम खीरसरा से लोधीका जाते समय कालावाड रोड, खीरसरा जिला राजकोट दूध 45 रु. लीटर उपलब्ध करवा रही है.

श्री कामधेनु फार्मा

श्री राजेश पटेल मोबाइल 9426991531 श्री कामधेनु फार्मा कांति एस्टेट, कृ-णनगर मेन रोड, गोकुलधाम के सामने, राजकोट 360004 पंचगव्य महो-ाधियों को तैयार कर उपलब्ध करवा रहे हैं.

सौरा-ट्र प्राणी कल्याण मंडल

1978 से भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड चेन्नई के वित्तीय सहयोग से सौरा-ट्र प्राणी कल्याण मंडल 12, विजय प्लोट, राजकोट 360002 बहुत ही समर्पित होकर कार्य कर रही है.

श्री गोकुल गोसदन

1987 से भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड चेन्नई के वित्तीय सहयोग से श्री गोकुल गोसदन अर्नी एट उपटेला थुमार गली, राजमार्ग राजकोट 360490 गीर तथा कांकरेज के संवर्धन करने के लिए 25 सालों से बहुत अच्छी तरह से संगठित होकर गोबर एवं गोमूत्र पर कार्य कर रही है.

कामधेनु सेवा

1987 से भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड चेन्नई के द्वारा पंजीकृत होकर श्रीमती शेनी मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा कनक वी पारेख, मेघजी बिल्डींग, 36 कारनपारा राजकोट गुजरात 360001 कार्य कर रही है.

बाल किशनलालजी हवेली ट्रस्ट गोशाला

बाल किशनलालजी हवेली ट्रस्ट गोशाला दरबारगढ पासे हवेली शेरी राजकोट 0281-2237739 नस्ल सुधारने के लिए पूरी तरह से संकल्पित हैं.

वै-णवों तथा गुजरात गो सेवा आयोग के सहयोग से जैविक खेती करने तथा पंचगव्य महो-ाधियों पर गहन अनुसंधान करने के लिए 2 सांढ, 15 गोमाताएं, 3 बछियाएं, 4 वाछरड़ा पाल रहे हैं.

पंचगव्य महो-ाधियां

मे. राजवैद्य जे.के. शास्त्री एंड कंपनी लाखाजी रोड राजकोट दूरभा-ा 0281-2233693,

श्री भुनेश्वरी औ-ाधाश्रम, युनिवर्सिटी रोड, दूरभा-ा 2586680,

श्री भुनेश्वरी आयुव्रेद दर्शन मवडी रोड दूरभा-ा 2388462,

श्री भुनेश्वरी पीठ कार्यालय, कालावाड रोड, दूरभा-ा 2575202 में सहित्य एवं सीडी तथा श्री भुनेश्वरी पीठ की सभी औ-ाधियां उपलब्ध हैं.

श्रीजी गोशाला

श्री वल्लभीय वै-णव गो सेवा चेरीटेबल ट्रस्ट राजकोट जामनगर हाइवे, नये क्रिकेट स्टेडियम के सामने, जी.इ.बी. सब स्टेशन के बाजू में, न्यारा राजकोट के द्वारा अदभुत प्रयत्न किया जा रहा है.

श्री वीनुभाई 9428200181, श्री दासभाई 9825418900, श्री जयंती भाई नगदिया 9427429001, रमेशभाई ठक्कर 9909971116, भुपेन्द्रभाई छाटबार 9376733033, दिलीपभाई सोमैया 9825251377, चंदुभाई रायचुरा 9898241190, सती-ाभाई हरखाणी 9824213405, रमेशभाई दत्ता 9427495298, राजुभाई अमीपारा 9824568146 कामधेनु साहित्य तथा वीडियो सीडी 12 मिनट की तैयार कर चुकी है.

कामधेनु सेवा

वर्तमान में भगवान श्री कृ-ण के प्राणों से प्रिय 660 गोवंश रखकर उनकी बहुत अच्छी सेवा कर रही है.

कामधेनु कृपा

4 लाख मरीजों का उपचार 12 सालों में कर चुकी है. असाध्य रोगों को दूर करने के लिए 5 गोमूत्र चिकित्सा केंद्र श्री गिरीराज गोमूत्र चिकित्सा केंद्र मोची बाजार मेइन रोड, हरी-ा ट्रांसपोर्ट के सामने, राजकोट मंगल से शुक्रवार तक रात्रि 9 बजे से, सेन्टल बैंक के सामने जैतपुर प्रत्येक शनिवार को रात्रि 9 बजे, जलाराम मंदिर, भोजराजपरा गोंडल में प्रत्येक शनिवार को रात्रि 9 बजे से चला रही है.

यमुना पवित्रीकरण

श्री वल्लभाचार्य जी के अनुयायी संगठित होकर श्री यमुना जी के पवित्र करने का अभियान यमुना चेरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से डीवीडी 6.5 मिनट की तैयार कर चला रही है.

राजकोट, माणावदर, अहमदाबाद एवं सूरत में वै-णवों में जागृति उत्पन्न करने के लिए व्रज के लोगों के नेतृत्व में 35 से अधिक वल्लभवंशजों के सहयोग से विशाल सम्मेलन करवा चुकी है.

मुम्बई तथा भारत के अन्य राज्यों में भी सम्मेलन करवाये गये हैं.

1 मार्च 2013 को 5 लाख लोगों के साथ में हरियाणा में यमुनानगर के पास में यमुनाजी के मुक्ति के लिए पदयात्रा का आयोजन करेगी.

धोराजी तालुका

धोराजी

श्री धोराजी पांजरापोल

डाकघर धोराजी जिला राजकोट ने 6 नंदी, 300 गायें, 154 बछियाएं, 105 बछड़े, 150 बैल, 95 अन्य कुल 810 गोवंश रखे गये हैं.

मोटी माटड

श्री गोसेवा समाज

डाकधर मोटी माटड, तालुका धोराजी, जिला राजकोट व्यवस्थापक दूरभा-ा 02824-284733 के द्वारा 4 नंदी, 90 गायें, 15 बछियाएं, 20 बछड़े, 35 बैल कुल 164 गोवंश रखकर जैविक खेती करने किसानों को जैविक खाद तैयार करने के लिए प्रोत्साहन देकर प्रयत्नशील हैं.

तोरमीयां

गौसेवा समाज

उाकधर तोरमीयां, तालुका धोराजी, जिला राजकोट दूरभा-ा 283204 ने 1 नंदी, 84 गायें, 32 बछियाएं, 28 बछड़े, 2 बैल कुल 147 गोवंश रखे गये हैं.

पीपलीया

श्री गौसेवा समाज

डाकधर पीपलीया, तालुका धोराजी, जिला राजकोट दूरभा-ा 284255 ने 2 नंदी, 70 गायें, 22 बछियाएं, 10 बछड़े कुल 104 गोवंश रखे गये हैं.

कलाणा

राजकोट जिले में कलाणा, तालुका धोराजी में गीर तथा कांकरेज को सही तरह से रखने के कारण ही जनचेतना में वृद्धि हुई है.

श्री पुरु-गोत्तमलालजी गौसेवा ट्रस्ट दूरभा-ा 286323 के द्वारा गुजरात गोसेवा आयोग के सहयोग से जैविक खेती के लिए जैविक खादें, फसलरक्षक तैयार कर किसानों को प्रोत्साहन देने के लिए नस्ल सुधार कर 1 सांढ, 31 गोमाताएं, 18 बछियाएं, 5 बछड़े, 1 बैल कुल 56 गोवंश पाल रहे हैं.

कोटडा सांगाणी तालुका

सांढवाया

व्यवस्थापक दूरभा-ा 02827–277528 के द्वारा 1 नंदी, 50 गायें, 15 बछियाएं, 14 बछड़े कुल 80 गोवंश रखे गये हैं.

चोरडी

जय बजरंग मित्र मंडल गौशाला सेवा ट्रस्ट

किसानों के द्वारा जैविक खेती करने के लिए जैविक खादें तैयार करने, पंचगव्य महो-ाधियों पर गहन अनुसंधान करने योजना है.

नस्ल सुधार

नस्ल सुधार कर गोवंश को स्वावलंबी करने के लिए 2 नंदी, 48 गायें, 137 बछियाएं, 7 बछड़े कुल 194 गोवंश हैं.

मोरबी तालुका

मोरबी

श्री मोरबी महाजन पांजरापोल

डाकधर मोरबी, जिला राजकोट ने 340 नंदी, 597 गायें, 194 बछियाएं, 192 बछड़े, 172 बैल, 125 अन्य कुल 1620 गोवंश रखे गये हैं.

श्री यज्ञ वाल्मीकी गौशाला

डाकधर मोरबी, जिला राजकोट व्यवस्थापक दूरभा-ा 02822-220251 नया बस स्टेंड के पास में मोरबी के द्वारा 2 नंदी, 81 गायें, 12 बछियाएं, 12 बछड़े, 2 बैल कुल गोवंश 109 रखकर परिवर्तन कर रहे हैं.

बगथडा

श्री नकलंकजी ट्रस्ट गौशाला

डाकघर बगथडा, तालुका मोरबी, जिला राजकोट ने 20 गायें, 17 बछियाएं, 6 बछड़े कुल 43 गोवंश रखकर नंदी तैयार कर नस्ल सुधार कर रहे हैं.

मोरबी

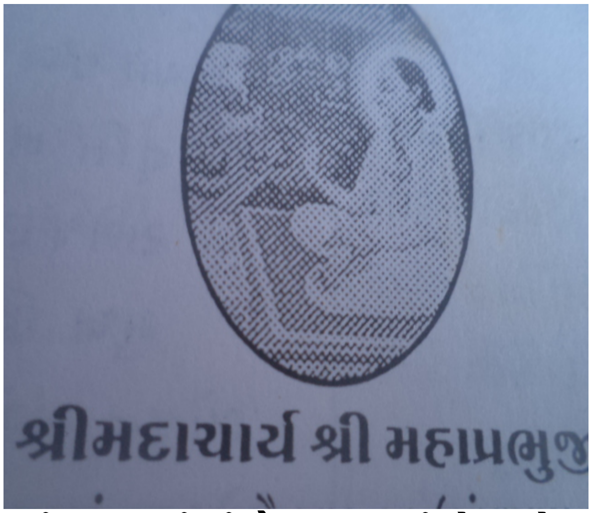

श्री महाप्रभु जी की बैठक मच्छू नदी के सामने किनारे एल.इ. कोलेज के पीछे 02822-240335

श्री महाप्रभु जी की 55 वी बैठक मोरबी में कुंड के उपर छोकर के वृक्ष के नीचे है. श्री महाप्रभु जी यहां पर साक्षात बिराज कर श्रीमद भागवत सप्ताह नित्य कर रहे हैं. श्री महाप्रभुजी दूसरी बार परिक्रमा करते समय द्वारका जाते समय मोरबी पधारे.

मोरबी में पु-करणा ब्राहमण बालकृ-णदास एवं बादरायणदास महाप्रभु जी के दर्शन करने को आये. महाप्रभु जी के साक्षात दर्शन कर निवेदन किया कि हम बहुत समय से भटक रहे हैं इसलिए अपना उद्धार करने के लिए सेवक करने के लिए विनंती की. बादरायणदास की 14 वी पीढ़ी है. बालकृ-णदास का वंश आगे नहीं चला है.

महाप्रभुजी से बादरायणदास तथा उसकी पत्नी ने महाप्रभुजी से ब्रहम संबंध लिया. पहले नाम बादा था. बादरायणदास नाम श्री महाप्रभुजी ने दिया है. श्री महाप्रभुजी ने बालकृ-णलाल जी का स्वरुप तथा चंदन की पादुका पधरा दी है. श्री महाप्रभुजी जब मोरबी से द्वारका पधारे तब साथ में बादरायणदास तथा उसकी पत्नी भी द्वारका में गये.

6 माह महाप्रभुजी के साथ में रहकर उनकी बहुत ही शुद्ध भाव से सेवा की जिससे महाप्रभुजी बहुत ही प्रसन्न हुए. श्री महाप्रभुजी के साथ में मोरबी वापस आने पर श्री महाप्रभुजी को अपने धर में पधराकर भगवान की सेवा करने लगे. श्री महाप्रभुजी मोरबी से गोकुल गये.

श्री महाप्रभु जी ने कृ-णदास मेघन को कहा कि मोरबी राजा मयुरध्वज का गांव है. राजा मयुरध्वज बहुत ही सत्यवादी था. श्री महाप्रभुजी ने मोरबी में श्रीमद भागवत सप्ताह की थी. यहां पर श्री कृ-ण अर्जुन सहित पधारे थे.

टंकारा तालुका

टंकारा

श्री पांजरापोल ट्रस्ट

डाकधर टंकारा जिला राजकोट ने 2 नंदी, 25 गायें, 25 बछियाएं, 33 बछड़े, 2 बैल, 22 अन्य कुल 109 गोवंश रखे गये हैं.

टंकारा

महर्-ि दयानंद स्मारक ट्रस्ट गोशाला

डाकधर टंकारा जिला राजकोट दूरभा-ा 287756, 287020 ने 1 नंदी, 28 गायें, 27 बछियाएं, 9 बछड़े कुल 65 गोवंश रखे गये हैं.

जबलपुर

श्री उमिया गौशाला चेरिटेबल ट्रस्ट

डाकधर जबलपुर, तालुका टंकारा, जिला राजकोट ने 2 नंदी, 20 गायें, 10 बछियाएं, 5 बछड़े कुल 37 गोवंश रखे गये हैं.

जडेश्वर

डाकघर जडेश्वर, तालुका टंकारा, जिला राजकोट ने 2 नंदी, 30 गायें, 20 बछियाएं, 10 बछड़े, 2 बेल कुल 64 गोवंश रखे गये हैं.

वीरपुर

श्री कामधेनु चेरिटेबल ट्रस्ट गौशाला

डाकधर वीरपुर, तालुका टंकारा, जिला राजकोट दूरभा-ा 02822–285839, 285ृ315 ने 3 नंदी, 60 गायें, 18 बछियाएं, 5 बछड़े, 2 बैल कुल 88 गोवंश रखे गये हैं.

लाजाई

श्री गौसेवा कामधेनु विसामो ट्रस्ट गोशाला

डाकधर लाजाई, तालुका टंकारा, जिला राजकोट दूरभा-ा 285900 ने 2 नंदी, 80 गायें, 104 बछियाएं, 18 बछड़े, 1 बैल कुल 205 गोवंश रखे गये हैं.

वांकानेर तालुका

दिवानपुरा वाकानेर

श्री वांकानेर पांजरापोल एवं गौशाला

दिवानपुर डाकघर वांकानेर, जिला राजकोट दूरभा-ा 02828-220874, 220848, मोबाइल 9898223300 ने 10 नंदी, 370 गायें, 60 बछियाएं, 90 बछड़े, 31 बैल, 5 अन्य कुल 566 गोवंश रखे गये हैं.

श्री गायत्री शक्तिपीठ

श्री वेदमाता गायत्री पब्लिक चेरिटेबल ट्रस्ट

महाकाली टेकरी तलेटी डाकघर वांकानेर जिला राजकोट ने 2 नंदी, 32 गायें, 10 बछियाएं, 8 बछड़े कुल 52 गोवंश रखे हैं.

श्री लक्ष्मीनारायण गौसेवा चेरिटेबल ट्रस्ट

क्णकोटना पाटिया के पास में, डाकधर वांकानेर जिला राजकोट दूरभा-ा 221277 ने 1 नंदी, 40 गायें, 42 बछियाएं, 1 बैल कुल 84 गोवंश रखे हैं.

श्री रघुनाथजी मंदिर गौशाला

डाकधर वांकानेर जिला राजकोट दूरभा-ा 221277 ने 1 नंदी, 38 गायें, 9 बछियाएं, 10 बछड़े, 4 बैल कुल 62 गोवंश रखे हैं.

श्री दर्शन गौशाला

राजावडला रोड, डाकधर वांकानेर, जिला राजकोट मोबाइल 9228220500 ने 2 नंदी, 49 गायें, 17 बछियाएं, 14 बछड़े कुल 81 गोवंश रखे हैं.

श्री अंध अपंग गौआश्रम ट्रस्ट

डाकघर वांकानेर जिला राजकोट दूरभा-ा 02828-221965 ने 4 नंदी, 214 गायें, 132 बछियाएं, 111 बछड़े, 2 बैल कुल 463 गोवंश रखे हैं.

केराला

श्री राणीबाई रुडीबाई नकलंक मंदिर गौशाला

डाकघर केराला तालुका वांकानेर जिला राजकोट दूरभा-ा 02828-223332 ने 3 नंदी, 87 गायें, 20 बछियाएं, 14 बछड़े कुल 124 गोवंश रखे गये हैं.

माटेल

श्री खोडियार माताजी मंदिर ट्रस्ट गौशाला

डाकघर माटेल, तालुका वांकानेर, जिला राजकोट ने 2 नंदी, 96 गायें, 46 बछियाएं, 43 बछड़े, 6 बैल कुल 193 गोवंश रखे हैं.

आईश्री अमरधाम चेरिटेबल ट्रस्ट गौशाला

डाकघर माटेल, तालुका वांकानेर, जिला राजकोट दूरभा-ा 02828-287761, 287661 ने 1 नंदी, 39 गायें, 15 बछियाएं, 5 बछड़े कुल 60 गोवंश रखे गये हैं.

श्री होलमाताजी मंदिर गौशाला

डाकघर महीका, होल माता, तालुका वांकानेर, जिला राजकोट मोबाइल 9228606302 ने 2 नंदी, 152 गायें, 20 बछियाएं, 25 बछड़े, 2 बैल कुल 201 गोवंश रखे गये हैं.

मेसरिया

श्री जालाभगत गौशाला

डाकघर मेसरिया, तालुका वांकानेर, जिला राजकोट दूरभा-ा 02828-271501 ने 1 नंदी, 80 गायें, 34 बछियाएं, 10 बछड़े, 4 बैल कुल 129 गोवंश रखे गये हैं.

जीनपुरा

अंध अपंग गौआश्रम ट्रस्ट

डाकघर जीनपुरा, तालुका वांकानेर, जिला राजकोट दूरभा-ा कार्यालय 221965, वाडी 222965 ने 3 नंदी, 270 गायें, 40 बछियाएं, 41 बछड़े, 52 बैल, 62 अन्य कुल 478 गोवंश रखे गये हैं.

वीठठलपुरा

आईश्री खोडियार मंदिर ट्रस्ट गोशाला

1 नंदी, 30 गायें, 3 बछियाएं, 2 बछड़े कुल 36 गोवंश हैं.

जैतपुर तालुका

जैतपुर

श्री जैतपुर पांजरापोल

डाकधर जैतपुर जिला राजकोट ने 11 नंदी, 305 गायें, 106 बछियाएं, 40 बछड़े, 34 बैल, 25 अन्य कुल 521 गोवंश रखे हैं.

श्री गौसेवा समाज मंडल ट्रस्ट गौशाला

धोराजी रोड, भाविकनगर, गुजराती वाडी, जैतपुर जिला राजकोट ने 1 नंदी, 67 गायें, 22 बछियाएं, 9 बछड़े, 2 बैल कुल 101 गोवंश रखे हैं.

श्री स्वामीनारायण मंदिर गौशाला ट्रस्ट

डाकधर जैतपुर, जिला राजकोट दूरभा-ा 02823-220074, 226674, 9426247418 ने 1 नंदी, 10 गायें, 5 बछियाएं, 5 बछड़े कुल 21 गोवंश रखे हैं.

श्री केराडेश्वर महादेव गौशाला ट्रस्ट

व्यवस्थापक दूरभा-ा 02823-695902 के द्वारा 3 नंदी, 25 गायें, 15 बछियाएं, 21 बछड़े कुल 64 गोवंश रखकर जैविक लहर उत्पन्न कर रहे हैं.

श्री गौसेवा सहकारी मंडली ट्रस्ट

व्यवस्थापक दूरभा-ा 02823-228527 के द्वारा 3 नंदी, 60 गायें, 20 बछियाएं, 10 बछड़े, 1 बैल कुल 94 गोवंश रखकर परिवर्तन कर रहे हैं.

थाणगाबोर

श्री मुरलीधर गौ सेवा ट्रस्ट

3 नंदी, 160 गायें, 20 बछियाएं, 15 बछड़े कुल 198 गोवंश रखकर नस्ल सुधार कर रहे हैं.

पीपलाव

श्री पुरु-ोत्तम लालजी गौसेवा ट्रस्ट

पीपलाव तालुका जैतपुर में गोवंश को स्वावलंबी बनाने के लिए नस्ल सुधार करने के लिए 1 सांढ, 10 गोमाताएं, 5 बछियाएं, 1 बछड़ा पाल रहे हैं.

मांडलीकपुर

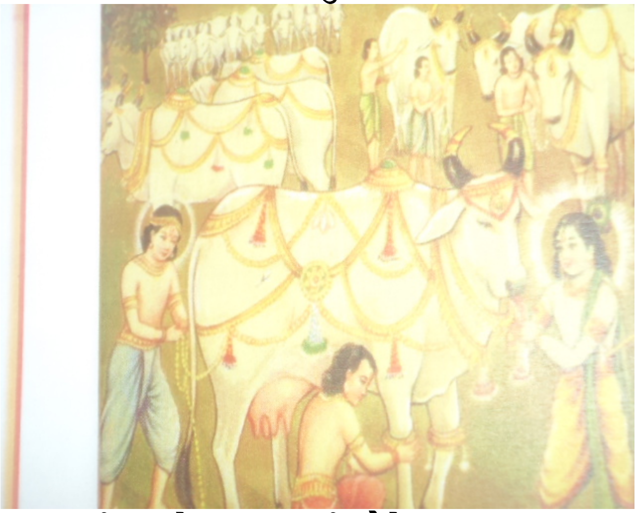

श्री पुरु-ोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट

मांडलीकपुर तालुका जैतपुर दूरभा-ा 02823-271362 में गोवंश को स्वावलंबी करने के लिए नस्ल सुधार करने के लिए 1 सांढ, 13 गोमाताएं, 8 बछियाएं, 4 बछड़े पाल रहे हैं.

जुनी सारडी

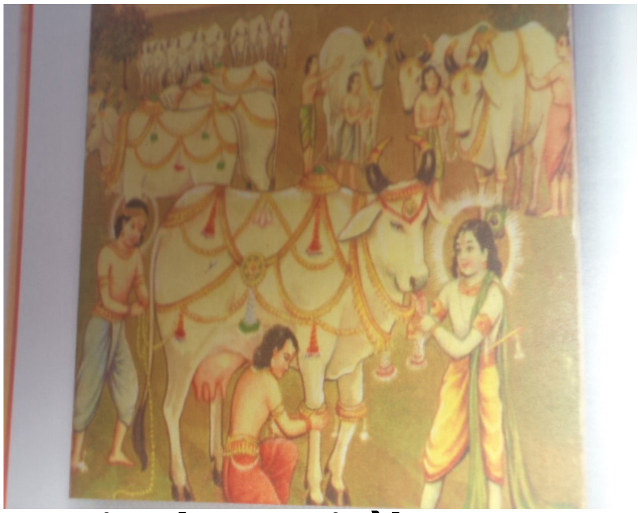

श्री पुरु-गोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट

जुनी सारडी तालुका जेतपुर में गोवंश को स्वावलंबी करने के लिए नस्ल सुधारने के लिए 4 सांढ, 25 गोमाताएं, 10 बछियाएं, 1 बछ़ड़ा पाल रहे हैं.

भावनगर जिला

भावनगर

कामधेनु परिवार

भावनगर के महाराजा श्री कृ-ण राज सिंह जी के द्वारा अपने समय में गीर गोवंश के विकास करने के लिए काफी मेहनत की गयी थी. महाराजा को गोवंश के बारे में बहुत ही अच्छा ज्ञान था इसलिए बहुत ही बढ़िया सांढ तैयार किये गये थे.

कामधेनु सेवा

हरा चारा 12 माह खिलाने के लिए चारागाह के लिए काफी जमीन खाली रखी गयी थी. गोवंश वध पर पूर्ण प्रतिबंध था. समय समय पर गोवंश के संवर्धन करने के लिए प्रतियोगिता आयोजित की गयी थी.

कामधेनु कृपा

ब्राजील के द्वारा सबसे पहले 1951 में एक सांढ ब्लैंक चेक देकर खरीदा गया था. ब्राजील की अर्थव्यवस्था को बदलने के लिए उस सांढ की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है. वर्तमान में भी एक दिन में 27 किलो दूध देने वाली गायें भावनगर में मौजूद हैं. उनके द्वारा गीर के लिए जो कार्य किया गया है वह विश्व में प्रसिद्ध है.

विसामण भगत गौशाला

श्री महुवा गौरक्षक सभा गौशाला

गौरक्षा संस्था

श्री प्रभव हेम कामधेनु गिरि विहार ट्रस्ट गौशाला

गौसेवा ट्रस्ट ग्रामोद्योग गौशाला

लोक सेवा ट्रस्ट गौशाला

सुरजबेन शांतिलाल गांधी गौशाला

ढस जंकशन गौशाला

लोकभारती ग्राम विद्यापीठ गौशाला

गुरुकुल गौशाला

डाकघर सोनागढ, जिला भावनगर दूरभा-ा 02846-244330 ने 1 नंदी, 19 गायें, 7 बछियाएं, 7 बछड़े, 2 बैल कुल 36 गोवंश रखे गये हैं.

ग्राम दक्षिणामूर्ति गौशाला

डाकघर आंबला, तालुका सिहोर, जिला भावनगर दूरभा-ा 02846-294118 ने 1 नंदी, 17 गायें, 14 बछियाएं, 9 बछड़े, 2 बैल कुल 43 गोवंश रखे गये हैं.

बोचासणवासी अक्षरपुरु-ोत्तम गौशाला

डाकघर गढडा स्वामी, जिला भावनगर दूरभा-ा 02847-252001, 252001 ने 1 नंदी, 30 गायें, 28 बछियाएं, 12 बछड़े, 9 बैल कुल 80 गोवंश रखे गये हैं.

श्री मोंघीबा गौशाला

डाकघर सिहोर जिला भावनगर दूरभा-ा 222235 ने 2 नंदी, 63 गायें, 16 बछियाएं, 18 बछड़े, 2 बैल, 9 अन्य कुल 110 गोवंश रखे गये हैं.

न्वाहयया हनुमानजी मंदिर गौशाला

डाकघर बोटाद, जिला भावनगर दूरभा-ा 02849-255848, मोबाइल 9426246201 ने 1 नंदी, 18 गायें, 4 बछियाएं, 5 बछड़े कुल 28 गोवंश रखे गये हैं.

श्री गोपनाथ गौशाला

डाकघर गोपनाथ तालुका तडाजा, जिला भावनगर में 7 गायें, 4 बछियाएं, 6 बछड़े कुल 17 गोवंश रखे गये हैं.

ग्राम दक्षिण मूर्ति गौशाला

मनार, तालुका तडाजा जिला भावनगर 98 गायें, 12 बछियाएं, 4 बछड़े कुल 114 गोवंश रखे गये हैं.

तडाजा महाजन गौशाला

डाकधर तडाजा, जिला भावनगर ने 35 गायें, 23 बछियाएं, 10 बछड़े कुल 68 गोवंश रखे गये हैं.

भावनगर महाजन गौशाला

धोधा रोड, उाकधर भावनगर ने 4 नंदी, 37 गायें, 25 बछियाएं, 20 बछड़े कुल 86 गोवंश रखे गये हैं.

सदगुरु सेवा समिति चेरिटबल ट्रस्ट

कावेरी गोशाला, लाटी बाजार के पीछे में, डाकघर बोटाद, जिला भावनगर दूरभा-ा 02849-242167 ने 20 गायें, 6 बछियाएं, 4 बछड़े कुल 30 गोवंश रखे गये हैं.

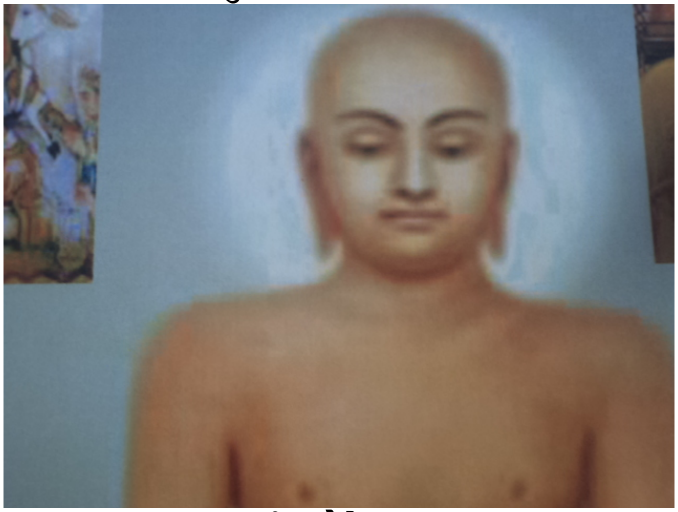

महावीर गौसेवा सदन

हरणफुई डाकधर बोटाद, जिला भावनगर दूरभा-ा 02849-255848 ने 10 गायें, 2 बछियाएं, 2 बछड़े कुल 16 गोवंश रखे गये हैं.

ग्राम विद्यालय दूधाडा संचालित आदर्श गौशाला

शेठ आणंदजी कल्याणजी छापरीयाडी पांजरापोल सार्वजनिक ट्रस्ट गौशाला

श्री गौरक्षा गौशाला

गोपीनाथजी देव मंदिर गौशाला

लोकनिकेतन सार्वजनिक गौसेवा ट्रस्ट

कैलास गौशाला

श्री गोपाल ट्रस्ट गौशाला

समढियाढा

कामधेनु सेवा

श्री भावनगर पांजरापोल ब्रांच श्री समढियाढा जिला भावनगर में 408 सांढ, 1591 गोमाता, 109 बछियाएं, 79 बैल, 483 अन्य जीव रखे गये हैं. एडस के खिलाफ जबरदस्त अभियान चलाने के लिए वैद्य के मार्गदर्शन में गोमूत्र एकत्र कर दवा बनाने का कार्य प्रारम्भ करना है.

जिला कच्छ
तालुका अबडासा

श्री जखौ पांजरापोल

श्री पांजरापोल गौशाला ट्रस्ट

श्री तेरा पांजरापोल

श्री सुथरी पांजरापोल

श्री कोठारा पांजरापोल

श्री परजाउ पांजरापोल

नलीया पांजरापोल

तालुका रापर

श्री भीमाणी खादी मंडल

श्री रवेची देवस्थान गोशाला

श्री रविशंकर महाराज गौशाला

श्री अजरा अमर सवामी गौशाला

श्री वरुणेश्वर देवस्थान गौशाला

श्री पदमपुर जीवदया केंद्र पांजरापोल

श्री जीवदया मंडल रापर

श्री आदेसर जीवदया पांजरापोल

श्री रवेची देवस्थान गौशाला/पांजरापोल

तालुका मुंद्रा

डी आर वकील मुंद्रा 02838-223596 में पंचगव्य दवाओं से लोगों के असाध्य रोगों को पूरी तरह से ठीक करने के कारण ही सबसे आगे चल रही है.

गोवंश चिकित्सकों के सहयोग के कारण ही गोवंश की संपूर्ण वैज्ञानिक जानकारी गुजरात में उपलब्ध करवायी गयी है.

श्री गुंदाला महाजन पांजरापोल

श्री मंगदलीप फाउन्डेशन चेरिटेबल ट्रस्ट गौशाला

श्री कच्छ वडाला मुम्बई महाजन पांजरापोल

श्री छासरा जीवदया केंद्र पांजरापोल

श्री मुन्द्रा पांजरापोल

श्री भगवान महावीर पशुरक्षा केंद्र

श्री मोटा कांडागरा पांजरापोल

श्री भूजपुर पांजरापोल

श्री मुन्द्रा गौशाला

डाकधर मुन्द्रा जिला कच्छ दूरभा-। 02838-222126, 223126 ने 2 नंदी, 40 गायें, 20 बछियाएं, 20 बछड़े कुल 82 गोवंश रखे हें.

लुणी

श्री वर्धमान जीवदया केंद्र लुणी जिला कच्छ वर्तमान में जैन अनुयायिओं तथा अनुभवी चिकित्सकों, वैद्यों, गोवंश प्रेमियों, गुजरात गो सेवा आयोग, भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड चेन्नई के तन, मन, एवं वित्तीय सहयोग से गोप्रसाद आयु फार्मा मैत्री कोपंलेक्स, दुकान नं 10, बारोई मुंद्रा रोड लुणी, तालुका मुंदरा, जिला कच्छ 370410 02838-281136, 281270 में गो प्रसाद के नाम से बहुत ही उच्च गुणवत्ता के बहुत ही कम मूल्य पर अलग अलग बहुत सारी पंचगव्य दवाओं के बहुत बड़े स्तर पर निर्माण करने के कारण गोवंश का सम्मान हो सकता है. जनचेतना उत्पन्न करने के लिए साहित्स, सीडी वितरण का कार्य किया गया है.

मुम्बई तथा गुजरात के महानगरों में वितरक के माध्यम से एक साल में 30 लाख से अधिक का विक्रय किया जा रहा है.

तालुका भचाउ

श्री वोंघ गौशाला
श्री पांकडसर गौशाला
श्री दयाराम बापा गौशाला ट्रस्ट
श्री कल्पतरु गौशाला चेरिटेबल ट्रस्ट गौशाला

कामधेनु सेवा

श्री भचाउ पांजरापोल भचाउ जिला कच्छ में 226 सांढ, 842 गोमाएं, 608 बछियाएं, 570 बछड़े, 11 बैल, अन्य 424 अन्य जीव रखे गये हैं.

भूकंप के बाद में बहुत ही उदारता के साथ में दान देकर कांकरेज नस्ल को सुरक्षित रखने के लिए गोबर एवं गोमूत्र के उपयोग को महत्व दिया गया है.

एडस के खिलाफ अभियान चलाने के लिए वैद्य के मार्गदर्शन में दवाएं गोमूत्र से तैयार करने के लिए कार्य प्रारम्भ करना है.

श्री वोघडा गौशाला डाकधर वोंघडा तालुका भचाउ जिला कच्छ दूरभा-ा 02837-267835 ने 2 नंदी, 35 गायें, 25 बछियाएं, 47 बछड़े, 14 बैल कुल 123 गोवंश रखे हैं.

श्री कुच्छी दासा ओसवाल ने भगवान महावीर के सिद्धांत जीयो और जीने दो के लिए श्री पांजरापोल गौशाला चेरिटेबल ट्रस्ट नालिया अवदासा जिला कच्छ प्रारम्भ किया है. वर्तमान में चारा बहुत ही मंहगा है.

मुम्बई, कच्छ, महारा-द्र एवं केरल के पदाधिकारी गोबर किसानों को बेचते हैं. सुरक्षा के लिए वर्तमान में बाउंड्री बनानी है. गजियम बनाना है.

20,000 रु. दैनिक खर्च कर 54 एकड़ भूमि पर 25 पेड़ लगाकर 500 मन चारे के साथ में 8 कर्मचारी वर्तमान में 219 गोवंश की सेवा कर रहे हैं. 5 भैंस, 35 पाडी, 4 पाडे रखे हैं.

तालुका भुज

नारायण सरोवर

कामधेनु सेवा

कामधेनु परिवार के द्वारा कामधेनु की कृपा प्राप्त करने के लिए कामधेनु सेवा कर रहे हैं. कामधेनु दर्शन करने के लिए पूरे विश्व से भक्त आते हैं.

श्री महाप्रभुजी की 63 वी बैठक तालुका लखपत जिला भुज कच्छ श्री वसंतभाई एवं श्री आशी-ाभाई

वर्तमान समय में पूरी तरह से शांत एवं दिव्य स्थान में वै-णवों के लिए नारायण सरोवर अदभुत है. समुद्र के कारण ही मौसम बहुत ही अच्छा है. श्री महाप्रभुजी साक्षात यहां पर दर्शन दे रहे हैं.

मार्कंडेय ऋ-ि के आश्रम के पास में छोकर के वृक्ष के नीचे आप बिराजे. श्री दामोदरदास को आज्ञा की कि यहां पर श्री आदिनारायण जी बिराजे हैं. नारायण सरोवर में से आदिनारायण प्रकट भये हैं. हम यहां पर सप्ताह करेंगे. श्री नारायण सरोवर में स्नान कर सप्ताह का प्रारम्भ किया. प्रतिदिन कोटेश्वरजीमहादेव कथा सुनने के लिए पधारते थे.

श्री महाप्रभुजी ने दामोदरदास को आज्ञा की कि सिंध प्रदेश में दैवी जीव बहुत हैं लेकिन सरस्वतीजी का उल्लंघन हम कबहू नहीं करेंगे क्योंकि वो तो भगवदवाणी को प्रवाह है. लक्षावदि दैवी जीवन की तामसी योनी चरणारविंद की रज के द्वारा छूट जायेगी. हमारे वंशज इन सभी को अंगीकार करेंगे.

श्री हरिकृ-ण निराधार गौसेवा ट्रस्ट
श्री स्वामीनारायण गौशाला ट्रस्ट
श्री राधे कृ-ण गौशाला
श्री वरली गौशाला सेवा समिति गौशाला
श्री भुज पांजरापोल

लक्ष्मी औ-ाध भंडार 02838-253684
भाग्योदय औ-ाध भंडार 02832-225684
लाइफ लाइन मेडीकल 02832-395009
पारस एन्टरप्राइजेज भुज
दामोदरभाई ठक्कर सुथरी 02831-284273

असाध्य रोगों का संपूर्ण उपचार करने के लिए लुणी में निर्मित पंचगव्य महो-ाधियों का विक्रय कर रहे हैं.

बहुत ही अच्छे परिणाम मिलने के कारण ही पंचगव्य महो-ाधियों को हर मरीज तक पहुंचाने के प्रयत्न जारी हैं.

गांधीधाम

श्री गौशाला सेवा समिति

श्री रमेश भाई वी शाह गांधीधाम 02836-227321,

लाइफलाइन मेडीकल गांधीधाम 02836-395311 लुणी में निर्मित पंचगव्य महो-ाधियों का विक्रय असाध्य रोगों का उपचार करने के लिए कर रहे हैं.

कम समय में परहेज तथा जीवन शैली में परिवर्तन करने के कारण आश्चर्यजनक परिणाम मिले हैं.

तालुका मांडवी

कामधेनु कृपा

श्री विवेकानंद रीसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीअयूशन गौशाला

श्री तापेश्वर महादेव गौशाला

श्री दिनबंधु फाउन्डेशन चेरिटेबल ट्रस्ट मानव मंदिर गौशाला

श्री नागलपुर जीवदया केंद्र

श्री आशापुरा माताजी गौशाला

श्री मांडवी पांजरापोल

कामधेनु कृपा का साक्षात अनुभव करवाने के लिए गोस्वामी श्री शरद जी यहां पर सक्रिय हैं.

पंचगव्य महो-ाधियां

प्रफुल्लभाई शाह मांडवी कच्छ लुणी में निर्मित पंचगव्य महो-ाधियों का विक्रय असाध्य रोगों के संपूर्ण उपचार करने के लिए कर रहे हैं.

नगा वडालिया

श्री नगा वडालिया सेवा सहकारी मंडली नगावडालिया 02836-268900

वर्मानगर

श्री लालजीभाई जनता स्वदेशी वितरण केंद्र वर्मानगर

तालुका अंजार

श्री नगावलाडिया गौशाला पांजरापोल चेरिटेबल ट्रस्ट

श्री कोटडा गौशाला

श्री खेडोई गौशाला

श्री के.वी. मेहता चेरिटेबल अस्ट-भूवड

श्री अंजार पांजरापोल

श्री प्रेमजीभाई ठक्कर अंजार 9426469723

सूरत
पंचगव्य

मोबाइल 09725711089, 09825130640 पर विश्व की सबसे बड़ी गोशाला राजस्थान पथमेड़ा में पृथ्वीमेड़ा पंचगव्य उत्पादन प्रा. लि. के द्वारा निर्मित सभी वस्तुएं उपलब्ध हैं.

श्री सूरत पांजरापोल

चिल्ड्रन ट्राफिक ट्रेनिंग पार्क सामे, धोड दौड रोड सुरत दूरभा-ा 0261-2665710 के द्वारा गोवंश संरक्षण करने के लिए 40 सांढ, 775 गायें, 504 बछियाएं, 324 बछड़े, 52 बैल, 1031 अन्य कुल 2726 गोवंश हैं.

विश्व में पंचगव्य महो-ाधियां बहुत अधिक लोकप्रिय हैं. उच्च गुणवत्ता वाली पंचगव्य महो-ाधियों का बहुत बड़ा बाजार विकसित देशों में मौजूद है.

वर्तमान में गोवंश को पूरी तरह से स्वावलंबी बनाने के लिए जैविक खादें, पंचगव्य महो-ाधियां, सी.एन. जी. जैसी बहुत सारी योजनायें विचाराधीन हैं.

ताजपोर

श्री पशु प्रति-ठान शाह नैनमल बगेरिया पांजरपोल

60 गायें, 25 बछियाएं, 25 बछड़े, 12 अन्य कुल मिलाकर 122 गोवंश हैं. सांढ नहीं हैं.

खरवासा

खरवासा पांजरापोल

संचालक मोबाइल 9825407929 के द्वारा वर्तमान में 3 नंदी, 174 गायें, 27 बछियाएं, 45 बछड़े, 29 बैल, 74 अन्य कुल 352 गोवंश हैं.

बारडोली

बारडोली पांजरापोल

1 नंदी, 29 गायें, 7 बछियाएं, 17 बछड़े, 11 बैल, 14 अन्य कुल 79 गोवंश रखे हैं.

तालुका वालोद

ग्राम वेडछी

श्री स्वराज आश्रम गौशाला

प्रबंधक दूरभा-ा 02625-222089 के द्वारा 1 सांढ, 7 गायें, 9 बछियाएं, 2 बछड़े कुल 21 गोवंश रखे गये हैं. आदर्श गौशाला बनाने के लिए नस्ल सुधार, पंचगव्य महो-ाधियों, जैविक खेती, गोबर गैस, सीएनजी के माध्यम से वर्तमान में स्वावलंबन करने के लिए संगठित प्रयत्न किये गये हैं.

तालुका कामरेज

ग्राम कोसमाडा

श्री अंबिका निकेतन ट्रस्ट गौशाला

प्रबंधक दूरभा-ा 0261-5531998, 0272056, मोबाइल 9825376007 के द्वारा 2 सांढ, 48 गायें, 37 बछियाएं, 12 बछड़े, 2 बैल, 16 अन्य कुल 117 गोवंश हैं.

कडोदरा

श्री स्वामीनारायण गौशाला

स्वामीनारायण विश्व विद्यापीठ, नेशनल हाई-वे नं. 8, व्हाया चलथाण, तालुका पलसाणा दूरभा-ा 02622-271632, मोबाइल 9825172611 के द्वारा 1 नंदी, 12 गायें, 7 बछियाएं, 5 बछड़े, 2 बैल कुल 27 गोवंश हैं.

गोशाला को पूरी तरह से स्वावलंबी बनाने के लिए नस्ल सुधार तथा पंचगव्य महो-ाधियों के निर्माण के लिए प्रयत्न जारी हैं.

तालुका महुवा

आंगलधरा

श्री स्वामी श्री मनोहरानंद मानव सेवा संघ

प्रबंधक दूरभा-ा 02625-252207, 252209 के द्वारा 26 गायें, 14 बछियाएं, 3 अन्य कुल 43 गोवंश रखे गये हैं.

तालुका सोनगढ

खरसी देवलपाडी

श्रीमती विजयाबेन वल्लभभाई मिस्त्री गौशाला

प्रबंधक डाकघर आजरा मोबाइल 9879097265 के द्वारा 1 नंदी, 13 गायें, 15 बछियाएं, 5 बछड़े, 2 बैल कुल 36 गोवंश हैं.

गोवंश को पूरी तरह से सवावलंबी बनाने के लिए नस्ल सुधार करने के लिए संगठित प्रयत्न कर रहे हैं.

तालुका कामरेज

लाडवी

श्री स्वामीनारायण संस्कृतिधाम गौशाला

प्रबंधक दूरभा-ा 02622-271714 के द्वारा 2 नंदी, 25 गायें, 8 बछियाएं, 1 बछड़ा, 3 बैल कुल 39 गोवंश रखे हैं.

गोवंश को पूरी तरह से स्वावलंबी बनाने के लिए नस्ल सुधार पर पूरा ध्यान दिया गया है.

तालुका बारडोली

कडोद

श्री कल्याण कृ-ि गोविज्ञान भारतीय बायफ गौशाला

व्यवस्थापक दूरभा-ा 02622-246314 के द्वारा 4 गायें, 3 बछियाएं कुल 7 गोवंश हैं.

जोथाण

श्री वृंदावन गौशाला

व्यवस्थापक दूरभा-ा 02621-223380 के द्वारा 1 नंदी, 65 गाये, 50 बछियाएं, 14 बछड़े कुल 130 गोवंश रखे हैं.

तालुका उमरपाडा

वाडी

श्री गणपतसिंह वसावा सहारा ट्रस्ट

व्यवस्थापक दूरभा-ा 02629-256747,256443 के द्वारा नस्ल सुधार कर गोवंश को पूरी तरह से स्वावलंबी बनाने के लिए 4 नंदी, 25 गायें, 10 बछियाएं, 12 बछड़े, 4 बैल कुल 55 गोवंश हैं.

श्री ललीताबा गौशाला

डो. आरडीदवे भुनेश्वरी पीठ, नवी पाटडी, तालुका कीम मोबाइल 9827238449 के द्वारा 1 नंदी, 48 गायें, 38 बछियाएं, 14 बछड़े कुल 101 गोवंश रखे गये हैं.

उमरपाडा

स्वामीनारायण गौसेवा ट्रस्ट

कृ-णभक्ति आश्रम गौशाला वेंजाली मोबाइल 9426744701 के द्वारा 2 नंदी, 50 गायें, 16 बछियाएं, 4 बछड़े कुल 72 गोवंश रखे गये हैं.

कामधेनु सेवा

श्री गो सेवा समिति 562, सिल्क सीटी मार्केट रिंग रोड, सूरत दूरभा-ा 3205170 कामधेनु सेवा कर रहे हैं.

श्री भुनेश्वरी पीठ कार्यालय

अडाजण दूरभा-ा 2783501, सुमुल डेयरी दूरभा-ा 2535827 में साहित्य, पंचाग, मासिक पत्रिका तथा गोमूत्र से तैयार आयुर्वेदिक ओ-ाधियां उपलब्ध हैं.

श्री महाप्रभु जी की 53 वी बैठक मोदी मोहल्ला

अश्विनीकुमार 0261-2547968, 09825341025

श्री महाप्रभुजी कांकरवाड से पंडरपुर में श्री विठठलनाथजी के दर्शन कर पंचवटी होकर सूरत पधारे.

सूरत से गोवंश के संवर्धन तथा आचार्य श्री महाप्रभुजी के सिद्धातों के मार्गर्शन करने के लिए साहित्य, सीडी तथा वै-णववाणी तथा वै-णव सृ-िट मासिक पत्रिका का प्रकाशन गुजराती में किया जा रहा है.

सूरत में वल्लभवंश के आचार्य श्री वल्लभ विराज रहे हैं. सोमयज्ञ पूरे भारत में उनके द्वारा किये जा रहे हैं. अग्निहोत्र नियमित कर आचार्य श्री महाप्रभुजी के सिद्धांतों का मार्गदर्शन किया जा रहा हैं.

सूरत में आचार्य श्री द्वारकेशलाल जी के द्वारा निरन्तर महोत्सवों के माध्यम से आचार्य श्री महाप्रभु जी के सिद्धांतों को स्थापित करने के लिए प्रयत्न जारी हैं. गोवंश के लिए गोशालाओं के माध्यम से अभियान चलाये जा रहे हैं. सूरत में श्रीनाथजी की बैठक स्टेशन के बगल में है.

श्री महाप्रभु जी तापी नदी के किनारे अश्विनीकुमार के आश्रम के पास में बिराजे. यहां पर नित्य साक्षात श्री महाप्रभु जी बिराज रहे हैं. श्री महाप्रभुजी की बैठक अदभुत है. यहां पर अनेकों देवी जीव आपका महात्म्य देखकर आपकी शरण में आये हैं.

यहां पर श्री महाप्रभु जी ने श्रीमद भागवत सप्ताह की है. सूर्य पुत्री साक्षात तापी नदी स्त्री का रुप धारण

कर सातों दिनों तक श्री महाप्रभु जी की पंखे की सेवा करने लगी.

भरुच

भरुच पांजरापोल

वालीया पांजरापोल

जंबुसर पांजरापोल

सदगुरु कबीर आर्य पांजरापोल

कामधेनु गौरक्षा समिति संचालित पांजरापोल

श्री ब्रहमाधर्मेश्वर चेरिटेबल ट्रस्ट गौशाला

श्री ग्राम निर्माध केडवणी मंउल कामधेनु गोशाला

श्री भारद्वाज आश्रम सेवा ट्रस्ट

श्री रामजानकी गौशाला

श्री स्वामीनारायण मंदिर गोशाला

मणीनागेश्वर मंदिर गोशाला

समर्पण टस्ट गौशाला

सदगुरु ब्रहमालय आश्रम गौशाला

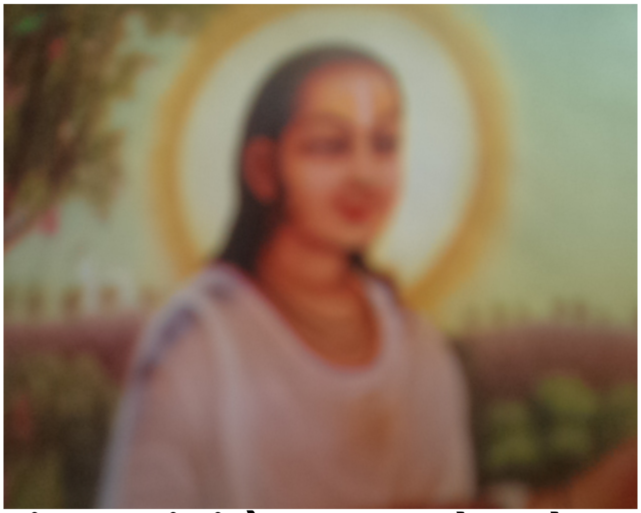

श्री महाप्रभु जी की बैठक पावरहाउस के पास में स्टेशन रोड 02642-644660, 09898170548

श्री महाप्रभु जी की 54 वी बैठक छोकर के वृक्ष के नीचे नर्मदा नदी के किनारे भृगु क्षेत्र में भरुच में है. यहां पर अकस्मात एक स्त्री जो नख से शिख तक हीरा मोती के आभु-ण पहनकर आपको सा-टांग दंडवत प्रणाम करके विनंती की कि महाराजाधिराज आपका प्रागटय दैवी जीवों के उद्धार करने के लिए हुआ है तथा मायावाद का खंडन कर सकल तीर्थ सनाथ करने के लिए आप पधारे हैं. आप नर्मदा नदी में स्नान करने के लिए अवश्य ही पधारें.

श्री महाप्रभुजी ने कहा कि हम अभी स्नान करने के लिए आते हैं. वह स्त्री दंडवत करके अपने स्थान पर

गयी. श्री दामोदरदास ने विनंती की कि यह स्त्री कौन थी? आप कृपा करके कहें. तब श्री आचार्य जी ने कहा कि वह नर्मदा नदी थी.

आपने नर्मदा में स्नान कर पधारे तब नर्मदा नदी बहुत ही प्रसन्न हुई तथा यहां पर आपने श्रीमद भागवत सप्ताह की. यहां पर श्रीमद भागवत जी के माध्यम से अनेक दैवी जीवों का अंगीकार आपने किया है. यहां से आप मोरबी पधारे.

श्री गुंसाई जी की 25 वी बैठक

श्री गुंसाई जी वर्तमान में साक्षात बिराज कर सभी अलौकिक मनोरथ पूरे कर रहे हैं. श्री गुंसाई जी की कृपा के कारण ही वर्तमान में नित्य सत्संग किया जा रहा है. श्री गुंसाई जी ने राजा जामतमांची को भी अंगीकार किया. श्री गुंसाई जी की बैठक बाला बादरायण के घर में है. श्री गुंसाई जी ने यहां पर श्रीमद भागवत सप्ताह की है.

श्रीगंगागोडगढ

श्री गुंसाई जी की 26 वी बैठक

जामनगर से द्वारका जाते समय रास्ते में यादवेन्द्रदास के घर में श्री गुंसाई जी की बैठक है. यादवेन्द्रदास के वंशज श्री आनंददास वर्तमान में सेवा कर रहे हैं. श्री गंगागोडगढ वर्तमान में गुरगढ है.

नागजीभाई यहां पर आम की पोट लेकर आये. आम झाड़ी में रखे. उसमें से एक टोकरा आम लेकर श्री गुंसाई जी के पास में आये. श्री गुंसाई जी ने कहा कि आम तो द्वारकानाथजी के लायक हैं. नागजीभाई ने विनंती की कि आप तो आरोगो.

श्री द्वारकानाथ जी भी आरोगेंगे. यहां पर श्री गुंसाई जी 3 दिनों तक बिराज कर नागजीभाई के आम के मनोरथ पूरे किये. श्री गुंसाई जी यहां से द्वारका पधारे हैं.

खंभालिया

वर्तमान में भाटिया संगठन के द्वारा लगभग दो सौ सालों से गोवंश की सेवा की जा रही है. विशाल क्षेत्र में गोवंश रखकर संतुलित ढंग से गोबर एवं गोमूत्र का उपयोग किया जा रहा है.

श्री महाप्रभुजी की 57 वी बैठक कुंड के पास में स्टेशन रोड 02833-234966

नवानगर से आप यहां पर छोकर के वृक्ष के नीचे कुंड के उपर पधारे हैं. श्री दामोदरदास को आज्ञा की कि यह स्थल बहुत ही रमणीय है. एक ब्राहमण ने आकर कहा कि रात्रि के समय यहां पर न रहें. ईमली में एक प्रेत रहता है. प्रेत रात्रि के समय में खा जाता है. श्री आचार्य जी रात्रि के समय में कथा करने के लिए बिराजे.

कृ-णदास मेघन अपरस धोने के लिए गये. प्रेत उस समय वहां पर आया. प्रेत ने कृ-णदास से विनंती की कि मेरा उद्धार करो. मैं बहुत ही दु:ख पा रहा हूं. कृ-णदास ने महाप्रभुजी से प्रेत की विनंती की. श्री महाप्रभुजी ने प्रेत पर चरणोदक छिड़कने के लिए कहा. यहां पर एक प्रेत का उद्धार कृ-णदास मेघन के द्वारा चरणोदक छिड़ककर किया. चरणोदक का महत्व सभी को बताया है. दैवी जीवों को आनन्द देने के लिए आपने यहां पर श्रीमद भागवत सप्ताह की. आप यहां से पिंडतारक पधारे.

श्री दामोदरदास हरसानी जी की 3 री बैठक

श्री दामोदरदास हरसानी जी की बैठक यहां पर है.

पिंडतारक

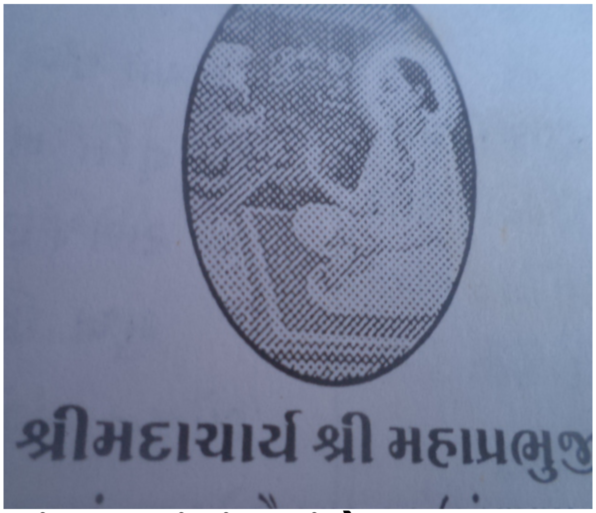

श्री महाप्रभु जी की 58 वी बैठक व्हाया नंदाणा पाटिया डाकघर पिंडारा 09898263850

खंभालिया से पिंडतारक में आप छोकर के वृक्ष के नीचे बिराजे. आप यहां पर दामोदरदास हरसानी को कहा कि जब श्रीकृ-णचंद्र द्वारका बिराजे तब दुर्वासा जी यहां पर रहते थे. सब तीर्थ आपके दर्शन करने द्वारका के आसपास रहे. आपने यहां पर श्रीमद भागवत सप्ताह की. एक ब्राहमण नित्य कथा सुनने के लिए आता था.

आपने ब्राहमण से पूछा तुम कहां रहते हो तब ब्राहमण ने कहा कि महाराजधिराज मैं तीर्थक्षेत्र में रहता हूं. आपके मुखारविंद से कथा सुनने का मनोरथ बहुत दिनों का था. कथा पूरी होने पर ब्राहमण किसी को नहीं दिखा.

एक दिन कृ-णदास मेघन ने विनंती की कि वह ब्राहमण कौन है? आपने कहा कि तीर्थ राज हैं. जितने तीर्थ हैं सभी साक्षात स्वरुपकात्मक हैं. यह सुनकर सभी ने सा-टांग दंडवत किया.

आपने कटाक्ष से अनेक पशु पक्षियों आदि जीवों का उद्धार किया. तीर्थक्षेत्र में आपने स्नान किया तब तीर्थ पुरोहित आया. तीर्थपुरोहित ने महाप्रभुजी से विनंती की तब महाप्रभुजी ने कहा कि तीर्थराज तेरा उद्धार करेंगे तथा जिसकी पीठिका पर हाथ धरेगो ताके हाथ सो पिंड तरेंगे. पुरोहित को दक्षिणा देकर विदा किया. यहां से आप मूलगोमता पधारे.

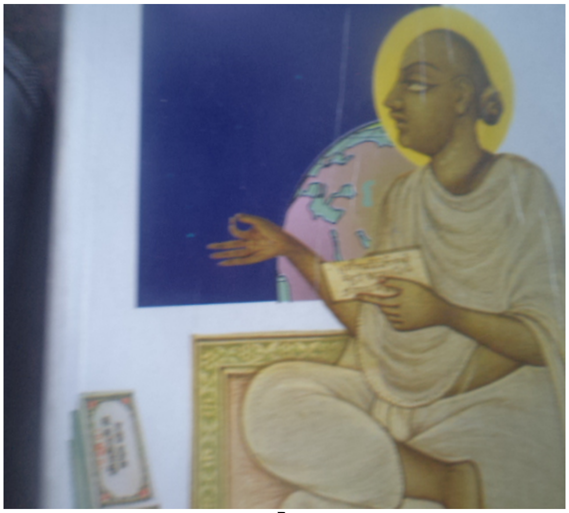

मूलगोमता

श्री महाप्रभुजी की बैठक मुकाम नाना भावडा तालुका द्वारका 02892-299964

श्री महाप्रभु जी छोकर के वृक्ष के नीचे गोमती नदी के किनारे बिराज रहे हैं. यहां पर श्री महाप्रभु जी ने श्रीमद भागवत सप्ताह की है. सेवकों को बहुत ही अलौकिक एवं दिव्य आनंद हुआ है. यहां एक सन्यासी को सेवक किया है.

श्रीनाथ जी के मंदिर के द्वारा गोमती नदी के बगल में मूल गोमता की बैठक का संचालन किया जा रहा है. एकांत में रहने के कारण ही श्री महाप्रभु जी साक्षात बिराजने का अनुभव हो रहा है. मूल गोमता में पूरी मां के द्वारा 1993 तक अपनी सेवाएं दी गयी हैं.

पूरी मां ने वै-णवों की बहुत ही सुंदर सेवा की है. उनके मार्गदर्शन में श्री दौलतभाई मुखिया जी के द्वारा अपनी सेवाएं बहुत ही लंबे समय से दी जा रही हैं. मूल गोमता में श्री महाप्रभु वल्लभाचार्य जी की 59 वी बैठक है तथा गोवंश की बहुत ही सुंदर सेवा की जा रही है. यहां से आप द्वारका पधारे.

द्वारका

द्वारका विश्व में अपनी सम्पन्नता के लिए भगवान श्रीकृ-ण के समय से ही प्रसिद्ध रह चुका है. भगवान के समय की द्वारका नगरी वर्तमान में समुद्र के अंदर है. वर्तमान में भगवान श्रीकृ-ण का मंदिर ही द्वारकाधीश के नाम से जाना जाता है. 52 गज लंबी ध्वजा मंदिर पर फहराती है. लाखों जिज्ञासु पैदल चल कर दर्शन करने

आते हैं.

भगवान श्रीकृ-ण के समय से ही गोवंश चरम सीमा पर है. भगवान के समय में देवों के शिल्पी विश्वकर्मा के द्वारा निर्मित सोने की द्वारका नगरी थी.

श्री द्वारकाधीश पुजारी परिवार चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारका जिला जामनगर में 2 सांढ, 8 गोमाताएं, 3 बछियाएं, 3 बछड़े पाल रहे हैं.

श्री शारदापीठ धाम लक्ष्मीभंडार गोशाला द्वारका, जिला जामनगर में 1 सांढ, 15 गोमाताएं, 27 बछियाएं, 3 बछड़े पाले जा रहे हैं.

श्री वल्लभाचार्य जी मार्ग

द्वारका में श्री वल्लभाचार्य जी मार्ग पर श्री नटवरगोपाल जी की हवेली मौजूद है जिसमें वर्तमान में कालिन्दी वहू जी के द्वारा संचालन किया जा रहा है. विशाल क्षेत्र में गोशाला का निर्माण किया गया है. गोवंश की सेवा बहुत ही अच्छी तरह से की जा रही है. गोमाता का दूध भगवान के लिए उपयोग किया जाता है. प्रतिदिन दूध के बहुत सारे नये नये व्यंजन तैयार किये जाते हैं. हर दिन दर्शन करने के लिए बहुत बड़ी संख्या में वै-णव उत्साह के साथ में आते हैं. सुबह लगभग 1 घंटे तक सभी को छाछ की सेवा की जा रही है.

गुंसाई जी की 27 वी बैठक

श्री गुंसाई जी की बैठक जगतदेहेरा के समीप श्रीदाउजी के मंदिर के समीप में है. आप सेवा के अवकाश में बिराजते तब कथा करते थे. दैवी जीवों को बहुत ही सुख मिलता था. श्री गुंसाई जी यहां पर साक्षात बिराज रहे हैं.

श्री गुंसाई जी के दर्शन करने के लिए प्रतिदिन बहुत बड़ी संख्या में वै-णव आते हैं. गुंसाई जी को दूध एवं दूध के व्यंजन बनाकर धराये जाते हैं. नये नये मनोरथ एवं उत्सव मनाये जाते हैं. उदारता के साथ में गोवंश के विकास करने के लिए दान कर रहे हैं.

श्री गुंसाई जी की 28 वी बैठक

श्री द्वारकानाथ जी से विदाइ लेकर आप श्री राम लक्ष्मणजी के मंदिर पर बिराजे हैं. नागजीभाई आम लेकर आये तब आपने कहा कि आम तो द्वारकानाथ के लायक हैं. द्वारकानाथ के आरोगने के बाद हम अंगीकार करेंगे. गोमती जी में स्नान करने के बाद द्वारकानाथ के दर्शन करना.

नागजी भाई द्वारका गये तथा राजभोग के समय में आम का टोकरा पधराया. राजभोग आरती के दर्शन करते समय श्री गुंसाई जी द्वारकानाथ जी को बीड़ा आरोगा रहे हैं ऐसे अदभुत दर्शन हुए. नागजीभाई को बहुत ही आश्चर्य हुआ कि श्री गुंसाई जी यहां पर कब पधारे हैं?

श्री नागजीभाई रामलक्ष्मणजी के मंदिर में द्वारका से वापस आये तब श्री गुंसाई जी भोजन कर बीड़ा आरोग रहे हैं ऐसे दर्शन हुए. श्री गुंसाई जी ने नागजीभाई को पूछा कि द्वारकानाथ के दर्शन कर आयो? नागजीभाई ने कहा कि आप द्वारकानाथ को बीड़ा आरोगाते हैं तथा द्वारकानाथ आपको बीड़ा आरोगा रहे हैं ऐसे अलौकिक दर्शन हुए.

श्री गुंसाई जी ने कहा कि श्री महाप्रभुजी का संबंध श्री द्वारकानाथजी में सदैव बना रहता है. इसलिए हमारा संबंध भी सदा बना रहता है. तेरे आम हम ही आरोगे हैं. श्री गुंसाई जी ने नागजीभाई को आज्ञा की कि झूठन प्रसाद लो. श्री गुंसाई जी नागजीभाई पर बहुत ही प्रसन्न हुए.

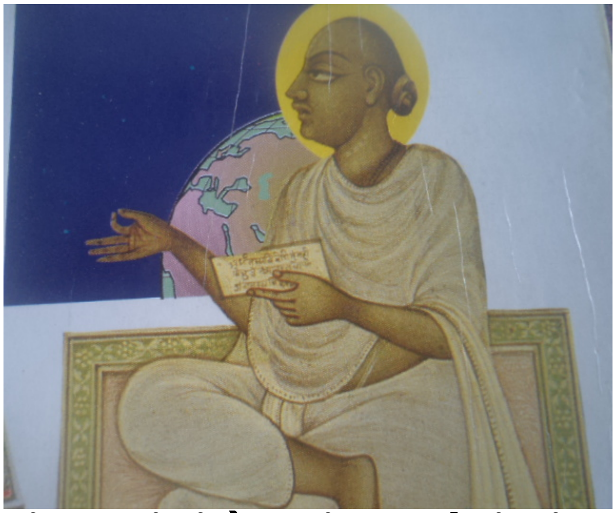

श्री महाप्रभुजी की बैठक हरीकुंड पर गोमती नदी के पास में श्री मनी-।भाई 09974715113, 02892-234825

श्रीनाथजी के मंदिर के द्वारा श्री वल्लभाचार्य जी की 60 वी बैठक का संचालन किया जा रहा हे. श्री महाप्रभु जी की बैठक गोमती जी के किनारे छोकर के नीचे बिराजे हैं. द्वारकानाथ श्री महाप्रभु जी से मिलने के लिए पधारे. महाप्रभु जी ने उठकर प्रणाम किया.

द्वारकानाथ जी ने महाप्रभु जी को चातुर्मास तक रुकने की आज्ञा की. श्री द्वारकानाथ जी ने अपने सेवक गोंविददास ब्रहमचारी को महाप्रभु जी के स्वरुप का ज्ञान करवाते हुए कहा कि महाप्रभु जी पूर्ण पूर-ोत्तम हैं. तुम श्री महाप्रभु जी को यहां पर ले आओ.

श्री महाप्रभु जी ने द्वारकानाथ जी के श्रंगार किये तब सभी को बहुत ही अदभुत दर्शन हुए. द्वारकानाथ जी प्रतिदिन महाप्रभु जी की बैठक में पधारते थे. व-र्ा के समय शे-ानाग जी ने अपनी सहस्त्र फन फैलाकर छाया की थी.

श्री महाप्रभु जी ने प्रबोधनी एवं अन्नकूट किया है. यहां पर अनेकों जीव श्री महाप्रभु जी के पास में आकर सेवक बने हैं.

श्री महाप्रभुजी यहां पर साक्षात बिराज रहे हैं. मुखिया जी के द्वारा यहां पर प्रतिदिन गोमाता के दूध से नये नये व्यंजन तैयार कर आरोगाये जाते हैं. श्री वल्लभाचार्य महाप्रभुजी की बैठक द्वारकाधीश मंदिर के पास में हैं जहां पर वै-णव बहुत बड़ी संख्या में नियमित आते हैं.

गोपीतलाव

गोपीतलाव में श्री महाप्रभु जी से कृ-णदास मेघन ने पूछा कि गोपीतलाव बाजत है इसका क्या कारण है? गोपीजन तो ब्रज में बिराजत है तथा गोपीचंदन यहां पर होता है इसका क्या कारण है? एक बार द्वारकाधीश ने रुक्षमणि के सामने ब्रजजन का बहुत ही बखान किया.

भगवान ने कहा कि जब मैंने वेणुनाद किया तब गोपीजन मेरे पास सब कुछ त्याग कर आयी थी. तुम लोग ऐसा नहीं कर सकती. भगवान ने परीक्षा लेने के लिए गोपीतलाव में आकर वेणुनाद किया तब उग्रसेन आदि यादवों को देखकर संकोच के कारण 16108 रानियां भगवान के पास नहीं पहुंच पायी.

वेणुनाद सुनकर कुमारिकाओं के युथ के युथ भगवान के पास पहुंच गयी तथा भगवान के साथ में रमण किया तथा लीला में प्रवेश किया. यह सुनकर कृ-णदास मेघन ने विनंती कि हमें भी रास के दर्शन करवायें. दिव्य चक्षु के कारण संपूर्ण लीला के दर्शन हुए.

द्वारका से आप यहां पर पधारे हैं. गोपीतलाव में श्री महाप्रभु जी साक्षात बिराज रहे हैं. गोपीतलाव में श्री महाप्रभुजी की 61 वी बैठक जी मौजूद है. श्री महाप्रभु जी ने यहां पर श्रीमद भागवत सप्ताह की. सभी को बहुत ही आनंद हुआ.

गोवंश के संवर्धन करने के लिए प्रयत्न किया जा रहा है. वर्तमान में 6 गोवंश रखे गये हैं. सन्मुख भेंट की पेटी में गो सेवा की राशि एकत्रित की जा रही है. बाहर से आने वाले वै-णवों के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गयी है. श्री महाप्रभु जी के सिद्धांतों का प्रचार यहां से बहुत ही अच्छी तरह से किया जा रहा है.

श्री गोविंदभाई मुखिया जी गोमाता के दूध से तैयार छाछ सभी को भरपेट पिला रहे हैं. गोपीतलाव में गोपियों के सदेह समाने के कारण ही प्राचीन समय से यहां पर हर दिन हजारों की संख्या में दर्शन करने के लिए यात्री आते रहते हैं.

शंखोद्धार

श्री महाप्रभुजी की 62 वी बैठक शंखोद्धारकुंड पर बेट द्वारका श्री रतीभाई 09427774053, मुखिया जी श्री

अतुलभाई 09974841500

गोपीतलाव से पधारकर आप छोकर के वृक्ष के नीचे शखतलैया के किनारे बिराजे. श्री दामोदरदास को आज्ञा की कि भगवान शंखासुर दैत्य को मारने के लिए शंखतलैया में से प्रकट हुए तथा मारने के बाद शंख लिया तथा शंखनारायण के नाम से बिराजते हैं.

आपने शंखतलैया में स्नान किया तथा श्री शंखनारायणजी के दर्शन किये एवं श्रंगार करके भोग धराये. भोग सराकर बीड़ी आरोगायी तथा आरती की. अपनी बैठक में महाप्रभुजी पधारे.

तब श्री शंखनारायण जी श्री आचार्य जी के पास पधारे तथा कहा कि आपने श्री भागवत जी की टीका श्रीसुबोधिनीजी की है उसमें से वेणुगीत को प्रकरण सुनाइये. तब आचार्य जी ने कहा कि एक श्लोक की व्याख्या तीन दिन तक चलेगी.

तीन दिन एवं तीन रात्रि तक श्लोक की व्याख्या की. किसी को भी रसावेश के कारण देह का भान नहीं रहा. तब श्री ठाकुरजी ने श्री आचार्य जी को कहा कि यह बात तो आपसे ही बने.

श्री महाप्रभुजी ने श्रीमद भागवत सप्ताह की. महाअलौकिक आनंद हुआ. नित्य कथा सुनने के लिए श्री शंखनारायण जी आते थे. यहां से नारायण सरोवर पधारे.

श्री गोकुलनाथ जी की 12 वी बैठक

श्री गोकुलनाथजी की बैठक नागजीभाई के घर में गुंसाई जी की बैठक के पास में है. यहां पर वर्तमान में वै-णवों को श्री गोकुलनाथजी साक्षात दर्शन दे रहे हैं. श्री गोकुलनाथजी ने तपेली की तथा श्री गुंसाई जी को भोग धर भोजन किया. श्री गोकुलनाथजी जब गोधरा पधारते तब नागजीभाई के धर में पधारते.

बरड़िया

श्री गुंसाई जी की बैठक

श्री नटवर गोपाल जी के द्वारा बरड़िया की बैठक का संचालन किया जा रहा है. सेवा भावी अधिकारी एवं भीतर भी समर्पित सेवा करने वाले रखे गये हैं. वर्तमान में कालिन्दी वहू जी के द्वारा बरड़िया की बैठक का संचालन किया जा रहा है. बरड़िया में श्री गुंसाई जी साक्षात बिराज रहे हैं. श्री गुंसाई जी की बैठक बरड़िया में है जहां पर प्रतिदिन 200 वै-णव दर्शन करने के लिए आते हैं. बाहर से आने वाले वै-णवों के लिए 60 रु. न्यौछावर देकर महाप्रसाद की व्यवस्था है. गोवंश के विकास करने के लिए प्रयत्न किया जा रहा है.

पाटण जिला

पाटण

पाटण पांजरापोल

डाकघर पाटण ने 343 गायें, 100 बछियाएं, 113 बछड़े, 163 बैल, 896 अन्य कुल 1615 गोवंश रखे गये हैं.

पंचगव्य

मोबाइल 09714805449 में विश्व की सबसे बड़ी गोशाला पथमेड़ा में पृथ्वीमेड़ा पंचगव्य उत्पादन प्रा. लि. के द्वारा निर्मित सभी वस्तुएं उपलब्ध हैं.

तालुका समी

समी पांजरापोल

डाकधर समी, जिला पाटण ने 126 गायें, 170 बछियाएं, 170 बछड़े, 94 अन्य कुल 560 गोवंश रखे गये हैं.

श्री पंचासर महाजन पांजरापोल

डाकधर पंचासर, तालुका समी, जिला पाटण दूरभा-ा 02733-272442 ने 3 नंदी, 23 गायें, 40 बछियाएं, 68 बछड़े, 1 बैल, 72 अन्य कुल 207 गोवंश रखे गये हैं.

श्री मुजपुर खोडाढोर पांजरापोल

डाकघर मुजपुर, तालुका समी, जिला पाटण 02733-281212 ने 69 गायें, 26 बछियाएं, 11 बछड़े, 7 बैल, 27 अन्य कुल 140 गोवंश रखे हैं.

गोधाणा गौशाला

व्यवस्थापक दूरभा-ा 02746-277186 के द्वारा 12 नंदी, 488 गायें, 436 बछियाएं, 397 बछड़े, 88 बैल कुल 1421 गोवंश रखकर स्वावलंबन करने के लिए संगठित प्रयत्न चल रहा है.

जीलवाणा

सहजानंद गुरुकुल गौशाला

1 नंदी, 35 गायें, 12 बछियाएं, 16 बछड़े कुल 64 गोवंश रखे गये हैं.

श्री समी गोसेवा मंडल

25 सितम्बर 1956 को श्री समी गौसेवा मंडल मुकाम समी जिला पाटन 384245 में पूज्य स्वर्गीय श्री शुक्ल जी, परम पूज्य स्वर्गीय श्री गीरजाशंकर महाराज के द्वारा कामधेनु की सेवा करने के लिए 28 बीघा भूमि पर प्रारम्भ कर चुके हैं.

पुरानी गोशाला का जीड़ोद्धार कर जंगल में नवीन गोशाला का निर्माण करने का विचार कर रहे हैं.

450 पेड़ लगाकर 20 बीघा भूमि पर चारा उगा रहे हैं. कपास तथा ज्वार की उपज हो रही है.

विश्व हिंदू परि-ाद के 60 सदस्यों के साथ में मिलकर तथा 70 सहयोगियों के साथ में विश्व में क्रांतिकारी परिवर्तन करने के लिए गो कथा पूरे गुजरात में श्री लाभशंकर राजगोर मोबाइल 9428753284 कर रहे हैं.

श्री लाभशंकर जी अध्यक्ष अपने पिता के कार्य को 80 गोवंश के साथ में आत्मनिर्भर भारत के निर्माण करने के लिए 6,94,232 रु. प्राप्त कर 7 लाख 92 हजार 212 रु. का खर्च कर वर्तमान में गोबर गैस का निर्माण कर गोबर गैस स्लरी का उपयोग खेती में करने के लिए प्रयत्नशील हैं. पंचगव्य उत्पाद प्रारम्भिक स्तर पर कर पंचगव्य का बाजार ढूंढ रहे हैं.

तालुका चाणस्मा

चाणस्मा

चाणस्मा महाजन पांजरापोल

डाकघर चाणस्मा, जिला पाटण ने 149 गायें, 100 बछियाएं, 93 बछड़े, 13 बैल, 306 अन्य कुल 661 गोवंश रखे गये हैं.

जीलिया

आदर्श गौशाला

गांधी आश्रम व्यवस्थापक 02734-288570, 288571, 288347 के द्वारा 7 गायें, 7 बछियाएं, 2 बछड़े कुल 16 गोवंश हैं. नंदी नहीं हैं.

सिद्धपुर

सिद्धपुर मोक्ष के लिए प्राचीन समय से भारत में सबसे अधिक लोकप्रिय है. वर्तमान में सिद्धपुर भारत में पुरु-ाों के श्राद्ध के लिए गया के समान ही महिलाओं के तर्पण के लिए विश्व में प्रसिद्ध है. सिद्धपुर में भगवान कपिल के द्वारा अपनी माता देवहुति को मोक्ष प्रदान किया गया है. माता देवहुति के मोक्ष मिलने पर बिंदु सरोवर में

स्नान करने की परम्परा चल रही है.

महाराजा के नाम पर ही गुजरात की नगरी सिद्धपुर नाम रखा गया है. महाराजा ने ब्राहमणों के लिए विशे-ा सुविधाओं को उपलब्ध करवाया था. महाराजा ने सिद्धपुर को विकसित करने के लिए भगवान श्री महादेव जी का भव्य मंदिर बनवाया था.

ब्राहमणों के द्वारा गोवंश के संवर्धन करने के लिए यजमानों से कर्मकांड करते समय पंचगव्य पर पूरा जोर दिया जाता है.

साहित्य वर्तुल

सिद्धपुर में मुख्य पुजारी के बड़े सुपुत्र श्री अनन्त जी शुक्ल मोबाइल 9974052989 के द्वारा साहित्य वर्तुल के अंर्तगत गोवंश संवर्धन करने के लिए पूरे भारत से प्रवक्ताओं को रुकने तथा आने जाने का खर्च देकर आंमत्रित किया जाता है.

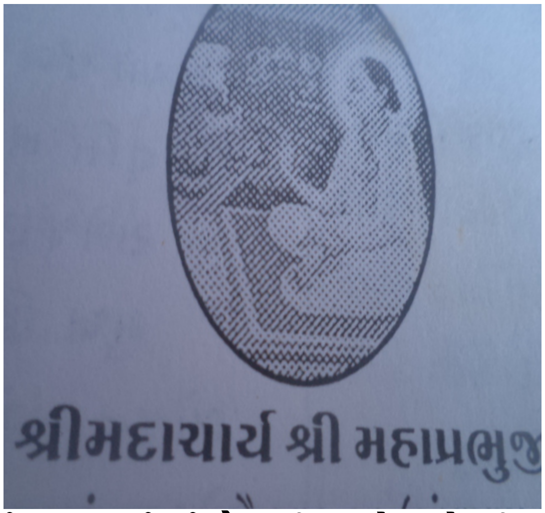

श्री महाप्रभु जी की बैठक बिंदु सरोवर रोड जिला पाटण मुखिया जी श्री मनोजभाई 09879079705, 0990404021415

श्री महाप्रभु जी खेरालू से सिद्धपुर पधारे थे. यहां पर आपने दामोदरदास जी को आज्ञा की कि यह कदम ऋ-ि का आश्रम यहां पर है. यहां पर श्री कपिलदेवजी ने अपनी माता देवहुतिजी को सांख्ययोग का उपदेश दिया था जिससे श्री देवहुतिजी जलरुप होकर बिंदु सरोवर में प्रवेश किया. ऐसा कहिके श्री महाप्रभुजी ने नित्य नियम के बाद में बिंदु सरोवर में स्नान किया था.

यहां पर श्री महाप्रभुजी ने श्रीमद भागवत सप्ताह की थी. बहुत ही अनिर्वचनीय सुख भया. मायावादियों ने तब सुनी कि यहां पर श्री महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य जी पधारे हैं तथा पूर्व, पश्चिम, उत्तर एवं दक्षिण इन चारों दिशाओं में दिग्विजय करिके मायामत का खंडन कर भक्ति मार्ग को स्थापन कियो है. सो साक्षात ईश्वर को अवतार सुने हैं. ईश्वर बिना इतनु कार्य न होय तातें आपुन सब मिलीके चलो चर्चा करेंगे और जो कदाचित हारि जायेंगे तो विनकी शरण जायेंगे.

दसपांच पंडित मिलिके श्री आचार्य जी के दर्शन को आये. नमस्कार करिके सन्मुख बैठे. तब चर्चा भई सो क्षण में आपने सब मायावादिन को निरुत्तर करिके ब्रहमवाद को स्थापन किए. तब सिद्धपुर में जयजयकार हुई. एसे महात्म्य देखकर अनेक जीव आपकी शरण में आये. बाद में आप यहां से अंवतिकापुरी के लिए विजय किये.

84 बैठकों में से 72 वी बैठक होने के कारण वै-णव श्री महाप्रभुजी के साक्षात दर्शन करने के लिए आते रहते हैं.

सिद्धपुर महाजन पांजरापोल

डाकधर सिद्धपुर, जिला पाटण ने 5 नंदी, 220 गायें, 100 बछियाएं, 70 बछड़े, 10 बैल, 104 अन्य कुल 509 गोवंश रखे हैं.

कामधेनु सेवा

परमपूज्य डोंगरेजी महाराज लालन गोशाला लालन सरस्वतीधाम, सिकोलर माता मंदिर के पीछे, पसवादल पोल के बाहर, सिद्धपुर 384151 02767-221632, 226739 में रा-द्रीय स्वयंसेवक संघ के श्री लालजी भाई के द्वारा 2 नंदी, 21 गायें, 25 बछियाएं, 6 बछड़े, 6 बैल कुल 60 गोवंश रखकर आदर्श गौशाला बनाने के लिए संगठित स्तर पर गोवंश को स्वावलंबी बनाने तथा नस्ल सुधार करने पर पूरा जोर दिया गया है.

गाय माता का धी संतों को दिया जाता है. श्री लालजी भाई ब्रहमचारी हें तथा पूरे भारत में सक्रिय रहकर स्वदेशी जागरण मंच तथा बहुत सारे संगठनों के माध्यम से संपूर्ण परिवर्तन करने के लिए गुजरात गो सेवा आयोग से

पंजीकृत करवाकर पंचगव्य पर अनुसंधान कर एडस को पूरी तरह से दूर करने के लिए कार्य किया जाता है.

अहमदाबाद जिला

पाटडी पांजरापोल

डाकघर पाटडी, जिला अहमदाबाद दूरभा-ा 02757-233138 ने 3 नंदी, 79 गायें, 31 बछियाएं, 42 बछड़े, 19 बैल 25 अन्य कुल 199 गोवंश हैं.

बारोज पांजरापोल

डाकघर बारोज, तालुका दशकोई, जिला अहमदाबाद ने 1 नंदी, 25 गायें, 10 बछियाएं, 15 बछड़े, 9 बैल, 17 अन्य कुल 77 गोवंश हैं.

पार्श्वमेरुधाम पांजरापोल

डाकघर लोलीया तालुका धोडका जिला अहमदाबाद ने 2 नंदी, 90 गाये, 14 बछियाएं, 4 बछड़े कुल 110 गोवंश रखे हैं.

धंधुका

तगड़ी

श्री महाप्रभुजी की 68 वी बैठक तालुका धंधुका जिला अहमदाबाद 07933-232522, 232621

वर्तमान समय में विशाल भूमि पर श्री महाप्रभुजी की बहुत ही सुंदर बैठक है. वर्तमान में भी वै-णवों को यह बैठक दर्शन करने के लिए आकर्-ित करती है. अलौकिक स्थान में विशाल होल में विवाह आदि लौकिक प्रसंग अच्छी तरह से सम्पन्न होते हैं.

एकांत में बैठक रहने के कारण ही वै-णवों को अपार आनन्द मिलता है. बाहर से आने वाले वै-णवों के लिए महाप्रसाद की बहुत ही उत्तम व्यवस्था की गयी है.

गुप्तप्रयाग से पधारकर शीतकाल के दिनों में आप एक ब्राहमण के सुंदर चोतरा पर तगड़ी में बिराजे हैं और रात्रि में वहीं पर विश्राम किया. प्रातःकाल के समय ब्राहमण की स्त्री मथन कर जल भरने के लिए कुएं पर गयी थी तब ब्राहमण के 7 एवं 5 साल के बालकों ने मां की अनुपस्थिति में गायों के ताजे माखन को सीधा ही मथनिया में से खाया जिसे देखकर ब्राहमण को अपार प्रेम उत्पन्न हुआ तथा बालकों में कृ-ण बलराम का भाव उत्पन्न हुआ.

ब्राहमण ने आचार्य जी को सा-टांग दंडवत कर अंदर पधारने की विनंति की. आचार्य जी के सेवकों को अदभुत दिव्य लीला के दर्शन हुए. लीला के चारों जीवों ब्राहमण, उसकी पत्नी तथा दोनों बच्चों पर कृपादृ-टि कर अपनी शरण में लिया. चारों को लीला में प्राप्त करवाया. यहां पर आपने श्रीमद भागवत सप्ताह की है. यहां से आप नरोडा पधारे.

श्री खोडाढोर पांजरापोल

डाकघर धंधुका जिला अहमदाबाद ने 4 नंदी, 570 गायें, 226 बछियाएं, 136 बछड़े, 43 बैल, 859 अन्य कुल 1838 गोवंश रखे गये हैं.

विरमगाम

श्री विरमगाम खोडाढोर पांजरापोल

डाकधर विरमगाम जिला अहमदाबाद ने 410 गायें, 171 बछियाएं, 127 बछड़े, 25 बैल, 811 अन्य कुल 1544 गोवंश रखे गये हैं.

मांडल

श्री मांडल महाजन पांजरापोल

डाकघर मांडल तालुका विरमगाम जिला अहमदाबाद ने 828 गायें, 870 बछियाएं, 838 बछड़े, 411 अन्य कुल 2877 गोवंश रखे गये हैं.

श्री कोठ पांजरापोल

डाकघर कोठ तालुका धोडका जिला अहमदाबाद दूरभा-ा 02714-242288 ने 108 गायें, 20 बछियाएं, 20 बछड़े, 21 बैल, 102 अन्य कुल 271 गोवंश रखे गये हैं.

बरवाडा

बरवाडा पांजरापोल

बरवाडा जिला अहमदाबाद ने 60 गायें, 203 बछियाएं, 27 अन्य कुल 493 गोवंश रखे गये हैं.

धोलेरा पांजरापोल

डाकधर धोलेरा जिला अहमदाबाद दूरभा-ा 02713-234353 ने 13 नंदी, 168 गायें, 64 बछियाएं, 97 बछड़े, 13 बैल, 160 अन्य कुल 515 गोवंश रखे गये हैं.

श्री राणपुर पांजरापोल ट्रस्ट

डाकघर राणपुर, जिला अहमदाबाद दूरभा-ा

02711-238400 ने 4 नंदी, 137 गायें, 21 बछियाएं, 80 बछड़े, 16 बैल, 97 अन्य कुल 455 गोवंश रखे गये हैं.

बावडा धर्मादा संस्था ट्रस्ट पांजरापोल

डाकधर बावडा जिला अहमदाबाद दूरभा-ा 02714-232640 ने 1 नंदी, 20 गायें, 7 बछियाएं, 5 बछड़े, 3 बैल, 48 अन्य कुल 84 गोवंश रखे गये हैं.

श्री सदगुरु भाणसाहेब गौशाला चेरिटेबल ट्रस्ट

डाकघर कमीजला तालुका विरमगाम जिला अहमदाबाद दूरभा-ा 02715-257115 ने 1 नंदी, 20 गायें, 4 बछियाएं, 4 बछड़े कुल 29 गोवंश रखे हैं.

साणंद

शेठ आणंदजी कुशलचंदजी

खोडाढोर पांजरापोल संस्था डाकधर साणंद जिला अहमदाबाद दूरभा-ा 02717-222148 ने 24 नंदी, 120 गायें, 66 बछियाएं, 5 बछड़े, 11 बैल, 56 अन्य कुल गोवंश रखे गये हैं.

गौसेवा सदन गौशाला डाकधर साणंद जिला अहमदाबाद 02717-222115 ने 2 नंदी, 35 गायें, 6 बछियाएं, 5 बछड़े, 1 बैल कुल 49 गोवंश रखे हैं.

धोडका

श्री तेजपाल वस्तुपाल जैन चेरीटी गौशाला ट्रस्ट

कलीकुंड जैन मंदिर डाकधर धोडका जिला अहमदाबाद 02714-225738 ने 23 नंदी, 84 गायें, 111 बछियाएं, 37 बछड़े, 1 बैल कुल 256 गोवंश रखे हें.

स्वामीनारायण मंदिर गौशाला

डाकघर धोडका जिला अहमदाबाद दूरभा-ा 222259 ने 1 नंदी, 14 गायें, 14 बछियाएं, 8 बछड़े, 1 बैल कुल 38 गोवंश रखे हैं.

धोलका खोडाढोर पांजरापोल संस्था

डाकघर धोलका जिला अहमदाबाद दूरभा-ा 02714-221754, 221824 ने 10 नंदी, 32 गायें, 21 बछियाएं, 27 बछड़े, 6 बैल, 34 अन्य कुल 130 गोवंश रखे गये हैं.

श्री स्वामी हरिहरानंद गौशाला ट्रस्ट

डाकधर पसुंज, तालुका दसकोई, जिला अहमदाबाद दूरभा-ा 02718-252223 ने 1 नंदी, 10 गायें, 10 बछियाएं, 3 बछड़े, 2 बैल कुल 26 गोवंश रखे हैं.

मगजरी फार्म गौशाला

डाकघर नानोदरा, तालुका बावडा, जिला अहमदाबाद दूरभा-ा 02714-264233 ने 36 गायें, 31 बछियाएं, 14 बछड़े, 7 बैल कुल 88 गोवंश रखे हैं.

जय गोपाल गोशाला

डाकधर धोलेराबंदर, तालुका धंधुका, जिला अहमदाबाद 02713-234041, 234253 ने 9 गायें, 124 बैल कुल 133 गोवंश रखे हैं.

अमरधाम लालगेबी आश्रम

उाकधर हाथीजण, तालुका दशकोई, जिला अहमदाबाद दूरभा-ा 079-25842786 ने 4 नंदी, 371 गायें, 60 बछियाएं, 23 बछड़ा कुल 458 गोवंश रखे हैं.

नवजीवन गौशाला

डाकघर ओतारिआ, तालुका धंधुका, जिला अहमदाबाद दूरभा-ा 02713-228157 ने 2 नंदी, 18 गायें, 18 बछियाएं, 6 बछड़े कुल 44 गोवंश रखे हैं.

सारंगपुर

बोचासणवासी अक्षरपुरु-गोत्तम मंदिर गौशाला

डाकघर सारंगपुर तालुका बरवाडा जिला अहमदाबाद दूरभा-ा 02849-251000, 252000 ने 12 नंदी, 65 गायें, 68 बछियाएं, 34 बछड़े, 4 बैल कुल 183 गोवंश रखे हैं.

श्री क-टभंजन देव हनुमानजी मंदिर गौशाला ट्रस्ट

डाकघर सारंगपुर, तालुका बरवाडा जिला अहमदाबाद दूरभा-ा 02879-255555, 283655 ने 2 नंदी, 34 गायें, 20 बछियाएं, 17 बछड़े, 4 बैल कुल 77 गोवंश रखे हैं.

कुंडल

स्वामीनारायण मंदिर फेडण गौशाला

डाकघर कुंडल, तालुका बरवाडा, जिला अहमदाबाद ने 1 नंदी, 20 गायें, 7 बछियाएं, 5 बछड़े कुल 33 गोवंश रखे हैं.

सूर्यनारायण देव मंदिर गौशाला

डाकघर कुंडल, तालुका बरवाडा, जिला अहमदाबाद ने 1

नंदी, 15 गायें, 9 बछियाएं, 7 बछड़े कुल 32 गोवंश रखे गये हैं.

सदगुरु गिरनारी विश्व मंगल ट्रस्ट

डाकधर अशोकनगर, तालुका देत्रोज, जिला अहमदाबाद ने 1 नंदी, 47 गायें, 14 बछियाएं, 9 बछड़े, 4 बैल कुल 75 गोवंश रखे हैं.

श्री कृ-ण सखाधाम ट्रस्ट

संचालित श्री गोपाल गौशाला डाकघर गांगड, तालुका बावडा, जिला अहमदाबाद मोबाइल 9825329400 ने 1 नंदी, 25 गायें, 8 बछियाएं, 10 बछड़े कुल 44 गोवंश रखे गये हैं.

सरखेज

भारती आश्रम सेवा ट्रस्ट गौशाला

रेल्वे स्टेशन के सामने, डाकघर सरखेज, जिला अहमदाबाद दूरभा-ा 079-26820575 ने 1 नंदी, 19 गायें, 10 बछियाएं, 6 बछड़े कुल 36 गोवंश रखे हैं.

थलतेज

शांतिनाथ महादेव गौशाला

कैलास टेकरी, उाकधर थलतेज जिला अहमदाबाद 079-26859483 ने 3 नंदी, 25 गायें, 8 बछियाएं, 6 बछड़े कुल 42 गोवंश रखे हैं.

श्री पुरु-ोत्तम लालजी सदानंद ट्रस्ट गौशाला

डाकधर धुमा, तालुका दशकोइ, जिला अहमदाबाद दूरभा-ा 02717-237502 मोबाइल 9879770732 ने 35 गायें, 15 बछियाएं कुल 50 गोवंश रखे हैं.

श्री स्वामीनारायण मंदिर गौशाला

धोलेरा, तालुका धंधुका, जिला अहमदाबाद ने 2 नंदी, 25 गायें, 10 बछियाएं, 10 बछड़े, 18 अन्य कुल 65 गोवंश हैं.

संत विनोबा ग्राम स्वराज्य आश्रम गोशाला

12 जून 1985 को 4 एकड़ भूमि पर श्री बंसीलाल त्रीकमलाल पटेल मेनेजिंग ट्रस्टी मोबाइल 9374162766 संत विनोबा ग्राम स्वराज्य आश्रम गोशाला मुकाम कापिठा तालुका बापला जिला अहमदाबाद 382260 52 गोवंश रखकर 7 कर्मचारी तथा 5 सदस्यों के साथ में 12,11,253 रु. प्राप्त कर 20 पेड़ लगाकर खाद बना रहे हैं.

रामपुरा पांजरापोल संस्था

चीनुभाई एच. शानू मोबाइल 9820044336, प्रवीनभाई ए. शाह 9825924025 रामपुरा पांजरापोल संस्था मुकाम डाकघर रामपुरा तहसील क्षेत्रोज, जिला अहमदाबाद गुजरात दूरभा-ा 727351, 254218 142 एकड़ भूमि पर 522 गोवंश की सेवा 50 लाख खर्च कर 15 कर्मचारी तथा 9 सहयोगी एवं 7 सदस्यों के साथ में मिलकर कर रहे हैं.

गोबर किसानों को खेती करने के लिए देते हैं. गोमूत्र का उपयोग नहीं कर रहे हैं.

मैदान क्षेत्र में पांजरापोल में होने के कारण दान बहुत ही कम आता है.

अहमदाबाद

अहमदशाह अबदाली के द्वारा नगर बसाने के कारण वर्तमान में अहमदाबाद के नाम से जाना जाता है. अहमदाबाद में व्यापार तथा उद्योगों के कारण सम्पन्नता चरम सीमा पर है.

अहमदाबाद का मूल नाम कर्णावती है. वर्तमान में गुजरात में राजधानी से लगा रहने के कारण अहमदाबाद का महत्व सबसे अधिक है.

कामधेनु परिवार

2008 तक श्री सी. एल. भाटी गुजरात एग्रो इंडस्ट्रीज कोरपोरेशन लिमिटेड खेत उद्योग भवन पुराने हाई कोर्ट के सामने नवरंगपुरा अहमदाबाद गुजरात के द्वारा 98 प्रतिशत कार्यरत 4 लाख पारिवारिक गोबर गैस संयंत्र लगाये गये हैं.

कामधेनु साहित्य

एक वीसीडी भी गुजराती में गोबर गैस के महत्व के लिए तैयार की गयी है. एक पुस्तिका भी गुजराती में प्रकाशित की गयी है. पूरे गुजरात में सभी जिलों में पारिवारिक गोबर गैस के लगाने के लिए केंद्र बनाये गये है. 150 कर्मचारियों के द्वारा लगाये गये पारिवारिक गोबर गैस संयंत्र की मोनीटरिंग करनी आवश्यक है. बंद हो गये गोबर गैस संयंत्र को एक बार फिर से प्रारम्भ करने के लिए ध्यान देना आवश्यक है.

पंचगव्य केंद्र

पथमेड़ा के सभी उत्पाद रसगुल्ले, पेड़े, पंचगव्य महो-ाधियां, वर्तमान में सन्यास आश्रम के सामने 16 अक्तूबर 2012 से उपलब्ध हैं.

आंबावाडी

पांजरापोल

पांजरापोल में लंबे समय से गोवंश की सेवा बहुत ही अच्छी तरह से चल रही है.

न्यू क्लोथ मार्केट

कामधेनु घी

श्री सुनील अग्रवाल जी मोबाइल 9879061166 जलुराम टेक्सटाइल मिल्स, 95, न्यू क्लोथ मार्केअ, अहमदाबाद 380002 दूरभा-ा 66301610, 22171463, 32999909 भाभर से गाय का घी उपलब्ध करवा रहे हैं.

उसमानपुरा

ऋ-ि आयुर्विज्ञान

श्री दुर्लभ भाई गोरिया मोबाइल 9824501608 ऋ-ि पंचमी 2010 को गोवंश के महत्व को हर व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए 3 मेघव-र्ा अपार्टमेंट उसमानपुरा अहमदाबाद में ऋ-ि आयुर्विज्ञान की नीव रखी गयी है. पातंजली योग, प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद के द्वारा असाध्य रोग पूरी तरह से अच्छा करने के लिए पूरे विश्व के चिकित्सकों के साथ में तालमेल बना है.

भवि-य में उनके सुपुत्र जामनगर से आयुर्वेद में स्नातक के द्वारा संचालित किया जायेगा.

आर्यवैद्यशाला की पंचगव्य महो-ाधियां उपचार करने के लिए उपयोग की जा रही हैं. आर्यवैद्यशाला की बहुत ही लोकप्रिय धारा चिकित्सा की सुविधा है.

श्री दुर्लभ भाई के द्वारा 49 सालों के अनुभव के आधार पर जीवन जीने की कला से लोगों को परिचित किया गया है.

असाध्य रोगों में हर प्रकार के कैंसर को पूरी तरह से दूर करने के लिए ऐलोपेथी के खतरनाक परिणामों के कारण निराश लोगों को गोवंश के वैज्ञानिक महत्व को पंचगव्य महो-ाधियों के माध्यम से सफल प्रयत्न किया गया है.

नरोडा

श्री नरोडा महाजन परबडी पांजरापोल

मुकाम नरोडा अहमदाबाद में 45 गायें, 20 बछियाएं, 18 बछड़े, 36 अन्य कुल 119 गोवंश हैं.

पंचगव्य

निकोल नरोडा मोबाइल 09328858503 पर विश्व की सबसे बड़ी गोशाला पथमेड़ा राजस्थान में पृथ्वीमेड़ा

पंचगव्य उत्पादन प्रा. लि. के द्वारा निर्मित सभी वस्तुएं उपलब्ध हैं.

श्री महाप्रभु जी की बैठक श्री वल्लभाचार्य चौक,
श्री वल्लभाचार्य मार्ग श्री राजूभाई 079-22831344

श्री महाप्रभु जी की बैठक नरोडा में गोपालदास के घर में है. श्री महाप्रभुजी की बैठक नरोडा में मुख्य मार्ग पर ही स्थित है. यहां पर श्री गुंसाई जी की बैठक भी महाप्रभुजी के पास में है. गोपालदास को श्री महाप्रभुजी ने श्यामलाल जी का स्वरुप पधरा दिया था जो गोस्वामी श्री रणछोडलालजी के माथे बिराज रहे हैं. वर्तमान में गोस्वामी श्री तिलक बावा श्यामलाल जी की सेवा डोशीवारा की पोल में कर रहे हैं.

एक बार गोपालदास उदर निर्वाह करने के लिए बाहर गये थे. श्री महाप्रभुजी उस समय गोपालदास के घर में पधारे. श्री महाप्रभुजी ने गोपालदास के पुत्र से पूछा कि गोपालदास कहां गये हैं?

पुत्र ने कहा कि पिताजी भगवान के काम से कही पर गये हैं. श्री महाप्रभुजी को पेट को भगवान के साथ में जोड़ने पर यह बात अच्छी नहीं लगी. मुखरता दो-ा बहुत बड़ा अपराध है.

श्री महाप्रभुजी ने विचार किया कि यहां पर रहना उचित नहीं है. गोपालदास के आने के बाद गोपालदास क्या जवाब देता है ऐसा सोचकर गोपालदास के आने की राह देखने लगे. गोपालदास के आने पर पूछा कि कहां गये थे? गोपालदास ने कहा कि पेट लगा हुआ है इसलिए काम से गया था.

गोपालदास को श्रीनाथजी सानुभाव जताते थे. एक बार गोपालदास श्रीनाथजी के दर्शन करने के लिए गये थे. साथ में सेवक था. बुखार आने के कारण दो चार दिनों का लंघन हुआ था. रात्रि के समय में बहुत तेज प्यास लगने के कारण सेवक ने जल मांगा.

सेवक सो जाने के कारण सुन नहीं पाया. श्रीनाथजी से सहन नहीं हुआ. श्रीनाथजी स्वयं गोपालदास के पास में आये तथा श्रीनाथजी ने झारी लेकर गोपालदास को जल पिलाया तथा झारी वहीं पर रख दी. गोपालदास को महाप्रभु जी के स्वरुपानंद का अनुभव करवाये हैं.

गोपालदास श्री महाप्रभु जी की बधाई एवं चोखडा बहुत ही किए हैं. श्री महाप्रभु जी यहां पर साक्षात बिराज रहे हैं. श्री महाप्रभु जी ने श्रीमद भागवत सप्ताह कर नरोडा में आनंद का वातावरण उत्पन्न किया है.

गोपालदास को श्री महाप्रभुजी ने नाम मंत्र देने के लिए आज्ञा की थी. एक बार श्री गुंसाई जी नरोडा पधारे थे. गांव के बाहर आपने मुकाम किया था.

गोपालदास उत्थापन के समय में श्री गुंसाई जी के दर्शन करने के लिए गये. वै-णव श्री गुंसाई जी के पास में बेठे थे. श्री गुंसाई जी के पास से वै-णवों को नाममंत्र लेना था लेकिन गोपालदास ने वै-णवों को अपने घर में नाममंत्र देने के लिए कहा.

श्री गुंसाई जी के रहने पर भी स्वयं नाम मंत्र देने की बात करने पर सेवक भाव में से स्वामी बनने का अहंकार उत्पन्न हुआ है. गोपालदास नाम मंत्र तो एक ही है मैं दू तो क्या फरक पड़ जायेगा ऐसा विचार करते थे. गोपालदास ने जिनको भी नाममंत्र दिये थे श्री गुंसाई जी उनको गंगोज यानी गंगाजी से अलग कहते थे.

श्री गुंसाई जी ने वै-णवों को नाममंत्र दिया. श्री गुसाई जी ने गोपालदास को कहा कि जितने लोगों ने तुमसे नाममंत्र लिया है वे हमारे कभी नहीं होंगे.

बहुत ही विशाल भूमि पर नरोडा में गोस्वामी श्री द्वारकेश जी के नेतृत्व में श्री महाप्रभु जी की सेवा बहुत ही सुंदर ढंग से की जा रही है. गोमाता के दूध से उत्सव तथा मनोरथ बहुत बड़ी संख्या में प्रतिदिन वै-णवों के द्वारा किया जाता है.

बाहर से आने वाले वै-णवों को गोमाता के दूध से

बने व्यंजन महाप्रसाद की पातल में दिये जाते हैं. वै-णवों के द्वारा गोवंश के विकास करने के लिए बहुत ही उदारता के साथ में धन दिया जाता है. गोशाला बहुत ही सुंदर ढंग से राजू भाई के द्वारा संचालित की जा रही है.

असरवा

नीलकंठ अखाड़ा ट्रस्ट

नीलकंठ महादेव, असारवा, अहमदाबाद 079–22169032 ने 2 नंदी, 24 गायें, 19 बछियाएं कुल 45 गोवंश हैं.

श्री गुंसाई जी की 23 वी बैठक

श्री गुंसाई जी राजनगर में असरवा में पधारकर भाइला कोठारी के यहां पर बिराजे हैं. अनेक जीव श्री गुंसाई जी की शरण मे आये हैं. श्री गुंसाई जी की बैठक में जो कोई भी आता है उसकी बुद्धि निर्मल हो जाती है. हाकिम ने श्री गुंसाई जी का अलौकिक प्रभाव देखा तो कहा कि तुम तो साक्षात ईश्वर से मुझे लड़वा रहे हो. श्री गुंसाई जी ने कृपाकर मेरा अपराध क्षमा किया है.

जब हाकिम ने चुगलखोर भाट को सजा देने का विचार किया तब श्री गुंसाई जी ने हाकिम को आज्ञा की कि भाट को सजा न देना.

हाकिम ने कहा कि प्रभु की दयालूता का पार नहीं. हाकिम ने भाट को कहा कि तुम को मैं बहुत मार मरवाता लेकिन श्री गुंसाई जी की आज्ञा से छोड़ रहा हूं. जीव की दु-टता का पार नहीं. हाकिम ने भाट को श्री गुंसाई जी के पास में भिजवाया. भाट श्री गुंसाई जी का सेवक बना.

लाछबाई भाट श्री गुंसाई जी की सेवक थी. लाछबाई का भाई हाकिम के पास में रहता था.

उसने हाकिम को चुगली की कि मेरी बहन श्री गोकुल के गुंसाई के पास में असरवा में रहती है तथा घर में नहीं आती है. हाकिम ने कहा कि असरवा चलो.

हाकीम असरवा सवारी पर आया. श्री गुंसाई जी गादी तकिया पर बिराज रहे थे. लाछबाई पंखा की सेवा कर रही थी. वै-णवों ने श्री गुंसाई जी से विनंती की कि हाकिम आया है.

आपने आज्ञा की कि आने दो. हाकिम ने श्री गुंसाई जी को देखकर विचार किया कि आप तो साक्षात ईश्वर हैं. हाकिम ने सा-टांग दंडवत प्रणाम किया.

हाकिम को बहुत सारे चमत्कार दिखाये. हाकिम ने गुंसाई जी से विनंती की कि मैं आपकी शरण में हूं. तब हाकिम ने दस हजार रुपीया भेट किया. गुंसाई जी प्रसादी वस्त्र देने लगे तब हाकिम ने विनंती की कि मुझे ऐसी वस्तु दिजीये जो मस्तक पर धारण की जा सके.

सुपारी प्राप्त कर हाकिम ने पाग में धारण कर हमेशा सम्मान दीया. हाकिम ने सात साल से बारिश न होने पर बारिश करवाने के लिए विनंती की. श्री गुंसाई जी ने कहा कि आप द्वार तक पहुंचोगे तब बहुत ही बारिश में भिग जाओगे. अचानक काली घटा छा जाने से हाकिम के द्वार तक पहुंचने पर बहुत अधिक बारिश हुई.

श्री गुंसाई जी की बैठक बहुत ही विशाल भूमि पर भाइला कोठारी के निवास पर मौजूद है. भाइला कोठारी

हरजी कोठारी कृ-णदास कोठारी तथा जेताकोठारी 4 भाई थे. वर्तमान में भी तीन भाई के तीन घर बैठक में मौजूद हैं. भाइला कोठारी के बिराजकर हरजी कोठारी के घर में रसोई करते थे. कृ-णदास कोठारी के घर विश्राम करते थे. हरजी कोठारी पंडित थे. हरजी कोठारी ने श्री विठठलसहस्त्र नाम का ग्रंथ लिखा है. हरजी कोठारी के मदनमोहन जी श्री गोकुल में गोवर्धनलालजी महाराज के माथे पर बिराज रहे हैं. भाइला कोठारी के यहां पर उनके अंतिम 16 वी पीढ़ी के वंशज लालदास कोठारी थे.

यहां पर श्री गुंसाई जी साक्षात बिराज रहे हैं. वर्तमान में गोस्वामी श्री तिलक जी श्री गुंसाई जी की बैठक का संचालन कर रहे हैं.

श्री गुंसाई जी 4 थी बार जब संवत 1623 में गुजरात पधारे थे तब रुपाल गांव के गोपालदास की सगाई भाइला कोठारी के घर गोमती से हुई थी.

एक दिन गोपालदास का भाइला कोठारी के यहां भोजन करने का अवसर था. गोपालदास को देखकर श्री गुंसाई जी ने पूछा कि यह कौन है? यह तो हमारी गोमती का वर है.

श्री गुंसाई जी ने कहा कि गोमती का वर तो सागर चाहिए. भाइला कोठारी ने कहा कि आपकी कृपा से सागर ही होगा. श्री गुंसाई जी ने विचार किया कि मेरा सेवक भाइला कोठारी है इसलिए इसका वचन सत्य होना चाहिए.

5 साल के गूंगे गोपालदास को अपना चर्वित तांबूल दिया. गोपालदास का ह्रदय निर्मल हो गया. गोपालदास को रासलीला का दर्शन दिन में हुआ. रासलीला रात्रि के समय होती है.

श्री गुंसाई जी के चर्वित तांबूल के कारण गोपालदास ने केदार राग में वल्लभाख्यान गाया गया है. संस्कृत या व्रजभा-ाा के ग्रंथ की गुजराती में टीका की जाती है.

वल्लभाख्यान पहला ऐसा ग्रंथ है जो सरल गुजराती में गाया गया है. वल्लाभाख्यान को वेदवाणी माना गया है. गोस्वामी श्री जीवनेशजी महाराजश्री बड़ी हवेली मुम्बई की वल्लभाख्यान पर टीका प्रसिद्ध की है.

अहमदाबाद के गोस्वामी श्री व्रजरायजी ने वल्लभाख्यान पर 300 पन्नों की टीका संवत 1937 में संस्कृत में प्रकाशित की है. श्री व्रजरायजी ने कितनी दीनता दिखाई है कि अंत में अपने को गोपालदास वै-णव का दास कहा है.

पोरबंदर मथुरा के गोस्वामी श्री रमणलाल जी के द्वारा संस्कृत में वल्लभाख्यान पर टीका प्रकाशित की है. सरल गुजराती में अनुवाद कर एक पुस्तक प्रकाशित की है.

गोपालदास के ह्रदय में श्री गुंसाई जी ने प्रवेश किया तथा जिस प्रकार श्रीमद भागवत जी भगवान ने ह्रदय में प्रवेश कर श्री शुकदेव जी के मुंह से गायी है तथा भागवत जी में राधाजी का नाम नहीं लिया गया है ठीक उसी तरह से वल्लभाख्यान में कहीं पर भी रुक्ष्मणी वहुजी तथा पदमावती वहुजी का नाम नहीं लिया है.

गोपालदास ने पु-टिमार्ग के सभी सिद्धांत नवआख्यान में वर्णन किया है.

श्री गोपालदास जी पूर्व जन्म में विदूर जी, मुचकुन्द राजा, दयाराम भाई, श्री नरसिंह मेहता थे.

गोबर गैस का उपयोग बिजली के लिए किया जाता है. 250 गोवंश की सेवा यहां पर प्रतिदिन वै-णवों के द्वारा उत्साह के साथ में की जा रही है.

श्री गोकुलनाथजी की 13 वी बैठक

श्री गोकुलनाथ जी की बैठक असरवा में भाइला कोठारी के निवास में है. असरवा में बैठक का वर्तमान में संचालन गोस्वामी श्री तिलक आचार्य जी कर रहे हैं. श्री गुंसाई जी की बैठक के पास में ही श्री गोकुलनाथजी की बैठक है.

श्री गोकुलनाथ जी असरवा में साक्षात बिराजकर नित्य दर्शन दे रहे हें. राजनगर जिसे वर्तमान में अहमदाबाद के नाम से जाना जाता है श्री गोकुलनाथ जी का अलौकिक प्रभाव स्प-ट रुप से देखने में आता है.

श्री गोकुलनाथ जी के अनुयायी बहुत बड़ी संख्या में श्री गोकुलनाथ जी का जन्मदिन मनाने के लिए उत्साह के साथ आते हैं. दिवाली के दूसरे दिन नया साल मनाने के लिए तथा जन्मा-टमी में 60,000 वै-णव सुबह 5 बजे से दोपहर 1 बजे तक आते हैं.

श्री गोकुलनाथजी संवत 1646 में गुजरात में

पहली और आखरी बार पधारे हैं. श्री गोकुलनाथजी एक बार ही परदेश पधारे हैं. गुजरात के वै-णवों के उपर अगाध प्रीति रही है. राजनगर में बारभटट ब्राहमण के साथ में वाद किया है. उसको निरुत्तर किया है.

बारह माह तक गुजरात में बिराजकर बहुत सारे वै-णवों का अंगीकार किया है. श्री हरिवंश जी श्री गुंसाई जी के सेवक थे. श्री गुंसाई जी ने चाचा हरिवंश जी को कहा कि श्रीनाथजी का अभिप्राय पु-टिमार्ग का विस्तार करना है.

परदेश में जाकर वै-णवों को आप नाम दो. श्री गुंसाई जी की आज्ञा मिलने पर चाचा श्री हरिवंश जी राजनगर आये थे. जिस तरह से श्री महाप्रभुजी के परम कृपा पात्र दामोदरदास हरसानी जी थे ठीक उसी प्रकार चाचा हरिवंश जी श्री गुंसाई जी के परम कृपा पात्र थे.

चाचा श्री हरिवंश जी पहले से ही राजनगर में बिराज रहे थे. हरिवंशजी को बहुत सारे वै-णवों ने श्री गोकुलनाथजी को पधराने के लिए बार बार विनंती की थी.

श्री गोकुलनाथ जी को पत्र लिखकर असरवा में चाचा हरिवंश जी ने पधारने की विनंती की. श्री गुंसाई जी 6 बार द्वारका पधारते समय यहां पर पधारे हैं. चाचा जी का पत्र मिलने पर तुरन्त ही द्वारका जाने के लिए राजनगर के लिए श्री गोकुलनाथ जी पधारे.

चाचा जी ने गोकुलनाथ जी को सा-टांग दंडवत किया एवं दैवी जीवों को सेवक बनाने के लिए विनंती की. श्री गोकुलनाथ जी ने श्री गुंसाई जी को रसाई कर भोग धरा. दूसरे दिन श्रीमद भागवत सप्ताह का प्रारम्भ किया.

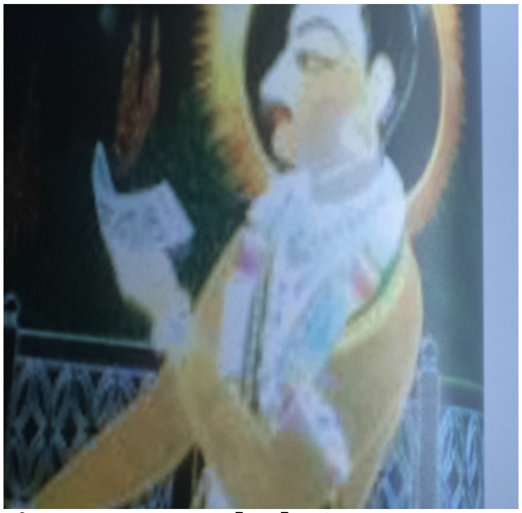

श्रीमद भागवत सुनने के लिए अपार संख्या में वै-णव आये. आपके अदभुत एवं अलौकिक प्रभाव को देखकर महंतों ने भी आपकी बहुत प्रशंसा की है. श्रीमद भागवत सप्ताह का अलौकिक आनंद दूर दूर तक पहुंच गया. यहां से श्री गोकुलनाथजी द्वारका पधारे.

द्वारका जाते समय काठियावाड़ में बिराजकर वै-णवों के मनोरथ पूरे किये हैं. गुजरात के बहुत सारे गांवों में पधारे हैं. द्वारका से वापस लौटते समय राजनगर पधारे. यहां से गोधरा होकर वापस गोकुल पधारे. अनेक जीवों का श्री गोकुलनाथ जी ने उद्धार किया.

व्रजधाम

कामधेनु परिवार

व्रजधाम जगदगुरु श्री वल्लभाचार्य पीठ, व्रजधाम मार्ग, सीमा होल के पास में, श्यामल 100 फीट मार्ग, सेटेलाइट अहमदाबाद 380015 दूरभाश 26930376, 30921300 में विशाल भूमि पर गोस्वामी श्री व्रजेश कुमार जी, गोस्वामी श्री यदुनाथजी, गोस्वामी श्री द्वारकेश जी श्री वल्लभाचार्य जी के सिद्धांतों के आधार पर कामधेनु परिवार तैयार कर चुके हैं.

व्रजधाम में कामधेनु के दूध से व्यंजन तैयार कर प्रतिदिन बहुत ही अच्छी सेवा उत्सवों, महोत्सवों को मनाकर कर रहे हैं.

पूरे विश्व में गोवंश के महत्व को सीापित करने के लिए संकल्पित हैं.

श्री बेचराजी मंदिर गौशाला

भूलाभाई पार्क, गीतामंदिर रोड, अहमदाबाद ने 21 गायें, 11बछियाएं, 1 बछड़ा कुल 33 गोवंश रखे हैं.

वल्लभधाम

कामधेनु कृपा

वल्लभधाम 3, पंचवटी कोलोनी, जयहिंद चार रास्ता के पास में, मणिनगर अहमदाबाद दूरभा-ा 25452424 मोबाइल 9825111377, 9825092498 में गोस्वामी श्री राजेश कुमारजी, गोस्वामी श्री कृ-ण कुमार जी, गोस्वामी श्री कुंजेश कुमार जी, गोस्वामी श्री सानिघ्य कुमार जी श्री वल्लभाचार्य जी के सिद्धांतों के अनुसार श्री वल्लभ की सेवा कर रहे हैं.

दूर दूर से वै-णव बहुत ही उत्साह के साथ में साल भर में प्रतिदिन उत्सवों तथा महोत्सव के दर्शन करने के लिए आते हैं.

गोवंश के महत्व को गुजरात में सीापित करने के लिए रविवार, एकादशी के दिन अपने प्रवचन के माध्यम से समझाते हैं.

वल्लभ सदन

कामधेनु दर्शन

आश्रम रोड पर बहुत ही भव्य ऐश्वर्य के साथ में वल्लभ सदन बनाया गया है जिसमें मंदिर के साथ में वल्लभ आचार्य के मार्गदर्शन में विशाल सत्संग होल में श्री वल्लभाचार्य जी के सिद्धांत के अनुसार गोवंश से जुड़ी हुई बहुत सारी गतिविधियां बहुत ही उत्साह के साथ में साल भर की जाती हैं.

डोसीवारा नी पोल

कामधेनु परिवार

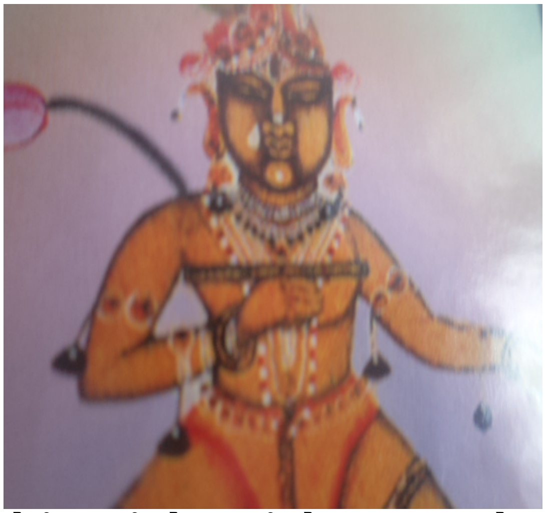

डोसीवारा नी पोल, गांधी रोड अहमदाबाद में बहुत ही प्राचीन मंदिर श्री श्यामलाल नटवरलाल जी का बहुत ही सुंदर गायों के साथ में गोशाला के साथ में विशाल क्षेत्र में बनाया गया है.

वर्तमान में गोस्वामी श्री मधुसूदन जी जिन्हे श्री तिलक बावा जी के नाम से पुकारते हैं गुजरात के वै-णवों के लिए मंदिर संचालित कर रहे हैं.

200 सालों से भी प्राचीन अखंड ज्योत यहां पर गोस्वामी श्री गोपीनाथजी की मौजूद है. मनोकामना पूर्ति के लिए यह ज्योत विश्व में प्रसिद्ध है.

श्री वल्लभ के सिद्धांतों के अनुसार सेवा प्रणालिका है. प्रतिदिन बहुत बड़ी संख्या में भावविभोर होकर दर्शन करने के लिए वै-णव आते हैं.

श्री द्वारकाधीश मंदिर

कामधेनु सेवा

श्री द्वारकाधीश मंदिर ठक्कर बापा नगर इंडिया कोलोनी मार्ग अहमदाबाद में बनाया गया है जिसमें गोस्वामी श्री द्वारकेश जी के मार्गदर्शन में श्री यमुना जी के साथ में सुंदर सेवा की जा रही है.

श्री यमुना जी हवेली

कामधेनु परिवार

श्री यमुनाजी हवेली जीवनवाड़ी निकोल अहमदाबाद में विशाल भूमि पर कामधेनु परिवार श्री वल्लभ के सिद्धांतों पर आधारित है.

श्री द्वारकाधीश मंदिर

कामधेनु परिवार

श्री द्वारकाधीश जी का मंदिर सारंगपुर अहमदाबाद में गोशाला के साथ में विशाल क्षेत्र में मौजूद है. गोस्वामी श्री द्वारकेश जी वड़ोदरा के मार्गदर्शन में सेवा प्रणालिका चल रही है.

कल्याण पु-िट हवेली

कामधेनु दर्शन

कल्याण पु-िट हवेली वस्त्रापुर में विशाल भूमि पर सीापित की गयी है. गोस्वामी श्री द्वारकेश जी वड़ोदरा द्वारा संचालित हवेली में कामधेनु दर्शन श्री वल्लभ के सिद्धांतों पर आधारित है.

श्री बालकृ-णजी का मंदिर

कामधेनु परिवार

श्री बालकृ-ण जी का मंदिर मणिनगर स्टेशन के पास में अहमदाबाद में सीापित है. गोवंश के महत्व को हर वे-णव को समझाने के लिए गोस्वामी आचार्य जी का प्रवचन होता है.

श्री यमुनाजी मंदिर

श्री यमुनाजी मंदिर मणिनगर अहमदाबाद में कामधेनु सेवा श्री वल्लभ के सिद्धांतों के अनुसार चल रहा है.

श्री गोकुलनाथजी का मंदिर

श्री गोकुलनाथजी का मंदिर भैरवनाथ मणिनगर अहमदाबाद में है.

इस्कोन मंदिर

इस्कोन मंदिर के द्वारा बहुत ही संतुलित ढंग से गोशाला का संचालन कठवाड़ा से किया जाता है.

सोला

श्री कृ-णशंकर जी शास्त्री के द्वारा विश्व में भारतीय संस्कृति की रक्षा करने के लिए विशाल भूमि पर श्री भागवत विद्यापीठ कृ-णधाम, सोला अहमदाबाद गुजरात 380060 दूरभा-1 27473839 का निर्माण किया गया है. वर्तमान में श्री भागवत विद्यापीठ के द्वारा शिक्षण, संस्कार, स्वास्थय, संशोधन पर कार्य किया गया है. आचार्य श्री महाप्रभुजी के सिद्धांतों को पूरे विश्व में पहुंचाने के लिए सोला सक्रिय है.

मंत्र बैंक

जीव के जन्म से पांच दो-ों के निवृत करने के लिए पूरे जीवन में साढ़े तीन करोड़ शरण मंत्र जपने आवश्यक हैं. शरणागति का महामंत्र श्री कृ-ण शरणम ममः श्री आचार्य महाप्रभु जी के द्वारा कलियुग में जीव को दिया गया है. कलियुग में निरन्तर मंत्र जपने की आज्ञा श्री महाप्रभुजी ने जीव को की है.

सोला में कलियुग के खतरनाक प्रभाव से जीव के बचने के लिए मंत्र बैंक की स्थापना की गयी है जिसमें मंत्र लिखने के लिए जीव को पुस्तिका का वितरण किया जाता है. प्रारम्भ में मंत्र लिखने की पुस्तिका निःशुल्क वितरित की गयी थी. मंत्र लिखने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए श्रीमद भागवत ग्रंथ पुरुस्कार के रुप में दिया गय था.

मंत्र पुस्तिका पूरी होने पर वापस देने पर नयी पुस्तिका दी जाती है. मंत्र बैंक से विश्व में बहुत बड़ी संख्या में जीव जुड़े हैं.

साल में नित्य उत्सव, कीर्तन महोत्सव, प्रवचन, शिविर जैसी गतिविधियां चलती रहती हैं.

मंदिर

श्रीनाथजी, श्री महाप्रभुजी तथा श्रीयमुनाजी का भव्य एवं सुंदर मंदिर प्रवेश द्वार के सामने है. मंदिर को कल्पतरु प्रसाद कहा गया है. स्वरुप दर्शन से जीव गदगद होकर आत्मविभोर हो जाता है.

भगवान का वांगमय स्वरुप श्रीमद भागवत है. यहां पर श्रीमद भागवत के 18000 श्लोकों को संगमरमर के पत्थरों में लिखवाया गया है. श्रीमद भागवत के नित्य पाठ करने वालों के लिए विशाल स्थान है. पवित्र वातावरण में मन प्रसन्न हो जाता है.

श्रीनाथजी की सेवा विद्वानों के द्वारा की जा रही है. आसपास के काफी भक्त प्रतिदिन सुबह एवं संध्या के समय यहां पर दर्शन करने के लिए आते हैं.

वर्तमान में उनके पौत्र श्री भागवत ऋ-ि जी वल्लभवंशज आचार्यों के साथ में संगठित स्तर पर संचालन कर रहे हैं. पूरे विश्व में आचार्य श्री महाप्रभुजी के सिद्धांतों के कारण भागवत विद्यापीठ की अपनी विशे-1 पहचान है.

आचार्य भवन

वल्लभकुल के बालकों के अध्ययन करने के साथ रहने की सुविधा के लिए भव्य भवन है.

श्री कदम ऋ-ि गुरुकूल

भागवत विद्यापीठ सोला में दान आधारित गुरुकूल में 500 विद्यार्थियों के लिए व्यवस्था की गयी है. 128 ख□`चल□ नया तथा पुराना मिलाकर अध्ययन कक्ष हैं. श्रीमद भागवत पर संशोधन करने के लिए श्री

भक्तिनिकुंज, श्रीमद भागवत पाठभेद, श्रीमद भागवत पीयु-ा, श्रीमद भागवत सुधा, अनेकटिकोपेत श्रीमद भागवत, श्रीमदभागवताद्यपद्य व्याख्या शतकम, संस्कृति पूजन, पाथ ओफ ग्रेस पर कार्य किया गय है.

बचपन से ही ब्राहमण बालकों को संपूर्ण भागवत का ज्ञान देने के लिए मल्टी मीडिया वीडियो सीडी तैयार कर विशाल क्षेत्र में अदभुत कार्य किया गया है.

श्री वरतंतु संस्कृत महाविद्यालय

संस्कृत की शिक्षा, वेद, साहित्य के अध्ययन करने के लिए ब्राहमण बालकों को यहां पर प्रवेश मिलता है. बचपन से लेकर ज्योति-ा, भागवत के ज्ञान तक निःशुल्क दी जा रही है.

श्री डी.एम.विद्यालय

पहली से दसवी तक अध्ययन करने के लिए प्राथमिक तथा माध्यमिक विद्यालय है.

बालमंदिर

बालमंदिर में संस्कार विकसित करने के लिए बहुत ही कम आयु के बालकों को प्रवेश दिया गया है.

कुमार छात्रालय

पहली से दसवी तक अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के लिए रहने की व्यवस्था है.

श्री भा. वि. अशोक आई. टी. आई.

दसवी के बाद रेडियो, टी.वी., एयरकंडीशन, इलेक्ट्रोनिकी, वायरमेन, रेफ्रिजेशन, डीजल मेकेनिक, फिटर, वेल्डर के तकनीकी 2 साल के अध्ययन करने के लिए वर्कशोप के साथ में संस्था है.

श्री अन्नपूर्णा निकेतन

प्राथमिक, माध्यमिक तथा संस्कृत पाठशाला में पढ़ने वाले ब्राहमण बालकों, वानप्रस्थाश्रमियों, कर्मचारियों, अतिथ्रियों के प्राकृतिक वातावरण में पवित्र तथा पूरी तरह से सात्विक भोजन के लिए बहुत ही अच्छी व्यवस्था की गयी है.

गुजरात के अलावा चम्पारण तथा मुम्बई, रामेश्वर में भी कार्य चल रहा है. पु-िट संप्रदाय का साहित्य बहुत ही कम मूल्य पर प्रकाशित किया जा रहा है.

मासिक पत्रिका

आचार्य श्री महाप्रभुजी के सिद्धांतों को हर जीव तक पहुंचाने के लिए गुजराती भा-ाा में विद्वानों तथा संस्था की गतिविधियों के साथ भागवतामृत मासिक पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है. विश्व में मासिक पत्रिका निःशुल्क भिजवायी जा रही है.

पंचाग

ब्राहमणों तथा वै-णवों के मार्गदर्शन करने के लिए पोकेट पंचाग का प्रकाशन किया जा रहा है.

वानप्रस्थाश्रम

वानप्रस्थाश्रम में 60 साल से अधिक आयु के लोगों को निश्चित सहयोग राशि देकर भगवान के सानिध्य में रहने के लिए तथा जीवन के निवृत समय का उपयोग करने के लिए सुनहरा अवसर दिया गया है.

आयुर्वेद अस्पताल

विद्यार्थियों, वानप्रस्थी, कर्मचारियों, अतिथियों, मरीजों के उपचार करने के लिए रहने की सुविधा के साथ में आयुर्वेद अस्पताल चलाया जा रहा है. परहेज तथा पवित्र वातावरण में मरीज असाध्य रोगों से पूरी तरह से स्वस्थ हो रहे हें.

श्री लक्ष्मी नारायण गोशाला

भागवत विद्यापीठ ट्रस्ट गौशाला डाकघर सोला तालुका दशकोई जिला अहमदाबाद दूरभा-ा 22473839, मोबाइल 9426373244 के द्वारा 18 सालों से विशाल क्षेत्र में 230 कांकरेज गोवंश का पालन किया जा रहा है. अहमदाबाद से दूर रहने के कारण बहुत ही शांति का वातावरण है. गोवंश के लिए आवश्यक सूर्य का प्रकाश, वेद मंत्रों के उच्चार, हवन से पवित्र वायु के साथ दिव्य वातावरण मिलने के कारण गोवंश प्रसन्न तथा आनन्दपूर्वक है.

गुरुकूल में शिक्षा ग्रहण कर रहे ब्राहमण बालकों को गो सेवा के लिए प्रेरित किया गया है. गोशाला में गोवंश के स्वस्थ रहने के लिए गोपालकों की सेवाएं ली जा रही हैं. गोवंश के विशे-ा ध्यान रखने के लिए नंदी तैयार किये गये हैं. नंदी के लिए अनुभवी गोपालकों को रखा गया है.

कांकरेज नस्ल का सुधार करने के कारण 10 लीटर दूध एक गाय एक दिन में दे रही है. गोवंश महाविज्ञान के जानकार सहदेव की सेवाओं का उपयोग किया जा रहा है.

कांकरेज नस्ल का उपयोग आयुर्वेद अस्पताल में आने वाले मरीजों के असाध्य रोगों के दूर करने के लिए दवा के रुप में किया जाता है. पंचगव्य तैयार करने के लिए दूध, मूत्र, गोबर का उपयोग ब्राहमणों के द्वारा किया जाता है. नियमित अग्निहोत्र हवन करने के लिए गोबर के कंडों का उपयोग किया जाता है. गोबर का उपयोग खेती करने के लिए किया जाता है.

गोमाता का दूध 15 रु. लीटर के मूल्य पर आसपास के लोगों को मिल रहा है. वहां पर रहने वाले 500 ब्राहमण छात्रों एवं वृद्धो को निःशुल्क दूध दिया जा रहा है.

श्री स्वामीनारायण गुरुकुल विश्वविद्या प्रति-ठानम

स्वामीनारायण गुरुकुल विश्व विद्यापीठ डाकघर छारोडी, सरखेज गांधीनगर हाईवे जिला अहमदाबाद दूरभा-ा 079-23742083, 02717-242141, 252102 भारतीय संस्कृति की भव्य परम्परा के अनुसार बहुत ही विशाल स्तर पर कार्य योजना प्रारम्भ की गयी है जिसके अंतर्गत गोशाला का निर्माण 1990 से किया गया है एवं गोशाला में 250 गीर एवं कांकरेज गोवंश का संवर्धन किया जा रहा है.

कामधेनु आहार

हरी घांस बहुत अधिक उगायी जा रही है एवं हरी घांस दूध देने वाली गायों को साल भर दी जा रही है. गोवंश को गाजर तथा मूंगफली का पाक बनाकर प्रतिदिन भरपेट खिलाया जा रहा है.

जैविक खेती

गोबर का उपयोग खेती करने के लिए किया जाता है. गोबर का उपयोग गोबर गैस बनाने के लिए किया जाता है गोबर गैस से पंचगव्य दवाएं तैयार की जाती हैं. गोबर गैस से भोजन तैयार किया जाता है.

कामधेनु सेवा

गीर गायें एक दिन में 25 लीटर तक दूध दे रही हैं. दूध का उपयोग घी तैयार करने के लिए किया जाता है तथा दूध, दही, छाछ का उपयोग छात्रों के लिए किया जाता हे.

गुरुकुल

वर्तमान में 800 बच्चे शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते हैं. 300 ब्राहमण निःशुल्क एम.ए. संस्कृत तक की शिक्षा प्राप्त करते हैं.

अन्नपूर्णा

500 विद्यार्थियों के आवास तथा भोजन की व्यवस्था की गयी है. गोबर गैस से दूध गरम करने, घी तैयार करने तथा पंचगघ्य महो-ाधियों के निर्माण, बाहर से आने वाले अतिथियों के लिए भी भोजन की व्यवस्था की गयी है. 50 रु. के कूपन लेने पर ही भोजन की व्यवस्था है.

पंचगव्य रिसर्च सेंटर

पंचगव्य रिसर्च सेंटर का निर्माण किया जा रहा है. आर्युवेद कोलेज का निर्माण किया जायेगा. विश्व मंगल गो ग्राम यात्रा के लिए पूरी योजना की तैयारी करने के लिए 2 सालों से बैठकें की गयी हैं. एसजीवीपी संचालित अमृतारोग्यम उपक्रम एसजी हाइवे छारोडी दूरभा-ा 02717-242300, 242141 के द्वारा वैद्य श्री प्रवीण हीरपरा मंगलवार, वैद्य श्री प्रवीण हीरपरा बुधवार, वैद्य श्री स्वप्निल मोदी दोपहर 3 से 5 बजे तक गहन जांच कर रहे हैं.

पंचगव्य महो-ाधियां

केंसर, एडस, मधुमेह, ह्रदय रोग, उच्च रक्तचाप, रक्त अल्पता, मानसिक तनाव, गुर्दे की समस्या, माइग्रेन, सोरायसीस, चर्मरोग, पेट के रोग, गैस, दस्त, कब्ज, मणकों की समस्या बिना मूल्य लिए निदान एवं राहत मूल्य पर गोधूलि टूथपेस्ट, हेर क्लीन्सर, फेस क्रीम, पेन बाम, हिमेजामृत चूर्ण, सूगरामृत अर्क, रुमामृत वटी, रुमामृत अर्क, कार्सिनामृत अर्क, श्वासामृत अर्क, कार्डियामृत अर्क,

पुनर्नवामृत अर्क, वक्करोगामृत अर्क, स्तीमामृत अर्क, रक्तामृत अर्क दवाएं दी जा रही हैं.

एलीसब्रीज

पंचगव्य

श्री गोपाल गोवर्धन गोशाला पथमेड़ा

बेसमेंट-1, मेडी केरसेंटर, एम.जे.लायब्रेरी के पीछे, एलिसब्रिज, अहमदाबाद 380006 मोबाइल 9429131066, 9879411411 के अलावा 5 नये केंद्रों में दूध, छाछ, पंचगव्य महो-ाधियां तथा घी प्राप्त करने के लिए संपर्क करें.

1996 से एसपीसीए अहमदाबाद गुजरात एस. एन. वेटनरी होस्पीटल मादालपुर एलीसब्रिज अहमदाबाद 382006 गोवंश संरक्षण संवर्धन का कार्य भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड के सहयोग से कर रही है.

घी कांठा

1987 से हिंसा विरोधक संघ नगर सेठ वांदो घी कांठा अहमदाबाद 380001 भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड चेन्नई के वित्तीय सहयोग से कार्य कर रही है.

मीर अंबिका रोड

1988 से श्री अखिल भारतीय हिंसा निवारण संघ हिंसा निवारण भवन 32 मनी-ा सोसायटी मीर अंबिका रोड अहमदाबाद 380013 भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड चेन्नई के वित्तीय सहयोग से कार्य कर रही है.

सेटेलाइट

पंचगव्य

दूरभा-ा 079-29297624 एवं मोबाइल 09825399499 में विश्व की सबसे बड़ी गोशाला पथमेड़ा में पृथ्वीमेड़ा पंचगव्य उत्पादन प्रा. लि. के द्वारा निर्मित सभी वस्तुएं उपलब्ध हैं.

श्री भुनेश्वरी आर्युवेद ट्रेडर्स दूरभा-ा 26750067 में सभी आयुर्वेदिक गोमूत्र से निर्मित दवाएं उपलब्ध हैं.

पालडी

श्री माणेकचौक खोडाढोर पांजरापोल

भगवती कोम्प्लेक्स, जैन मरचन्ट सोसायटी के पास में पालडी, अहमदाबाद दूरभा-ा 079-26605102 में 13 सांढ, 249 गायें, 36 बछियाएं, 58 बछड़े, 10 बैल कुल 366 गोवंश रखे हैं.

श्री भुनेश्वरी आयुर्वेद प्रकाश दूरभा-ा 26604610 में श्री भुनेश्वरी पीठ की सभी गोमूत्र की आयुर्वेदिक दवाएं उपलब्ध हैं.

विश्व हिंदु परि-ाद

गोरक्षा

गुजरात राज्य का विश्व हिंदु परि-ाद का कार्यालय है. नियमित रुप से यहां से गुजरात तथा संपूर्ण भारत में निम्नलिखित बिंदुओं पर गोरक्षा के लिए कार्य किये जा रहे हैं.

चित्र प्रदर्शन

कामधेनु के बारे में विस्तार से जागृति उत्पन्न करने के लिए रंगीन चित्र प्रदर्शन गोशालाओं तथा गांवों में किया जाता है.

गोकथा

गोकथा 7 दिनों तक विशे-ाज्ञों के द्वारा महानगरों तथा गांवों में गुजराती में आयोजित कर कामधेनु के बारे में जागृति उत्पन्न की जा रही है.

भारतीय गो विज्ञान परीक्षा

गुजरात में कामधेनु की जागृति 3 साल के शिशुओं से लेकर 12वी तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों में उत्पन्न करने के लिए भारतीय गो विज्ञान परीक्षा श्री जीवाभाई राठोड़ मोबाइल 9426283400 के नेतृत्व में सभी विद्यालयों में

चलायी जा रही है.

कानूनी मार्गदर्शन

गोरक्षा करने के लिए कार्यकर्ताओं को कानूनी मार्गदर्शन करने के लिए अधिवक्ताओं के द्वारा निःशुल्क सहायता दी जा रही है.

पंचगव्य महो-ाधियां

पंचगव्य महो-ाधियों के निर्माण करने के लिए गोशालाओं के लोगों को 15 दिनों का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है. गोशालाओं से पंचगव्य महो-ाधियों को अच्छे मूल्यों पर खरीदने की भी व्यवस्था है.

जैविक खेती

किसानों के अंदर जैविक खेती करने की भावना जागृत करने के लिए साल भर विशे-ाज्ञों के माध्यम से किसानों को जेविक खाद तैयार करने के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण अभियान चलाया जा रहा है.

गो ब्रांड

डा. प्रवीण तोगड़िया जी के मार्गदर्शन में गोवंश के संवर्धन एवं संरक्षण करने के लिए आम आदमी के स्वास्थय को ध्यान में रखकर उसके प्रतिदिन उपयोग में आने वाली वस्तुएं उपलब्ध करवाने के लिए भारतीय गोवंश रक्षण संवर्धन परि-ाद डा. वणीकर भवन 11 महालक्ष्मी सोसायटी महालक्ष्मी चार रस्ता पालडी अहमदाबाद 380007 26604015 26631365 मोबाइल 9427489581 श्री धीरुभाई कपूरिया ईमेल गौब्रांडस एट द रेट ओफ जीमेल डोट कोम गुजरात में गो ब्रांड को लोकप्रिय बना रहे हैं.

वर्तमान में 10 करोड़ रु. का कारोबार गो ब्रांड किया जाता है. अहमदाबाद में 50 वितरकों के माध्यम से भारत में 200 गोशालाओं में तैयार की जा रही 43 दवाएं तथा रसगुल्ला एवं टाइल्स आदि आक-िक पैक में उपलब्ध है.

गोधूली ऐलोवेरा साबुन 16 रु., गोधूली पंचगव्य साबुन 16 रु., गोधूली पेस्ट 28 रु., गोधूली पेन बाम 20 रु., नीमसिका शेम्पू 100 मिली 40 रु., 200 मिली 70 रु., 500 मिली 125 रु., च्यवनप्राश 200 रु., निखार क्रीम 30 रु., आफटर शेव 25 रु., काला तेल 40 रु., पर्ल शेम्पू 100 मिली 40 रु., 200 मिली 65 रु., कर्ण शुद्ध 25 रु., नेत्र ज्योति 25 रु., हेंड वाश 45 रु., गो रत्न मलहम 25 रु., नंदनी साबुन 14 रु., नंदनी केश तेल 45 रु., लाल दंतमंजन 14 रु., हवन सामग्री 12 रु. , गंगा शेम्पू 70 रु., गव्य ऐलोवेरा जेल 60 रु., गव्य ऐलोवेरा रोज जेल 60 रु., गव्य फेसपैक 30 रु., गव्य डीटरजेंट पावडर 120 रु., देव संपदा धूप बत्ती 15 रु., घी 50 रु., नंदनी केसर ऐलोवेरा साबुन 15 रु., कपिला हर्बल साबुन 15 रु., मनोरमा सिकाकाई साबुन 15 रु., गिरजा दंतमंजन 15 रु., कपिला शेम्पू 25 रु., कामधेनु शेम्पू 35 रु., फिनाइल 40 रु., कब्ज हरडे चूर्ण 35 रु., केसर गोटी 35 रु., केसर गोटी 36 रु., नंदनी साबुन 15 रु., सुरभि साबुन 15 रु., कामधेनु घनवटी 55 रु., मेदोहारी टेबलेट 55 रु., मेदोहारी अर्क 70 रु., गो ब्रांडस के नाम से उपलब्ध हैं.

पुराना वाडज

शोध एवं रचनात्मक संस्था, 1 राजलक्ष्मी भवन नयी गायत्री मंदिर के पास में पेरेडाइज पार्क के पीछे पुराना वाडज अहमदाबाद 380013 27559060 में गोमूत्र से तैयार फसलरक्षक उपलब्ध हैं.

नया वाडज

वैद्य गोविंद प्रसाद द्विवेदी जी एबीएमएस पंचकर्म विद्वान, भूतपूर्व निदेशक आयुर्वेद 12 मेवावालानगर, किरण पार्क, नया वाडज, अहमदाबाद 382013 एडस को पंचगव्य से पूरी तरह से दूर कर रहे हैं.

बापूनगर

विश्व हिंदु परि-ाद

पंचगव्य महो-ाधियां

श्री नरेन्द्र पटेल गोरक्षा प्रमुख विश्व हिंदु परि-ाद धनवन्तरी होस्पीटल, बापूनगर अहमदाबाद मेडिकल दुकान में गो ब्रांड के सभी उत्पाद उपलब्ध करवाकर तथा भारतीय गोविज्ञान परीक्षा के लिए सक्रिय हैं.

हीरावाड़ी

कामधेनु घी

श्री मगनभाई कानाणी मोबाइल 9824474726 सी/11, सेतुबंध पार्क, भगवति विद्यालय के सामने हिरावाडी, अहमदाबाद 450 रु. किलो मूल्य पर मक्खन से तैयार कर गीर तथा कांकरेज के दूध का घी दे रहे हैं.

हेरीटेज बंगलो

गोवंश के लिए पूरी तरह से समर्पित श्री चीनुभाई पटेल 70 साल आयु, गो तीर्थ, ए-12 हेरीटेज बंगलो, सायन्स सीटी के सामने, सोला गांव के पास में अहमदाबाद 9824480493 को गो सेवा आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था. समर्पित गोवंश सेवकों को वित्तीय सहयोग कर रहे हैं.

1999 से 2002 तक गोशालाओं के विकास करने के लिए निरन्तर प्रयत्न किया है. सरकार ने उनके कार्य को ध्यान में रखकर अध्यक्ष नियुक्त किया गया था. श्री चीनुभाई कई गोशालाओं से गहराई से जुड़े हुए हैं. श्री चीनुभाई पटेल के द्वारा बैनर एवं फलेक्स गोवंश के संवर्धन करने तैयार किये गये हैं. श्री चीनुभाई पटेल के द्वारा लिखित गोमाता नु दूध अमृत संजीवनी, गो गीता, आरोग्य गीता, गोसंवर्धन गोपालन, कृ‍ि गीता, गौ चिंतन, गोमूत्र वनस्पति जंतुनाशको, गोमाता 50 पुस्तकें लिख रहे हैं.

जलपवित्रीकरण

श्री चेतन भाई पटेल जी मोबाइल 98790 90949, दूरभा‍ 079-25623001, 25623002 उमिया सेल्स कोरपोरेशन 5 ग्राउंड फलोर, एम.के. हाउस, छोटालाल भगत धर्मशाला के पास में, फायर ब्रिगेड के सामने, शाहपुर गेट के बाजू में, शाहपुर अहमदाबाद गुजरात जल पवित्रीकरण का कार्य काफी लंबे समय से कर रहे हैं. गोवंश को मिलने वाले पीने के पानी में गंदगी के कारण होने वाली बीमारियों के कारण बहुत ही अधिक चिंतित है. गोशालाओं में साफ पानी के लिए जलपवित्रीकरण के लिए सहयोग दे रहे हैं. जल के अंदर मौजूद गंदगी का पता लगाने के लिए आधुनिक उपकरण का प्रयोग कर रहे हैं.

अग्निहोत्र कृ‍ि के गुजरात में विकास करने के लिए आप निरन्तर सक्रिय हैं. गोवंश का काफी साहित्य गहराई से अध्ययन कर चुके हैं. अपने ससुर के सहयोग से नस्ल सुधार का कार्य प्रारम्भ कर चुके हैं. कांकरेज नस्ल के विकास करने के लिए 20 बीगा भूमि पर धोड़का के पास में अनुसंधान जारी है. पूरे भारत में गोवंश का अवलोकन कर रहे हैं. गोवंश संवर्धन एवं संरक्षण करने के लिए श्री चेतन भाई पूरी तरह से समर्पित हैं. सभी सम्मेलनों में उनका सभी प्रकार का सहयोग रहता है.

जमालपुर

जगन्नाथ मंदिर

श्रद्धालुओं की बहुत भारी भीड़ हर दिन सुबह से लेकर रात्रि के समय तक भगवान श्री जगन्नाथ जी के दर्शन के लिए लगी रहती है. दर्शन के समय में मंहत जी के आर्शीवाद लेकर गोवंश संवर्धन की गतिविधियां ध्यान में आने पर सहज ही जुड़ जाता है.

मंहत नरसिंहदासजी गो सेवा ट्रस्ट

श्री महेन्द्र भाई झा मोबाइल 9824036898, दूरभा‍ 25324421, 25323221 मंहत नरसिंहदासजी गो सेवा ट्रस्ट जगन्नाथ मंदिर जमालपुर अहमदाबाद में मंहत नरसिंहदास जी के कुशल नेतृत्व में 7 वीं गोशाला का उदघाटन 22 नवम्बर 2009 को 15000 गोवंश सेवकों की उपस्थिति में किया गया था. अपनी गौरवशाली परम्परा के लिए जमालपुर में जगनाथ जी का मंदिर विश्व में आज प्रसिद्ध है.

कांकरेज नस्ल का संवर्धन

4 सांढ, 500 गोमाताएं, 150 बछियाएं, 65 बछड़े, 4 बैल पालकर काफी लंबे समय से कांकरेज नस्ल का संवर्धन किया जा रहा है.

नि:शुल्क छाछ का वितरण

गोबर गैस, घी, निःशुल्क छाछ का वितरण सुबह 9 से 12 बजे तक, दूध, खोआ, हर माह लगभग 50,000 रु. का अर्क एवं अन्य पंचगव्य दवाएं श्री महेन्द्र जी झा मेनेजिंग ट्रस्टी के कुशल मार्गदर्शन में पंचकर्म चिकित्सालय में कुशल वैद्यों के मार्गदर्शन में बेचकर उपचार किया जा रहा है.

पंचगव्य दवाएं

बहुत ही कम मूल्य पर पंचगव्य दवाएं उपलब्ध की जा रही हैं. पंचगव्य दवाएं बहुत ही प्रभावशाली हैं. पंचगव्य दवाएं कुशल वैद्यों के मार्गदर्शन में तैयार की जा रही हैं.

आवश्यकता पड़ने पर गोमाता के घी का प्रयोग जहर को दूर करने के लिए किया जाता है. गोमाता के घी का जहर दूर करने के लिए प्रयोग रामबाण साबित हुआ है. गोशालाओं से गोमाता का घी आसानी से उपलब्ध है. पुराना गोमाता का घी कुशल वैद्य के अनुसार ही मरीज को सेवन करवाने पर परिणाम हमेशा ही अनुकूल दिखाई दिया है.

पुराना घी 10 सालों तक का जीर्ण हल्का एवं बहुत ही अधिक प्रभावशाली है. 10 सालों से पुराना घी अमृत के समान हो जाता है. पंचगव्य दवाओं के नियमित सेवन करने के कारण मरीज के अंदर के जहर पूरी तरह से दूर हो जाते हैं. जहर दूर होने के कारण मरीज के अंदर विश्वास बैठने लगता है तथा आशा जग जाती है. पंचगव्य दवाएं आवश्यक परहेज के साथ लेने पर चमत्कारिक परिणाम असाध्य रोगों पर दिखाई दे रहे हैं.

पंचगव्य दवाएं 100 प्रतिशत सही कांकरेज नस्ल से बहुत ही सावधानी के साथ में तैयार की जाती हैं. गोमूत्र से तैयार घनवटी असाध्य रोगों में प्रभावशाली है. कांकरेज नस्ल का पालन बहुत ही सावधानी के साथ में किया जाता है.

पंचकर्म चिकित्सालय

कुशल वैद्यों के द्वारा अपनी सेवाएं निःशुल्क दी जा रही हैं. पंचकर्म चिकित्सालय लंबे समय से चल रहा है. आयुर्वेद दवाओं का एक स्टोर भी है जिसमें कुशल वैद्यों के मार्गदर्शन में पंचगव्य दवाओं के साथ में आयुर्वेद दवाओं का सेवन करवाया जा रहा है.

गहन जांच

बहुत बड़ी संख्या में असाध्य रोगों के मरीजों की गहन पूछताछ कुशल वैद्यों के द्वारा सुबह 9 से 12 बजे तक तथा संध्या के समय में 4 बजे से 6 बजे तक की जाती है. गहन जांच के कारण ही रोग का कारण पूरी तरह से कुशल वैद्य को पूरी तरह से समझ में आता है.

गुजरात विद्यापीठ

श्री सुदर्शन जी आयंगार कुलनायक गुजरात विद्यापीठ इंकमटेक्स के पास में, अहमदाबाद 380014 079-27541392 कामधेनु संवर्धन करने के लिए पूरी तरह से गंभीर हैं.

माणिक चौक

कामधेनु सेवा

श्री बचुभाई रांभिया ट्रस्टी एवं संचालक, गीताबेन रांभिया परिवार चेरीटेबल ट्रस्ट, 1140, गीताभवन, मांडवी की पोल, माणेक चौक, अहमदाबाद 380001 दूरभा-ा 079-22141197, 22149550, 22111467, 65447550,

शाहीबाग

अखिल विश्व गायत्री परिवार

यहां पर अहमदाबाद का मुख्य कार्यालय है तथा कामधेनु सेवा के लिए संगठित होकर साहित्य तथा पंचगव्य महो-ाधियों उपलब्ध करवायी गयी हैं.

नारोल मार्ग

अखिल विश्व गायत्री परिवार

क्रांतिकुंज

कामधेनु अर्क, पंचगव्य महो-ाधियां, घी तथा

कामधेनु साहित्य उपलब्ध करवाकर संगठित होकर कामधेनु सेवा चल रही है.

छोटालाल

अखिल विश्व गायत्री परिवार

गायत्री ज्ञान मंदिर के द्वारा सुबह 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक कामधेनु साहित्य 50 प्रतिशत विशे-ा छूट के साथ में, कामधेनु अर्क, पंचगव्य महोशधियां, घी उपलब्ध करवाकर कामधेनु सेवा के लिए संगठित प्रयत्न जारी हैं.

बापूनगर

अखिल विश्व गायत्री परिवार

गायत्री प्रज्ञापीठ के माध्यम से कामधेनु सेवा पंचगव्य महो-ाधियां, घी, कामधेनु साहित्य उपलब्ध करवाकर की जा रही है.

आदीनाथनगर

कामधेनु परिवार

श्री जीवदया जनकल्याण परिवारसंचालित पांजरापोल ओढव अहमदावाद दूरभा-ा 22292026 के द्वारा 365 गायें, 110 बछियाएं, 112 बछड़े, 222 अन्य कुल 809 गोवंश रखे हैं.

श्री लालभाई बी. शाह सी-17, आदीनाथनगर, ओढव, अहमदाबाद 382415 दूरभा-ा 22874419, 22877016, 22893941 कार्यालय में कामधेनु के गोग्रास के लिए व्यक्ति रखे गये हैं. प्रतिदिन नगद 1 रु. की राशि एकत्र करने के लिए अभियान चल रहा है.

रिंग रोड पर श्री जीवदया जनकल्याण परिवार में बहुत बड़ी संख्या में पक्षी, गोवंश एवं अन्य जीव रखकर उनकी सेवा कर रहे हैं.

सन्यास आश्रम

सन्यास आश्रम आश्रम रोड, एलिसब्रीज अहमदाबाद दूरभा-ा 26578016 में सभी संतो के द्वारा कम आवश्यकताओं के साथ में कामधेनु की सेवा बहुत ही लगाव के साथ में की जा रही है.

कामधेनु प्रसाद

1 नंदी, 11 गायें, 6 बछियाएं, 4 बछड़े अन्य 3 कुल 25 गायों के साथ में दूध उत्पादन कर सन्यास आश्रम के बाहर सर्वश्रे-ठ अमृत समान मिठाइयां तैयार की जाती है.

श्री हरिहर महाराज कामधेनु गौशाला

सरखेज गांधीनगर हाई-वे, मारुतिधाम मंदिर के पास में, अहमदाबाद ने 1 नंदी, 11 गायें, 2 बछियाएं, 3 बछड़े कुल 17 गोवंश रखे हैं.

समस्त महाजन

जीव दया

गुजरात में श्री केयुर फकीरचंद जी शाह समस्त महाजन संस्था सन्यास आश्रम के सामने अहमदाबाद 9825258969 जैन धर्म के लोगों से जीवदया करने के लिए आर्थिक सहयोग तथा असाध्य रोगों को पूरी तरह से दूर करने के लिए कामधेनु अर्क तथा सभी पंचगव्य दवाओं को रखते हैं.

मेमनगर

पंचगव्य

दूरभा-ा 079-29299842 एवं मोबाइल 08469099499 पर विश्व की सबसे बड़ी गोशाला पथमेड़ा राजस्थान में निर्मित पृथ्वीमेड़ा पंचगव्य उतपादन प्रा. लि. की सभी वस्तुएं उपलब्ध हैं.

कामधेनु सेवा

डा. मनहर पटेल मोबाइल 9824991658 सी-4, आनंद पार्क, नियर लेक, मेमनगर, अहमदाबाद 380052 वर्तमान में 63 साल की आयु में भी गायों के उपचार करने के लिए सतत सक्रिय हैं. गरीब लोगों की सहायता करते हैं.

किसानों को समझाते हैं कि 1 गाय के गोबर एवं गोमूत्र से जीवामृत तैयार कर 8 एकड़ भूमि उपजाउ होती है. किसान धीरे धीरे जैविक खेती करने के लिए तैयार हो रहे हैं.

गायों को अच्छी तरह से समझने के लिए कामधेनु साहित्य, वीडियो सीडी के माध्यम से किसानों को जैविक खेती, अग्निहोत्र कृ-ि, गोबर गैस, सीएनजी, पंचगव्य

महो-ाधियों के निर्माण, नंदी तैयार करने, कामधेनु के संपूर्ण विकास करने के लिए सक्रिय हैं.

कामधेनु सेवा

श्री स्वामीनारायण गुरुकुल मेमनगर अहमदाबाद 382052 दूरभा-ा 079-27912591,98 मो. 9979096648 में सुबह 9 से 11 बजे तक असाध्य रोगों का संपूर्ण उपचार करने के लिए बहुत ही जबरदस्त अभियान चलाया गया है.

पंचगव्य महो-ाधियां

सोमवार के दिन वैद्य श्री प्रवीणभाई हीरपरा, मंगलवार के दिन वैद्य श्री कौशल व्यास, बुधवार के दिन वैद्य श्री सु-ामा हीरपरा गुरुवार के दिन वैद्य श्री तपनकुमार एमडी ह्रदय 9924304388 सुबह 8.30 से 9.30 तक, शुक्रवार के दिन श्री हितेन्द्र गोहेल एम.डी. आयुर्वेद, शनिवार के दिन वैद्य श्री कित्रीदा दवे, रविवार के दिन वैद्य श्री प्रवीण सोलंकी एम.डी. आयुर्वेद के द्वारा गोधूलि टूथपेस्ट, हेर क्लीन्सर, फेस क्रीम, पेन बाम, हिमेजामृत चूर्ण, सूगरामृत अर्क, रुमामृत वटी, रुमामृत अर्क, कार्सिनामृत अर्क, श्वासामृत अर्क, कार्डियामृत अर्क, पुनर्नवामृत अर्क, वक्करोगामृत अर्क, स्लीमामृत अर्क, रक्तामृत अर्क पंचगव्य महो-ाधियों के निर्माण कर खतरनाक असाध्य रोगों को दूर करने के लिए कार्य चल रहा है.

बोचासणवासी अक्षरपुरु-ोत्तम गौशाला

शाहपुर दरवाजा के बाहर अहमदाबाद दूरभा-ा 25625151, 52 ने 4 गायें, 4 बछियाएं, 1 बछड़ा कुल 9 गोवंश रखे हैं.

श्री साइधाम गौशाला

डाइव इन रोड, अहमदाबाद ने 1 सांढ, 40 गायें, 10 बछियाएं, 5 बछड़े कुल 56 गोवंश रखे हैं.

जजीस बंगला

पंचगव्य

दूरभा-ा 079-65451283 एवं मोबाइल 0953775155 पर विश्व की सबसे बड़ी गोशाला पथमेड़ा राजस्थान में पृथ्वीमेड़ा पंचगव्य उत्पादन प्रा. लि. के द्वारा निर्मित सभी वस्तुएं उपलब्ध हैं.

साबरमति

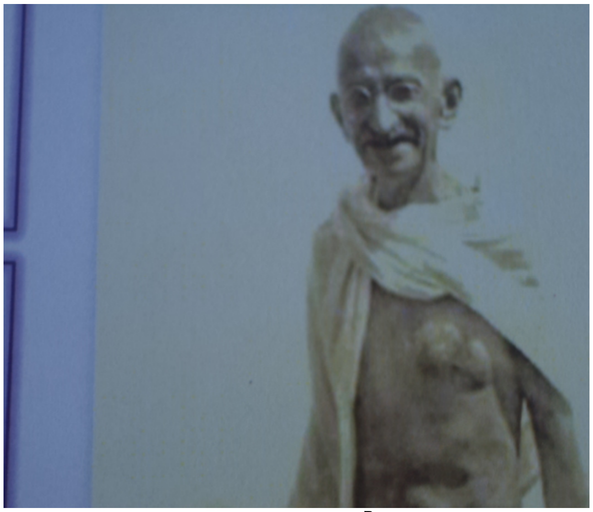

साबरमति आश्रम गोशाला

गांधी आश्रम अहमदाबाद ने 5 नंदी, 2 गायें, 4 बछियाएं, 12 बछड़े कुल 23 गोवंश रखे हैं.

कामधेनु दर्शन

साबरमति से गांधीनगर मार्ग पर मोढेरा में आसाराम जी का भारत का मुख्य आश्रम है.

संत आसाराम जी के द्वारा जापान को 9000 रु. टन राजस्थान की नेवई गोशाला से गोबर निर्यात किया जाता है.

कामधेनु के महत्व को घर धर में पहुंचाने के लिए ऋ-ि प्रसाद मासिक पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है.

पंचगव्य महो-।धियां

संत श्री आसाराम जी के द्वारा वर्तमान में कामधेनु के संवर्धन करने के लिए घी, गोवंश के गोबर तथा गोमूत्र का उपयोग कर हवन करने के लिए समिधा, जैविक खेती से अमृत रुपी अनाज, तुलसी, जड़ीबूटियां, पंचगव्य, मुलतानी, तुलसी, चमेली, गुलाब, मोगरा नहाने का साबुन, मंजन, धूप, असाध्य रोगों को पूरी तरह से दूर करने के लिए पंचगव्य महो-।धियां, अर्क निर्माण का कार्य चल रहा है.

अमरेली जिला

अमरेली

अमरेली महाजन पांजरापोल

डाकघर अमरेली, दूरभा-ा 02792-231859 ने 4 नंदी, 275 गायें, 20 बछियाएं, 20 बछड़े, 3 बैल कुल 322 गोवंश रखे हैं.

अमरेली गौशाला

डाकघर अमरेली दूरभा-ा 02792-223910, 223326, 231859 ने 9 नंदी, 96 गायें, 96 बछियाएं, 42 बछड़े, 4 बेल कुल 237 गोवंश हैं.

गोस्वामी श्री पुरु-ोत्तम जी ने सबसे पहले कामधेनु के विकास करने के लिए वै-णवों को प्रेरित किया. उसके बाद में गोस्वामी श्री व्रजजीवनजी ने यह कार्य आगे बढाया.

वर्तमान में गोस्वामी श्री द्वारकेश जी तथा श्री पुरु-ोत्तम जी राजूबावा ने वै-णवों को प्रेरणा दी है. अमरेली में वै-णवों के माध्यम से कामधेनु का संवर्धन चल रहा है.

सावरकुंडला तालुका

सेजल

ध्यानस्वामी बापा ट्रस्ट संचालित कैलाश गौशाला

डाकघर सेजल, तालुका सावरकुंडला, जिला अमरेली दूरभा-ा 02845-28060 ने 1 नंदी, 33 गायें, 8 बछियाएं, 4 बछड़े, 2 बैल कुल 48 गोवंश रखे हैं.

खडसली

ग्रामसेवा केंद्र खडसली तालुका सावरकुंडला जिला अमरेली 282538, 282514 में 1 नंदी, 20 गायें, 3 बछियाएं, 8 बछड़े, 3 बैल कुल 35 गोवंश रखकर गोमूत्र से फसलरक्षक तैयार किए जा रहे हैं.

सावरकुंडला पांजरापोल

डाकधर सावरकुंडला जिला अमरेली ने 5 नंदी, 115 गायें, 35 बछियाएं, 28 बछड़े, 5 बेल कुल 188 गोवंश रखे हें.

शिवाजीनगर गौसेवा समाज ट्रस्ट गौशाला

डाकघर सावरकुंडला, जिला अमरेली दूरभा-ा 02845-235314 ने 1 नंदी, 64 गायें, 31 बछियाएं, 25 बछड़े, 2 बैल कुल 125 गोवंश रखे हैं.

सावरकुंडला गौशाला

डाकघर सावरकुंडला जिला अमरेली दूरभा-ा 02845-242663 ने 14 नंदी, 312 गायें, 60 बछियाएं, 97 बछड़े, 14 बैल कुल 497 गोवंश रखे गये हैं.

बाबापुर

श्री सर्वोदय सरस्वती मंदिर गौशाला

बाबरा

श्री बाबरा पांजरापोल

कुंकावाव
श्री रामभरोसे गौसेवा मंडल पांजरापोल

श्री रामभरोसे गौसेवा मंडल गौशाला

लाठी
श्री लाठी महाजन पांजरापोल

चीतल
चीतल महाजन पांजरापोल

कोडीनार
श्री कोडीनार महाजन पांजरापोल

राजुला सिटी
संत पूजनबापू पांजरापोल

राजुला गौशाला

डाकघर राजुला, जिला अमरेली दूरभा-ा 02794-22251 ने 4 नंदी, 57 गायें, 33 बछियाएं, 30 बछड़े, 2 बैल कुल 126 गोवंश रखे हैं.

रामपुरा
श्री लालजी गौसेवा चेरिटेबल ट्रस्ट गौशाला

कांगसा
श्री कांगसा गौशाला

दातरडी
श्री गायत्री गौसेवा चेरिटेबल ट्रस्ट

शिवाजीनगर

शिवाजीनगर गौशाला समाज ट्रस्ट पांजरापोल

धारी

श्री दशा श्रीमाली स्थानकवासी जैन संघ पांजरापोल ने 45 गायें, 15 बछियाएं, 12 बछड़े, 4 बैल, 22 अन्य कुल 98 गोवंश रखे गये हैं.

पुरु-गेत्तम लालजी गौसेवा धाम

अमरेली जिले में धारी में डाकघर धारी, जिला अमरेली दूरभा-ा 221188, मोबाइल 9879895325 ने 1 सांढ, 334 गोमाताएं, 125 बछियाएं, 45 बछड़े, 7 बैल पाले जा रहे हैं

चलाला
गौसेवा समाज मंडल

शेठ आणंदजी मोरारजी पांजरापोल

दानेव गौशाला
डाकघर चलाला तालुका धारी जिला अमरेली दूरभा-ा 02797-251551 ने 2 नंदी, 55 गायें, 26 बछियाएं, 22 बछड़े, 7 बैल, 220 अन्य कुल 332 गोवंश रखे हैं.
लीलीया
अंतालिया
श्री अंतालिया महादेव गौशाला

नवसारी

भगवान महावीर विश्व कल्याण ट्रस्ट पांजरापोल नेश्नल हाइवे नं. 8, डाकधर खडसूपा जिला नवसारी ने 7 नंदी, 489 गायें, 253 बछियाएं, 77 बैल, 543 अन्य कुल 1369 गोवंश रखे हैं.

श्री गांधीधर कछोली गौशाला कछोली तालुका गणदेवी जिला नवसारी दूरभा-ा 02634-272259, 270759, 270559, 270654 में 1 नंदी, 17 गायें, 12 बछियाएं, 8 बछड़े, 2 बैल कुल 40 गोवंश रखे हैं.

श्री सर्वोदय वाली मंडल ट्रस्ट गौशाला सुचवाडा तालुका चिखली जिला नवसारी दूरभा-ा 02634-248762 में 3 गायें, 1 बछियाएं कुल 4 गोवंश हैं.

श्री सुरभीपुरम सेव प्रति-ठान ट्रस्ट रसीक सुरति पोस्ट बोक्स नं. 1, मुकाम पोस्ट वांसदा जिला नवसारी दूरभा-ा 02630-223626, 222222256 में 1 नंदी, 55 गायें, 22 बछियाएं, 15 बछड़े, 10 बैल कुल 103 गोवंश हैं.

श्री गुजरात गुरुकुल सभा गुरुकुल सुपा, तालुका जिला नवसारी दूरभा-ा 02637-226227 2 नंदी, 28 गायें, 35 बछियाएं, 6 बछड़ा, 1 बैल कुल 72 गोवंश हैं.

श्री तपोवन संस्कार धाम गोशाला नेशनल हाइवे नं. 8, धारागिरी डाकघर कबीलपोर तालुका जिला नवसारी में 1 नंदी, 50 गायें, 30 बछियाएं, 15 बछड़े कुल 96 गोवंश हैं.

श्री भुनेश्वरी पीठ कार्यालय रोयल कोम्प्लेक्स दूरभा-ा 248480, मोटा बाजार दूरभा-ा 252450 में गोमूत्र से निर्मित दवाएं उपलब्ध हैं.

किला पालडी

स्वाध्याय मंडल नेशनल हायवे नं 8 पंडित सातवलेकर मार्ग किला पारडी 396125 0260-2373345, 2375888 के द्वारा आसपास के गांव में प्रशिक्षण देने तथा जागृति उत्पन्न करने का कार्य चल रहा है. पंचगव्य पर अनुसंधान कर एडस को पूरी तरह से दूर करने के लिए वैद्य के माध्यम से उपचार किया जाता है.

जूनागढ जिला

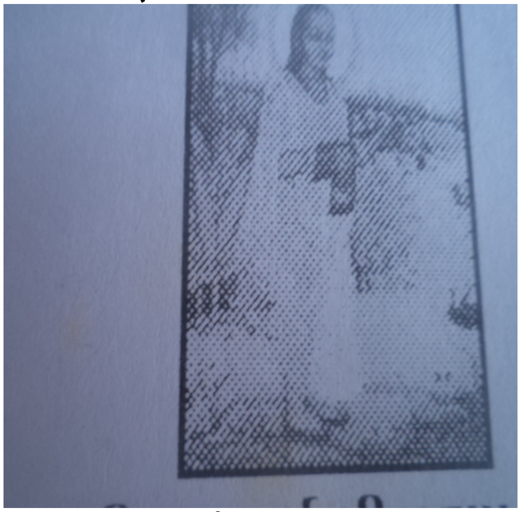

श्रीमाधवपुर

श्रीमहाप्रभुजी की 66 वी बैठक कदमकुंड के पास में जिला जूनागढ़

वर्तमान समय में आचार्य श्री महाप्रभुजी साक्षात बिराजकर नित्य श्रीमद भागवत सप्ताह कर रहे हैं. प्रभासक्षेत्र से आप माधवपुर में कदमकुंड पर पधारे हैं.

श्री माधवराय जी के दर्शन कर आचार्य जी ने सा-टांग दंडवत प्रणाम कर विनंती के साथ में पूछा कि आप यहां पर कहां बिराजते हैं? श्री माधवराय जी ने आचार्य जी से कहा कि एक ब्राहमण रोज मुझे एक लोटा जल से स्नान कराता है.

ब्राहमण को आप सेवा प्रकार सिखावें. दूसरे दिन आचार्य जी गांव में पधारे तथा श्रीमाधवराय जी के दर्शन किये. वह ब्राहमण आया. आचार्य जी ने ब्राहमण को समझाया कि तुम श्री माधवराय जी को अच्छी जगह पधराकर सेवा प्रकार अच्छी तरह से करो जिससे तुम्हारा निर्वाह अच्छी तरह से चलेगा.

ब्राहमण ने आचार्य जी से विनंती की कि आप जैसा कहेंगे वैसा करुंगा. तब आपने छोटी सी जगह बनवा दी. ब्राहमण ने आपकी आज्ञा अनुसार श्री माधवराय जी को पधराय और धोती उपरणा धराये. पाग को श्रंगार कियो.

तब उस ब्राहमण को आचार्य जी ने कहा कि नित्य इस रीत से सेवा करो तथा जो मिले उसका भोग धरो. कदंबकुंड में स्नान कर श्रीमद भागवत सप्ताह प्रारम्भ की. श्री ठाकुरजी नित्य कथा श्रवण करने के लिए पधारते थे.

कदमकुंड में महा अलौकिक आनन्द हुआ. आचार्य जी का महात्म्य देखकर अनेक जीव आपके पास विनंती करने आये. श्री महाप्रभुजी ने यहां पर अनेक दैवी जीवों को अपने शरण में लिया है.

श्री गुप्तप्रयाग

श्री महाप्रभुजी की 67 वी बैठक देलवाड़ा जिला जूनागढ़ दूरभा-ा 02875-222413, 222764 श्री राजूभाई

प्रयागकुंड के उपर छोकर के वृक्ष के नीचे बिराजे. श्री दामोदरदास को आज्ञा की कि सारस्वतकल्प में प्रयागराज तीर्थ यहां पर थे. यहां पर गंगा यमुना कुंड है. आपने प्रयागराज में स्नान किया. दूसरे दिन सवेरे श्रीमद भागवत पारायण आरम्भ किया.

एक ब्राहमण वहां पर आकर सा-टांग दंडवत प्रणाम कर विनंती की कि बहुत दिनों से आपका स्मरण भजन कर रहा था वह आज सफल हुआ है. मैं पहले पंढरपुर में रहता था तथा नित्य श्रीमद भागवत का पाठ करता था. श्री विठठलनाथजी प्रसन्न हुए और वर मांगने के लिए कहा. मैंने व्रजलीला के दर्शन मांगे.

श्री विठठलनाथ जी ने आज्ञा की कि तू गुप्तप्रयाग में जाकर बैठ. थोड़े से दिनों में श्रीपूर्णपुरु-ोत्तम का अवतार होगा जिसका नाम श्री वल्लभाचार्य जी प्रसिद्ध होगा. पृथ्वी परिक्रमा में सभी तीर्थों को सनाथ करेंगे. तब आचार्य जी तेरा मनोरथ पूरा करेंगे. जिस दिन वल्लभ पधारेंगे तब हम तुम्हे बतायेंगे. आचार्य जी ने ब्राहमण को स्नान करने की आज्ञा की.

ब्राहमण जब स्नान करके आया तब आचार्य जी ने नाम सुनाया और आज्ञा कीये आज से आठवे दिन तेरी मृत्यु हे जायेगी. तेरा जन्म गिरीराज की तरहटी में होगा. तेरा नाम गोपीनाथदास ग्वाल होगा. श्री गुंसाई जी तेरा अंगीकार कर श्रीनाथ की गायों की सेवा में रखेंगे. तब तुझे श्रीनाथजी की सभी लीला का अनुभव करायेंगे.

ब्राहमण आचार्य जी को दंडवत प्रणाम करके अपने आश्रम गया. ब्राहमण का जीवन आठवे दिन समाप्त हो गया. अपनी चरणरज से अनेक तामसी जीवों का अंगीकार किया.

जूनागढ़

श्री महाप्रभु जी की 64 वी बैठक दामोदरकुंड
गिरनार रोड मुखिया जी श्री सूरजभाई 0285-2624108

गिरनार पर रेवतीकुंड के किनारे पर छोकर के नीचे श्री महाप्रभु जी की बैठक है. गिरनार एवं रेवताचल पर्वत ने ब्राहमण का रुप धारण कर सा-टांग दंडवत प्रणाम किया. रेवताचल पर्वत ने अपने उपर पधारने के लिए विनंती की.

श्री महाप्रभु जी ने विनंती स्वीकार कर कहा कि हम तो तुम्हारे लिए ही पधारे हैं. यह सुनकर रेवताचल द्रवित हो गये एवं मक्खन से भी कोमल हो गये. महाप्रभु जी के चरणारविंद के चिंह रेवताचल पर उभर आये.श्री महाप्रभुजी ने यहां पर श्रीमद भागवत सप्ताह की.

एक योगेश्वर ने श्री महाप्रभुजी को सा-टांग दंडवत किया और कहा कि आपके मुखारविंद से कथा सुनने की बड़ी इच्छा थी. आप कृपा कर सुनाइये. योगेश्वर नित्य कथा सुनने के लिए आता था.

तब कृ-णदास मेघन ने विंनती की कि योगेश्वर कौन है? तब श्री आचार्य जी ने कहा कि द्रोणाचार्य का पुत्र अश्वथामा है. श्रीमद भागवत सप्ताह की गिरनार पर्वत पर नियमित रहने वाले अश्वथामा नियमित कथा सुनने के लिए आते थे. जिससे अनेक जीवों अश्वथामा आदि का कल्याण हुआ. अनेक दैवी जीवों का अंगीकार चरणारविंद की रज से किया.

167 गोशाला

श्री सोरठ क्षय निवारण समिति गोशाला

श्री स्वामीनारायण गौशाला

श्री गौरक्षक नाथजी आश्रम ट्रस्ट गौशाला

श्री जूनागढ़ गौशाला

श्री मेदपरा गौशाला

श्री आदर्श नूतन गौशाला

श्री भीडभंजन महादेव बामणसा गौशाला

श्री गौसेवा समाज रामेश्वर

श्री सोमेश्वर कामेश्वर गौशाला

श्री सहजानंद गोपाल केंद्र

श्री गोपाल सेवा समिति

श्री गोसेवा समाज भेसाण

श्री गौसेवा समाज कनेरी

श्री गौसेवा ट्रस्ट अजाब

श्री रामदेवजी गौशाला गडु

श्री जगजीवनबापु सेवाश्रम

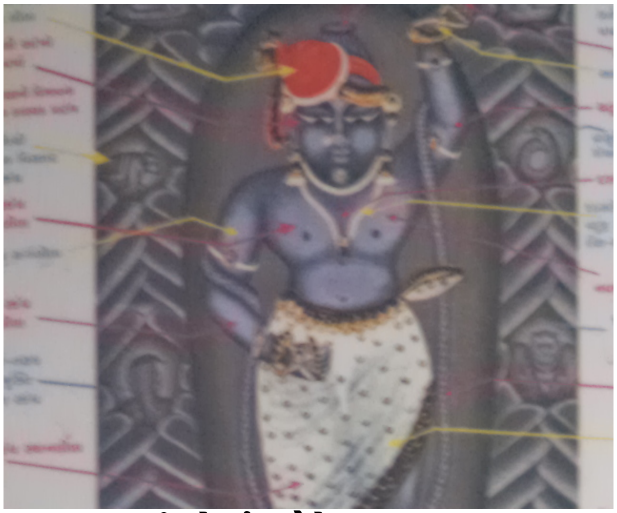

श्री गोवर्धन गौसेवा समाज

श्री बालकृ-ण गौसेवा समिति

श्री गौसेवा समाज ट्रस्ट गौशाला

श्री मालिया हाटिना गौशाला

श्री नरसिंह मंदिर गौशाला

श्री कणजा गौसेवा समाज

श्री गौसेवा समाज बंधाडा

श्री तुलीश्याम मंदिर गौशाला

श्री गोकुलेश गौशाला

श्री गौसेवा समाज बादलपुर

श्री गौसेवा समाज शाहपुर

श्री गोपाल कृ-ण गौशाला

श्री रावतेश्वर धर्मालय गौशाला

श्री जय योगेश्वर गौशाला

श्री गोविंद गौशाला

श्री जनसेवा समाज श्री कृ-ण गौशाला

श्री गौसेवा समाज आनंदपुर

श्री गौसेवा समाज

श्री गोपाल कृ-ण गौसेवा समाज

श्री राधेश्याम गौसेवा ट्रस्ट

श्री गौसेवा समाज दिवराणा

श्री गोवर्धन गोशाला

श्री कामधेनु गौसेवा ट्रस्ट

श्री गौसेवा समिति गौशाला

श्री गोपाल कृ-ण गौशाला

श्री गोपाल कृ-ण गौशाला

श्री गोपाल कृ-ण गौसेवा टस्ट्र

श्री गीरीराज कृपा गोपालक ट्रस्ट

श्री गौसेवा समाज

श्री वल्लभकृपा गौसेवा समाज

श्री वल्लभ गौसेवा ट्रस्ट

श्री जय बंसीधर गौसेवा समाज

श्री कृ-ण गौशाला ट्रस्ट

श्री कनैया गौसेवा समाज

श्री गोपाल कृ-ण गौशाला

जयश्री भवानी गौशाला

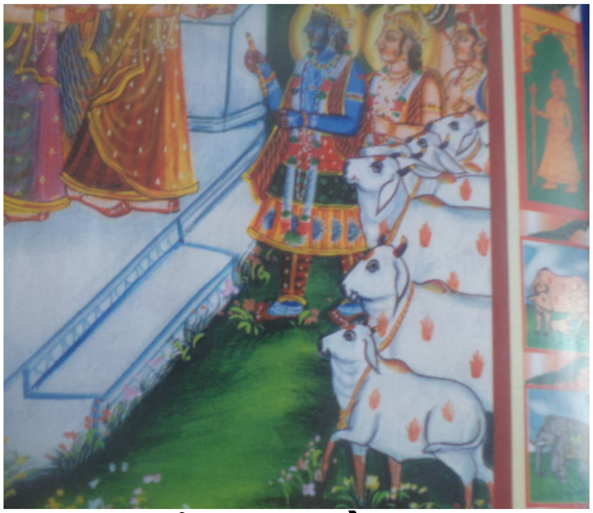

श्री बाल कृ-ण गौशाला

श्री गौसेवा समाज

श्री धूणेश्वर गौसेवा समाज

श्री गोपाल गौशाला

श्री गौसेवा समिति गौशाला

श्री विराणी गौशाला शारदा ग्राम

श्री गौसेवा समाज कनेरी

श्री भारती आश्रम गौशाला ट्रस्ट

स्वामीनारायण गुरुकुल गौशाला

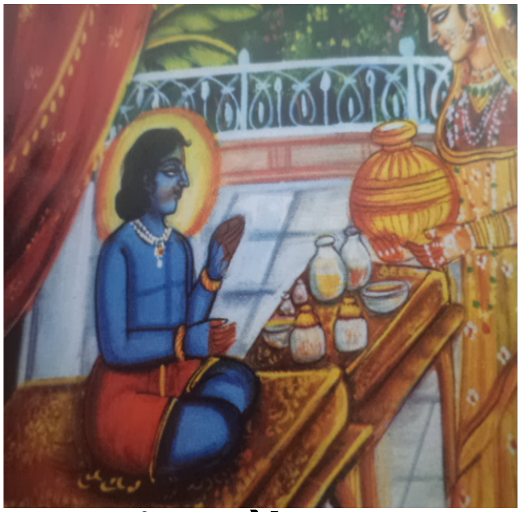

श्री कृ-ण गौसेवा समाज

श्री अवाणीया गौसेवा समाज

श्री गुलाबबेन नंदलाल शाह गौशाला

पशु आरोग्य ट्रस्ट संचालित गौशाला

श्री जूनागढ पांजरापोल

श्री वेरावल पांजरापोल

विसावदर गौशाला पांजरापोल

गुजरात को दूध उत्पादन में पहले लाने के लिए जुनागढ़ में गोस्वामी श्री किशोरचंद्र जी के द्वारा 167 गोशालाओं में गीर नस्ल के विकास करने के लिए कार्य किया जा रहा है, उनके प्रयत्नों के कारण ही गीर वापस दिखायी देने लगी है.

गोस्वामी श्री किशोरचंद्र जी कई सालों से गीर के लिए प्रयत्न कर रहे हैं. नरेन्द्र मोदी को भी गीर बचाओ आदोलन को मदद करनी पड़ रही है. गुजरात के हर गांव में गीर का विकास करने का उनका लक्ष्य है. गुजरात गो सेवा आयोग को भी गीर बचाने के लिए कार्य करना पड़ रहा है.

हर गोशाला का उदघाटन बहुत ही आनन्द के साथ सम्पन्न किया गया है. महाप्रभुजी वल्लभाचार्य जी के वंशज श्री किशोरचंद्र जी गोवंश के संपूर्ण विकास करने के लिए अनुसंधान कर रहे हैं. श्री किशोरचंद्र जी महाराजश्री के द्वारा गोवंश को अकाल के समय में बचाने के लिए बहुत ही जबरदस्त प्रयत्न किये गये हैं. उनके गोवंश बचाने के अभियान से गुजरात के वै-णव लोग प्रेरणा लेकर कार्य कर रहे हैं.

उनकी प्रेरणा से 5000 गांवों में गीर गोवंश के संवर्धन करने के लिए बहुत सारी गोशालाओं में बहुत बड़े स्तर पर पंचगव्य की दवाएं तैयार की जा रही हैं.

जुनागढ़ जिले में जुनागढ में जवाहर चौक में श्री स्वामीनारायण मंदिर गोशाला ट्रस्ट 1 सांढ, 20 गोमाताएं, 20 बछियाएं, 5 बछड़े, 4 बैल पाल रहे हैं.

वाडला

वाडला में 2 गोशालाएं चल रही हैं. किसानों तथा गोपालकों के अपार उत्साह के कारण ही उदारता के साथ में दान देने के कारण ही पुरु-ोत्तम लाल गो सेवा ट्रस्ट पहले से ही चल रही है.

6 से 8 फरवरी 2006 को श्री किशोरचंद्र जी के आर्शीवाद से वै-णवों के द्वारा वाडला में श्री वल्लभ गोशाला का उदघाटन बहुत ही उत्साह के साथ में किया गया है. उदघाटन में पूरे भारत के सभी विद्वानों ने बहुत ही जिज्ञासा तथा नयी संभावनाओं के साथ में भाग लिया था. गुजरात गो सेवा आयोग के द्वारा वाडला की वल्लभ गोशाला को विशे-ा ध्यान देकर मदद की गयी है.

4 सालों में बहुत ही अच्छे सांढ तैयार कर गीर गोवंश का संपूर्ण विकास किया गया है. गीर गायें एक दिन में बहुत ही अधिक दूध दे रही हैं.

6 फरवरी 2010 को भारत का तीसरा सीएनजी बनाने का केंद्र बहुत ही उत्साह के साथ में चालू किया गया है. विश्व में भारत महाशक्ति के रुप में उभर कर सामने आये इसके लिए गोवंश के संवर्धन करने के लिए वाडला की वल्लभ गोशाला में कार्य चल रहा है. श्री विनोदभाई कटारिया के नेतृत्व में वाडला में पंचगव्य दवाओं का निर्माण बहुत बड़े स्तर पर किया जाता है.

मजेवडी

श्री पुरु-ोत्तम लालजी गौसेवा ट्रस्ट मजेवडी जिला जूनागढ दूरभा-ा 2684568 में 2 सांढ, 22 गोमाताएं, 18 बछियाएं, 5 बछड़े, 1 बैल,

केशोद

केशोद गोवंश के लिए काफी जागरुक है. वै-णवों के द्वारा वर्तमान में गोवंश के लिए अभियान चलाया गया है. केशोद में समय समय पर श्री द्वारकेश जी के द्वारा शिक्षापत्र आदि के माध्यम से गोवंश की ओर प्रेरित किया जाता है.

श्री केशोद पांजरापोल जिला जूनागढ़ दूरभा-ा 02871-236663 ने 4 नंदी, 69 गायें, 47 बछियाएं, 3 बछड़े, 2 बैल कुल 125 गोवंश रखे हैं.

केशोद में गुजरात गो सेवा आयोग के वित्तीय सहयोग से श्री पुरु-ोत्तम लालजी गौसेवा ट्रस्ट दूरभा-ा 238410 ने 4 सांढ, 81 गोमाताएं, 64 बछियाएं, 1 बछड़ा गोशाला में बहुत ही उत्तम ढंग से पाले जा रहे हैं.

आंबला

श्री पुरु-ोत्तम लालजी गौसेवा ट्रस्ट आंबला तालुका मेंदरडा दूरभा-ा 234184 में गोवंश की भावना चरम सीमा पर पहुंच जायेगी. बहुत ही भावना के साथ में गोबर एवं गोमूत्र का सदुपयोग करने के लिए गोचर भूमि में हरी घांस उगाकर 1 सांढ, 42 गोमाताएं, 3 बछियाएं, 3 बछड़े विशाल क्षेत्र में रखे गये हैं.

चोकली

श्री पुरु-ोत्तम लालजी गौसेवा ट्रस्ट चोकली

मोबाइल 9427425283 में गुजरात गो सेवा आयोग के वित्तीय सहयोग से वर्तमान में गोवंश को सुरक्षित रखने के लिए गोबर एवं गोमूत्र का प्रयोग खेती में किया जाता है. बहुत ही अधिक भावना के साथ में हरे चारे के साथ में भरपेट गोग्रास के साथ में 2 सांढ, 40 गोमाताएं, 5 बछियाएं, 1 बछड़ा मौजूद है.

थाणापीपरी

श्री पुरु-ोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट थाणापीपरी तालुका वंथल दूरभा-ा 255834 में 2 सांढ, 30 गोमाताएं, 40 बछियाएं रखी गयी हैं.

वल्लभनगर

श्री पुरु-ोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट वल्लभनगर तालुका मेंदरडा में 1 सांढ, 55 गोमाताएं, 25 बछियाएं, 5 बछड़े

जामवाडा

श्री पुरु-ोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट जामवाडा तालुका मांगरोल में 2 सांढ, 24 गोमाताएं, 10 बछियाएं, 1 बछड़ा,

मातरवाडिया

श्री पुरु-ोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट मातरवाडिया तालुका माडिया में 3 सांढ, 72 गोमाताएं, 28 बछियाएं, 23 बछड़े, 4 बैल,

बंटीया

श्री पुरु-ोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट बंटीया, तालुका वंथली में 2 सांढ, 23 गोमाताएं, 8 बछियाएं, 4 बछड़े,

जुथड

श्री पुरु-ोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट जुथड तालुका मांगरोल में 3 सांढ, 40 गोमाताएं, 15 बछियाएं, 3 बछड़े,

वनथल

श्री पुरु-ोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट वनथल में 2 सांढ, 68 गोमाताएं, 30 बछियाएं, 25 बछड़े, 2 बैल,

कालवणी

श्री पुरु-ोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट कालवणी तालुका केशोद 2 सांढ, 30 गोमाताएं, 20 बछियाएं, 2 बछड़े,

चोकी

श्री पुरु-ोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट चोकी में 1 सांढ, 47 गोमाताएं, 30 बछियाएं, 1 बैल,

लेरिया

श्री पुरु-ोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट लेरिया तालुका विसावदर में 2 सांढ, 44 गोमाताएं, 2 बछियाएं, 1 बछड़ा, 1 बैल,

टीबावाडी

श्री पुरु-ोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट टींबावाडी में किसानों द्वारा गुजरात गो सेवा आयोग के वित्तीय सहयोग से वर्तमान में विशाल गोचर भूमि पर हरी हरी घांस उत्पन्न कर संगठित होकर गोवंश संवर्धन करने के लिए 2 सांढ, 125 गोमाताएं, 27 बछियाएं, 18 बछड़े, 2 बैल रखे गये हैं.

झांपोदड

श्री पुरु-ोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट झांपोदड तालुका वंथली में 2 सांढ, 25 गोमाताएं, 12 बछियाएं, 7 बछड़े, 5 बैल,

दत्राणा

श्री पुरु-ोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट दत्राणा तालुका मेदरा में 4 सांढ, 75 गोमाताएं, 25 बछियाएं, 10 बछड़े,

मेसवाड

श्री पुरु-ोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट मेसवाड तालुका केशोद में 4 सांढ, 24 गोमाताएं, 125 बछियाएं, 11 बछड़े, 7 बैल,

केवेन्द्रा

श्री पुरु-ोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट केवेन्द्रा तालुका केशोद में 4 सांढ, 60 गोमाताएं, 20 बछियाएं, 3 बछड़े,

नाकरा

श्री पुरु-ोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट नाकरा तालुका माणावदर में 5 सांढ, 43 गोमाताएं, 24 बछियाएं, 2 बछड़े, 1 बैल,

सोंदरडा

श्री पुरु-ोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट सोंदरडा तालुका केशोद में 1 सांढ, 45 गोमाताएं, 30 बछियाएं, 15 बछड़े,

छोडवडी

श्री पुरु-ोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट छोडवडी तालुका भेंसाण में 2 सांढ, 90 गोमाताएं, 10 बछियाएं, 3 बछड़े,

जीजरी

श्री पुरु-ोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट जीजरी तालुका माणवदर 2 सांढ, 40 गोमाताएं, 13 बछियाएं, 4 बछड़े,

थल्ली

श्री पुरु-ोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट थल्ली तालुका मांगरोल में 2 सांढ, 30 गोमाताएं, 3 बछियाएं, 2 बछड़े गोशाला में हैं.

शेरगढ

श्री पुरु-ोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट शेरगढ तालुका केशोद में गोशाला में 2 सांढ, 58 गोमाताएं, 10 बछियाएं, 2 बछड़े,

सरदारगढ

श्री पुरु-ोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट सरदारगढ तालुका माणावदर में 2 सांढ, 36 गोमाताएं, 35 बछियाएं, 12 बछड़े,

नानडिया

श्री पुरु-ोत्तम लाल जी गौसेवा ट्रस्ट नानडिया तालुका माणावदर में 2 सांढ, 24 गोमाताएं, 34 बछियाएं गोशालाओं में पल रही है. एडस के खिलाफ जबरदस्त अभियान चलाने के लिए वाडला की तरह ही पंचगव्य दवायें तैयार करने के लिए योजना बनाने की आवश्यकता है.

डांग

डांग जिला आदिवासियों के कारण लंबे समय से उपेक्षित है इसलिए गुजरात गो सेवा आयोग के द्वारा डांग जिले में गोशालाओं का पंजीकरण नही किया गया है.

जंगल में डांगी प्रजाति दुर्लभ जड़ीबूटियों के खाने के कारण ही अदभुत दूध, मूत्र तथा गोमय का उपयोग करने के लिए कोई प्रयत्न नहीं किया गया है.

डांग जिले के डांगी प्रजातियों के पंचगव्य पर अनुसंधान करने की आवश्यकता है.

गुजरात के द्वारा डांग जिले के मूल आदिवासियों के लिए 2006 में एक बार ही सम्मेलन किया गया है.

डांग प्रजाति की उपेक्षा के कारण ही डांगी खतरे में है. डांगी के अदभुत एवं दिव्य गुणों के कारण डांगी को बचाने के लिए आदिवासियों की मदद करने की आवश्यकता है.

डांगी के संरक्षण करने के लिए अभियान की आवश्यकता है. डांग में काफी संभावनायें मौजूद हैं.

शबरी कुंभ

डांग में भी पहली बार 11 से 13 फरवारी 2006 में 8.5 करोड़ खर्च करके श्री नरेन्द्र मोदी मुख्यमंत्री के द्वारा डांग जिले के विकास करने के लिए ही एक सम्मेलन शबरी कुंभ करवाया गया था जिसमें 20 लाख लोगों ने पूरे भारत से भाग लिया था.

पहली बार डांग जिले में प्रवेश करने पर भारत के लोगों का ध्यान डांगी प्रजाति की ओर गया है. 2 साल से संघ के लोगों के द्वारा अपनी सेवाएं दी गयी थी.

पूरे भारत से वित्तीय सहयोग मिला था. पूरे भारत से आए युवाओं के द्वारा लगातार कई घंटों तक चिंतन चलता रहा था.

आदिवासियों के विकास करने के लिए प्रदर्शन में भी निःशुल्क स्टोल लगाये गये थे. पंचगव्य साहित्य एवं दवाओं का प्रदर्शन किया गया था.

गोवंश के संवर्धन एवं संरक्षण करने के लिए सीडी का विक्रय किया गया था.

आदिवासियों के विकास करने के लिए सम्मेलन किया गया था. स्वामी नारायण संप्रदाय के द्वारा गीर की नस्ल को सुरक्षित कर वर्तमान में अच्छा कार्य किया गया है.

सरकार को भी अपनी गलती का अहसास हो गया है.

पोरबंदर

श्री राणावाव महाजन पांजरापोल डाकघर राणावाव जिला पोरबंदर ने 5 नंदी, 175 गायें, 35 बछियाएं, 25 बछड़े कुल 240 गोवंश रखे हैं.

श्री पोरबंदर पांजरापोल पोरबंदर ने 24 नंदी, 68 गायें, 11 बछियाएं, 13 बछड़े, 16 बैल, 1 अन्य कुल 133 गोवंश रखे हैं.

गोसेवा समिति कूतियाणा पांजरापोल डाकधर कूतियाणा जिला पोरबंदर ने 8 सांढ, 47 गायें, 23 बछियाएं, 22 बछड़े, 15 बैल, 2 अन्य कुल 117 गोवंश रखे हैं.

श्री देवाभगत रामधून मंडल गौशाला चेरिटेबल टस्ट रतनपुर डाकधर ओदार जिला पोरबंदर दूरभा-ा 0286-2252058, 2242600 ने 2 नंदी, 95 गायें, 17 बछियाएं, 9 बछड़े, 2 बैल कुल 125 गोवंश रखे हैं.

श्री माधव गौशाला डाकधर माधवपुर जिला पोरबंदर ने 2 नंदी, 20 गायें, 22 बछियाएं, 3 बछड़े, 3 बैल कुल 50 गोवंश रखे हैं.

श्री महीयारी गौशाला समिति डाकधर महीयारी तालुका कुतियाणा जिला पोरबंदर दूरभा-ा 02804-264751 ने 2 नंदी, 60 गायें, 15 बछियाएं कुल 77 गोवंश रखे हैं.

श्री गौसेवा समाज डाकधर महोबतपुरा तालुका कुतियाणा जिला पोरबंदर दूरभा-ा 261795 ने 2 नंदी, 50 गायें, 20 बछियाएं कुल 72 गोवंश रखे हैं.

श्री इंद्रेश्वर महादेव ट्रस्ट गौशाला पोरबंदर दूरभा-ा 2212944 ने 3 नंदी, 61 गायें, 12 बछियाएं, 6 बछड़े, 2 बैल कुल 84 गोवंश रखे हैं.

श्री गौसेवा समिति पोलिस स्टेशन के सामने कुतियाणा जिला पोरबंदर ने 64 गायें, 23 बछियाएं, 13 बछड़े, 3 बैल कुल 103 गोवंश रखे हैं.

पोरबंदर सुदामा जी के समय से ही बहुत ही प्रसिद्ध है. भगवान श्री कृ-ण के द्वारा पहली बार सुदामा के द्वारका आने पर बिना मांगे ही अपार धन दिया गया था. सुदामा भगवान कृ-ण से झूठ बोलने के कारण गरीब ब्राहमण थे एवं त्यागी एवं जीतेन्द्रीय थे. सुदामा ने गोवंश संवर्धन करने के लिए बहुत अधिक ध्यान दिया था. सुदामा के बाद उनके वंशजों ने भी गोवंश के विकास करने के लिए बहुत अधिक कार्य किया था.

श्री रमेश भाई ओझा

श्री सांदीपनी विद्यानिकेतन गौशाला एरोड्रम रोड जिला पोरबंदर दूरभा-ा 0286-2222912, 2221913 में 3 नंदी, 65 गायें, 76 बछियाएं, 26 बछड़े, 2 बैल कुल 172 गोवंश हैं.

पोरबंदर में श्री रमेश भाई ओझा के द्वारा गीर गायों का संवर्धन सांदीपनी आश्रम में विशाल क्षेत्रफल में किया जा रहा है. श्री रमेश भाई के द्वारा ब्राहमणों को बहुत बड़े क्षेत्र में संस्कृत में निःशुल्क पढ़ाया जाता है. श्री रमेश भाई के द्वारा पूरे विश्व में गोवंश के संवर्धन करने के लिए श्रीमद भागवत कथा के माध्यम से अभियान चलाया जा रहा है. साल में एक बार भागवत का आयोजन भी किया जाता है जिसमें भाग लेने के लिए पूरे विश्व से लोग आते हैं.

व्रज गोशाला

श्री वल्लभाचार्य महाप्रभु के वंशज गोस्वामी श्री वसंत जी एवं गोस्वामी श्री विशाल जी के द्वारा श्री महाप्रभु जी के सिद्धातों के अनुसार ही सतसंग कार्यक्रम नियमित सभी आसपास के गांवों में किये जाते हैं जिनमें वै-णवों को गोवंश के संवर्धन एवं संरक्षण करने के लिए प्रेरित किया जाता है. विश्व मंगल गो ग्राम यात्रा जैसे कार्यक्रम के माध्यम से जागृति उत्पन्न की जा रही है. वर्तमान में लंबे समय से बहुत सारे सेवा कार्य जिनमें नेत्र शिविर,

अन्नदान शिविर, रक्तदान शिविर आदि कार्य किया जा रहा है.

पोरबंदर से वेरावल जाते समय हाइवे पर 5 एकड़ भूमि पर बहुत विशाल गोशाला का निर्माण किया जा रहा है. वर्तमान में गोवंश के लगातार पतन को ध्यान में रखकर गोवंश के विकास करने के लिए वै-णवों को मार्गदर्शन देने के लिए ही गोशाला का निर्माण किया जा रहा है.

गोवंश संवर्धन करने के लिए भगवान श्री कृ-ण के द्वारा किया गया कार्य वै-णवों के सामने रखा गया है. श्री मुरारी बापू, श्री रमेश भाई ओझा, श्रीमती कोकिलाबेन अंबानी आदि के द्वारा गोवंश संवर्धन के कार्य के लिए हर प्रकार का सहयोग दिया गया है.

गोशाला में प्रवेश करते ही रंगीन प्रकाश के साथ में फव्वारा, गोवर्धन धारण करते हुए भगवान श्री कृ-ण की प्रतिमा के दर्शन वै-णवों को होंगे. मुख्य प्रवेश के साथ में अन्य 2 और प्रवेश द्वार गोशाला में होंगे. गोशाला में 12 फूट चौड़े मार्ग तैयार किये जायेंगे. परिक्रमा करने के लिए 8 फीट चौड़े मार्ग होंगे. गोशाला के चारों ओर बांउड्री का निर्माण किया जायेगा. जल के लिए 3 बोरिंग एवं एक कुंआ तथा ओवरहेड टेंक का निर्माण किया जायेगा.

तुलसी क्यारा भी लगाया जायेगा. बाहर से आने वाले वै-णवों के मार्गदर्शन करने के लिए साइन बोर्ड लगाये जायेंगे. गोशाला में चारों ओर औ-धिय वृक्षों का निर्माण किया जायेगा. गोवंश के रहने के लिए बड़ी 4 प्रत्येक 1500 वर्गफूट तथा छोटी 4 खीरक प्रत्येक 815 वर्गफूट, बीमार गोवंश के लिए 1360 वग्रफूट की खीरक, अतिथि भवन 1500 वर्गफुट, कार्यालय 1350 वर्गफूट कमचारी आवास 425 वर्गफूट, घास गोडाउन 2 प्रत्येक 2615 वर्गफूट में तैयार किया जायेगा.

गोशाला में गोवंश के उपचार करने के लिए मधुर बांसुरी का संगीत धीमे धीमे बजता रहेगा. बीमार गोवंश की सेवा करने के लिए 24 घंटे वेटनरी चिकित्सकों की सेवायें ली जायेंगी. गोशाला में पंचगव्य महो-धियों के निर्माण करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जायेगा. गोशाला का प्रवेश द्वार बहुत ही आकर्-क बनाया जायेगा. कतलखाने जा रहे गोवंश को बचाकर उसमें रखा जायेगा.

श्री व्रजनिधि सोसयल ग्रुप चेरिटेबल ट्रस्ट श्री वल्लभाचार्य हवेली विजया बैंक के सामने महात्मा गांधी मार्ग पोरबंदर दूरभा-ा 0286–2245512 मोबाइल 9227626590, 9824513246 के द्वारा अमेरिका में श्री विपिन भाई वेकरिया 0015707547577 यूके में श्री रमेश भाई रायचुरा जी 00447951578679 एवं पूरे विश्व में गोवंश के संवर्धन करने के लिए वेबसाइट के माध्यम से बहुत ही जबरदस्त अभियान चलाया जा रहा है.

वड़ोदरा

वडोदरा

श्री सांई श्याम गौशाला

श्री गौसेवा धाम सेवा निधि ट्रस्ट, गणपतपुरा, डुमाड चोकडी, सावली रोड, वडोदरा दूरभा-ा 0265-5543090, 5544330 41 गायें, 14 बछियाएं, 6 बछड़े, 2 बैल कुल 63 गोवंश रखकर नंदी तेयार कर नस्ल सुधार करने के लिए संकल्पित है.

डभोई तालुका

वीडज

श्री दिव्य सवो ट्रस्ट संचालित आनन्दधाम गौशाला

व्यवस्थापक दूरभा-ा 02663-233246 के द्वारा 10 गायें, 9 बछियांएं, 5 बछड़े, 2 बैल कुल 26 गोवंश रखकर नंदी तैयार करने के बाद में नस्ल सुधार करने के लिए संकल्पित हैं.

डभोई तालुका

करनाली

श्री हंसारुढ आश्रम गौशाला

व्यवस्थापक 02663-233246 के द्वारा 2 नंदी, 15 गायें, 3 बछियाएं, 10 बछड़े, 3 बैल, 4 अन्य कुल 37 गोवंश रखकर गोवंश को स्वावलंबी बनाने के लिए नस्ल सुधारने के लिए संकल्पित हैं.

संखेड़ा तालुका

गोला गामडी

श्री मंगल भारती गौशाला

डाकघर बहादुरपुरा दूरभा-ा 02665-243218, 243240 के द्वारा 4 नंदी, 14 गायें, 8 बछियाएं, 4 बछड़े कुल 30 गोवंश रखकर नस्ल सुधार करने के लिए संकल्पित हैं.

सावली

कामधेनु परिवार

श्री गोवर्धन गौशाला

दूरभा-ा 222070 के द्वारा 18 गायें, 12 बछियाएं, 2 बछड़े कुल 32 गोवंश हैं.

श्री वडोदरा महाजन पांजरापोल राजमहेल रोड वडोदरा ने 3 सांढ, 162 गायें, 85 बछड़े, 15 बैल, 58 अन्य कुल 323 गोवंश रखे हैं.

श्री दिलीप परेश आशीचंद शाह सार्वजनिक पांजरापोल उाकधर मीयागाम करजण जिला वडोदरा दूरभा-ा 02666-232214, मोबाइल 9525567159 ने 8 नंदी, 361 गायें, 110 बछियाएं, 34 बछड़े, 182 बैल, 379 अन्य कुल 1074 गोवंश रखे हैं.

श्री डभोई पांजरापोल डाकधर डभोई जिला वडोदरा ने 68 गायें, 50 बछियाएं, 61 बछड़े, 44 अन्य कुल 223 गोवंश रखे हैं.

श्री मणिभद्र जैन पांजरापोल डाकघर विसाडी जिला वडोदरा ने 18 नंदी, 330 गायें, 90 बछियाएं, 40 बछड़े, 5 बैल कुल 483 गोवंश रखे हैं.

श्री हरिराय जी की 6 वी बैठक

डाकोर से श्री हरिराय जी यहां पर पधारे हैं. श्री हरिराय जी की बैठक तालाब के पास में है. श्री हरिराय जी ने भगवतरस में मस्त रहकर यहां पर श्रीमद भागवत सप्ताह की है. वै-णवों को अनिर्वचनीय सुख मिला है. यहां पर आपने अनेक जीवों का उद्धार किया है.

श्री हरिरायजी के अदभुत प्रताप के कारण ही कामधेनु परिवार सक्रिय है.

सावली में आपका अलौकिक प्रभाव देखकर अनेकों जीव आपके सेवक बने हैं.

श्री हरिराय जी यहां पर साक्षात बिराज रहे हैं. वै-णवों के द्वारा यहां पर भव्य मंदिर का निर्माण किया गया है सेवा का क्रम बहुत ही सुंदर ढंग से चल रहा है.

यहां पर आपने सेवा की भावना का ग्रंथ श्री

सहस्त्रीभावना लिखा है तथा हस्ताक्षर की सेवा प्रथा प्रारम्भ की गयी है. वै-णव को दर्शन करने पर यहां से जाने का मन नहीं करता है.

श्री हरिरायजी ने कहा कि कलियुग में जीव ब्रहम संबंध ग्रहण कर सदा सत्य बोलकर, परस्त्री गमन त्यागकर तथा नित्य स्वरुप सेवा कर सुखी रह सकता है.

सावली में ब्रहम संबंध ग्रहण करने के बाद में श्री हरिरायजी ने समर्पित वस्तु ग्रहण करने के लिए जीवों को बताया. असमर्पित वस्तु ग्रहण करना बहुत बड़ा अपराध है. अन्याश्रय का त्याग करने के लिए सावधानी से वर्तन करना ऐसा आपने बताया.

कामधेनु सेवा

सभी वै-णवों के मनोरथ पूरे होते हैं. कामधेनु सेवा के लिए वै-णव तत्पर हैं. नित्य सत्संग, कीर्तन बहुत ही उत्साह के साथ में किया जाता है.

कामधेनु दर्शन

सावली कामधेनु दर्शन करने के लिए श्री हरिराय जी के प्रभाव के कारण ही पूरी तरह से जागृत है. सक्रिय वै-णवों की संख्या बहुत ही अधिक है. यहां से श्रीजंबूसर पधारे हैं.

पंचगव्य महो-धियां

श्री सुरेश पाठक मोबाइल 9429534584 श्री राम गोविज्ञान संवर्धन सेवा ट्रस्ट, श्री रमाबा पंचगव्य औ-धालय, 8, मानवमंदिर सोसायटी, सूर्यनगर बस स्टेंड के सामने, वाघोडिया रोड, वड़ोदरा 19 दूरभा-ा 0265-2516950 परिवर्तन करने के लिए संकल्पित हैं.

वर्तमान में श्री सुरेश जी पंचगव्य से असाध्य रोगों को पूरी तरह से दूर करने के लिए गहन अनुसंधान कर रहे हैं.

देशी गोवंश के संरक्षण करने के लिए श्री सुरेश जी गंभीरता के साथ में संगठित प्रयत्न कर रहे हैं. जैविक खादें किसानों के द्वारा तैयार करवाकर जैविक खेती की लहर उत्पन्न करने के लिए लगे हैं.

1 नंदी, 17 गायें, 10 बछियाएं, 6 बछड़े कुल 34 गोवंश रखकर एमगिरी वर्धा के आर्थिक सहयोग से कामधेनु के संवर्धन करने के लिए सक्रिय हैं.

श्री भुनेश्वरी आयुर्वेद ट्रेडर्स दूरभा-ा 2311493 में गोमूत्र से निर्मित सभी दवाएं उपलब्ध हैं.

श्री कल्याण राय जी का मंदिर वर्तमान में गोस्वामी श्री द्वारकेश जी के द्वारा संचालित किया जा रहा है.

श्री कल्याण राय जी का एक मंदिर वस्त्रापुर अहमदाबाद में भी 2009 में प्रारम्भ किया गया है. वस्त्रापुर में भी श्री कल्याण पु-िट हवेली में निःशुल्क छाछ का वितरण प्रतिदिन किया जाता है.

नरोडा में भी श्री द्वारकेश जी के द्वारा श्री महाप्रभु जी की बैठक में गोशाला संचालित की जा रही है. श्री कल्याणराय जी के मंदिर में वै-णवों के माध्यम से गोवंश के संवर्धन एवं संरक्षण करने के लिए कार्य किया जा रहा है. गोस्वामी श्री द्वारकेश जी कांकरोली के गोस्वामी श्री वृजेश कुमार जी के सुपुत्र एवं महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य जी के वंशज हैं.

देसाई सेरी घडियाडी पोल में श्री गोवर्धन नाथ जी का मंदिर लंबे समय तक था. देसाई सेरी के पीछे में गोस्वामी श्री मथुरेश्वर जी की छोटी बहन सुश्री इंदिरा बेटी जी के द्वारा गिरीराज जी का मंदिर बनाया गया था.

इंदिरा बेटी जी के द्वारा गोवंश संवर्धन एवं संरक्षण करने के लिए लंबे समय से अभियान चलाया गया है. वर्तमान समय में इंदिरा बेटी जी के द्वारा मांजलपुर में बहुत ही सुन्दर मंदिर बनाया गया है.

गोस्वामी श्री मथुरेश्वर जी महाराज के छोटे भाई गोस्वामी श्री चंद्र गोपाल जी एवं श्री प्रभु जी महाराज के द्वारा वड़ोदरा में मंदिर बनाकर वै-णवों के लिए गोवंश के संवर्धन एवं संरक्षण करने के लिए कार्य किया जा रहा है.

देसाई सेरी में गोवर्धन नाथ जी के मंदिर में गोस्वामी श्री मथुरेश्वर जी महाराज के नेतृत्व में गोस्वामी श्री चंद्रगोपाल जी, गोस्वामी श्री प्रभुजी महाराज, इंदिरा बेटी जी के मार्गदर्शन में वै-णवों के द्वारा गोवंश के संवर्धन एवं संरक्षण करने के लिए जबरदस्त अभियान चलाया गया है.

लीली परिक्रमा 40 दिनों की व्रज में वै-णवों के साथ में कई बार करके गोवंश के संवर्धन एवं संरक्षण करने के लिए आहवाहन किया है.

वर्तमान समय में अम्बालाल पार्क के पास में कारेलीबाग में गोवर्धननाथ जी के मंदिर में श्री वल्लभाचार्य जी महाप्रभु के वंशज गोस्वामी श्री मथुरेश्वर जी, उनके बड़े सुपुत्र गोस्वामी श्री योगेश जी, गोस्वामी श्री द्रुमिल कुमार जी, उनके सुपुत्र गोस्वामी श्री व्रजराज जी के द्वारा वै-णवों के अंदर गोवंश संवर्धन करने के लिए गोशाला की स्थापना की गयी है.

गोशाला में गोवंश की सेवा करने के लिए अच्छे गोपालक रखे गये हें.

भारत में भी गोवर्धन नाथ जी के मंदिर तैयार कर गोमाता का दूध भगवान श्री कृ-ण के लिए प्रतिदिन नये नये व्यंजन तैयार करने के लिए उपयोग किया जाता है.

गोस्वामी श्री मथुरेश्वर जी महाराज के द्वारा 60 सालों से पूरे विश्व अरब देशों, अमेरिका आदि में श्री गोवर्धननाथ जी के मंदिर स्थापित कर वहां पर गोवंश के संवर्धन कर उनके दूध से प्रतिदिन वै-णवों के जागरण करने के लिए श्री गोवर्धन नाथ जी के भव्य उत्सव कराये जा रहे हें.

दुबई में वै-णवों के द्वारा संगठित होकर सफल प्रयत्न किया जा रहा है. विश्व में पु-टिकल्पतरु गुजराती एवं हिंदी मासिक पत्रिका, वै-णव डायरी एवं पु-टिमार्ग कैलेंडर के माध्यम से अभियान चला रहे हैं.

कोडीनार

कोडिनार में वै-णवों के द्वारा श्री महाप्रभु वल्लभाचार्य जी के वंशज की प्रेरणा से गोवंश के संवर्धन करने के लिए संगठित प्रयत्न चल रहा है.

वेरावल

वेरावल में वै-णवों के द्वारा गोवंश के संवर्धन करने के लिए संगठित प्रयत्न चल रहा है.

सोमनाथ

सोमनाथ में वै-णवों के द्वारा गोवंश के संवर्धन करने के लिए संगठित प्रयत्न चल रहा है.

नर्मदा

श्री महान तपस्वी रघुवीर गोशाला सेवा ट्रस्ट डाकघर सीसोद्रा जिला नर्मदा दूरभा-ा 02640-244855 ने 1 नंदी, 27 गायें, 10 बछियाएं, 8 बछड़े कुल 46 गोवंश रखे हैं.

श्री स्वामीनारायण गुरुकुल गोशाला केवलीया तालुका नांदोद जिला नर्मदा दूरभा-ा 02640--232281 ने 7 गायें, 5 बछियाएं, 3 बछड़े कुल 15 गोवंश रखे गये हैं.

श्री इसावस्यम ट्रस्ट गोशाला डाकघर वसंतपुरा तालुका नांदोद जिला नर्मदा ने 1 नंदी, 15 गायें, 4 बछियाएं, 2 बछड़े कुल 22 गोवंश रखे हैं.

नर्वेद सागर गोशाला सेवा ट्रस्ट केवडीया कोलोनी, भूमालीया जिला नर्मदा ने 20 गायें, 5 बछियाएं, 5 बछड़े कुल 30 गोवंश हैं.

परमहंस सुखानंद सेवा ट्रस्ट गोशाला डाकघर पीपडीपाडा तालुका डेडीयापाडा जिला नर्मदा ने 25 गायें, 4 बछियाएं, 5 बछड़े कुल 34 गोवंश हैं.

दाहोद

श्री हरि ओम गोशाला डाकघर नगराला जिला दाहोद दूरभा-ा 02673-314784 ने 8 गायें, 7 बछियाएं, 6 बछड़े, 4 बैल, 2 अन्य कुल 27 गोवंश हैं.

श्री यतिन्द्र जयंत सार्वजनिक गोशाला राजेश चौक, वडबाजार, डाकघर जालोद, जिला दाहोद दूरभा-ा 02679-225332, 9825856342 ने 75 गायें, 8 बछड़े, 12 बैल, 4 अन्य कुल 99 गोवंश हैं.

श्री दाहोद अनाज महाजन गोशाला दोलत गंज बाजार, डाकधर दाहोद दूरभा-ा 221599 ने 2 नंदी, 74 गायें, 99 बछियाएं, 40 बछड़े, 6 बैल कुल 221 गोवंश रखे हैं.

नवीन गोशाला डाकधर नलु तालुका धानपुर, जिला दाहोद मोबाइल 9426739610 ने 2 नंदी, 10 गायें, 6 बछियाएं, 8 बछड़े, 8 बैल कुल 34 गोवंश रखे हैं.

आदर्श चेरिटेबल ट्रस्ट नाकटी गोशाला डाकधर धानपुर, जिला दाहोद निवास दूरभा-ा 02677-277318 ने 3 नंदी, 8 गायें, 4 बछियाएं, 6 बछड़े, 4 बेल कुल 25 गोवंश रखे हैं.

पंचमहाल

श्री पांजरापोल ट्रस्ट गोधरा जिला पंचमहाल 1 सांढ, 38 गायें, 14 बछियाएं, 14 बदड़े, 1 बैल, 2 अन्य कुल 70 गोवंश हैं.

गोधरा पशु अत्याचार निवारण संघ पांजरापोल गोधरा जिला पंचमहाल मोबाइल 9426363365 ने 35 गायें, 8 बछियाएं, 5 बैल कुल 48 गोवंश रखे हैं.

भणसाली ट्रस्ट संचालित पांजरापोल डाकघर हालोल जिला पंचमहाल ने 2 सांढ, 103 गायें, 5 बछियाएं, 2 बछड़े, 16 बेल, 56 अन्य कुल 184 गोवंश रखे हैं.

श्री गुजरात राज्य रचनात्मक कार्यकर संघ गोठीब, तालुका संतरामपुर जिला पंचमहाल दूरभा-ा 02675-231109 ने 10 गायें, 5 बछियाएं, 4 बछड़े कुल 19 गोवंश रखे हैं.

श्री कृ-णा गौमंदिर पेट्रोल पंप के सामने हालोल जिला पंचमहाल दूरभा-ा 02676-223602 ने 5 नंदी, 75 गायें, 91 बछियाएं, 17 बछड़े कुल 188 गोवंश रखे हैं.

श्री सदगुरु कबीर मंदिर गोशाला सदगुरु विज्ञानमंदिर कोलेज के पास में डाकघर नरसिंहपुर, तालुका संतरामपुर, जिला पंचमहाल दूरभा-ा 02675-221311, 220011 ने 15 गायें, 7 बछियाएं, 5 बछड़े, 2 बैल, 4 अन्य कुल 33 गोवंश रखे हैं.

गोधरा

श्री महाप्रभु जी की 70 वी बैठक राणा व्यास मार्ग पटेलवाडा दूरभा-ा 241132 निवास

गोधरा में आप राणा व्यास के घर में बिराजे हैं. यहां पर आज भी आप साक्षात बिराजकर श्रीमद भागवत पर टीका सुबोधिनी जी करते हैं.

राणाव्यास ने माधवदास सरस्वती के पास से नाम लिया था. राणाव्यास ने जगन्नाथ जोशी को नाम दिया था. जगन्नाथ जोशी राणाव्यास के पास में रहता था. राणाव्यास का देसाई की स्त्री के साथ में संग हुआ. हाकिम के आदमी राणाव्यास को पकड़ने के लिए उसके धर में आये.

जगन्नाथ जोशी ने राणाव्यास को दूसरे गांव में भेज दिया. जगन्नाथ जोशी ने कहा कि राणाव्यास ने अधर्म नहीं किया है. मैं अग्नि को गले में रखकर परीक्षा देने के लिए तैयार हूं. मैं अपनी बात में सही हूं तो अग्नि शांत हो जाये. अग्नि शांत हो गयी.

एक समय जब राणाव्यास सिद्धपुर में रहते थे तब सरस्वती में जगन्नाथ जोशी के साथ में स्नान कर रहे थे. रजपुतानी अपने पति के मर जाने पर सती होने आयी थी. राणाव्यास ने जगन्नाथ जोशी को पूछा कि यह सती हो रही है इसका कारण क्या है?

राणाव्यास ने माथा हिलाकर कहा कि प्रेत के साथ में अपने देह को बेकार में जला दे रही है. रजपुतानी सती नहीं हुई. रजपुतानी राणाव्यास से दूसरे दिन शरण में लेने के लिए विनंती करने लगी.

राणाव्यास ने महाप्रभुजी का ध्यान कर कुछ दिनों बाद रजपुतानी को नाम मंत्र सुनाया. महाप्रभुजी के पधारने पर यहां पर रजपुतानी का अंगीकार किया है. राणा व्यास के पूछने पर आपने सुबोधिनी के वेणुगीत का प्रसंग तीन दिन तथा तीन रात्रि तक सुनाया तथा रसावेश में देहानुसंधान भुल जाने पर सावधान किया.

श्री राणा व्यास को 6 शास्त्रों का ज्ञान था. राणाव्यास को अपने ज्ञान का बहुत ही अधिक घमंड था. राणाव्यास ने राणाव्यास ने अपने ज्ञान के प्रदर्शन करने के लिए भारत में घूम घूम कर सभाएं की थी. राणाव्यास ने दक्षिण तथा पूर्व में सभी पंडितों से जीता था. काशी में पहली बार वाद विवाद में जीत हसिल की थी.

दूसरी बार काशी में हार जाने के कारण ही गंगा में डूबकर मर जाने के लिए राणा व्यास किनारे पर बैठे थे. भगवद इच्छा सो कृ-णदास जी ने श्री महाप्रभुजी से विनंती की कि गंगा जी में आत्महत्या करने वाले की क्या गति होती है. आपने आज्ञा की कि गंगा जी मुक्त नहीं करती है. यह लोक तथा परलोक दोनों बरबाद होते हैं.

जब यह बात राणा व्यास ने सुनी तो आचार्य जी को सा-टांग दंडवत प्रणाम कर विनंती की कि आप यह बात नहीं कहते तो मैं कब का गंगा जी में डूबकर प्राण दे देता.

आपने राणा व्यास को ब्रहमसंबंध दिया तथा आपने चतु:श्लोकी ग्रंथ पढ़ाया. राणाव्यास ने सभी पंडितो को हरा दिया. राणा व्यास ने श्री महाप्रभु जी को सा-टांग दंडवत प्रणाम किया तथा राणा व्यास ने भगवदस्वरुप

पधराने के लिए विनंती की.

बालकृ-ण जी का स्वरुप पधरा दिया जिसकी सेवा राणा व्यास करते रहे. श्री महाप्रभुजी गोधरा में राणा व्यास के धर में बिराजते थे. श्री महाप्रभुजी ने गोधरा में श्रीमद भागवत सप्ताह की. महा अलौकिक आनन्द हुआ. गोधरा से आप खेरालू पधारे.

श्री गुंसाई जी की 21 वी बैठक

श्री गुंसाई जी की बैठक नागजी भाई के घर में हे. जब भी श्री गुंसाई जी गोधरा पधारते तब आप नागजी भाई के धर में बिराजते. नागजीभाई ने श्री महाप्रभुजी से सेवक करने की विनंती की थी.

नागजीभाई संस्कृत के बहुत अच्छे जानकार थे. नागजीभाई भक्त कवि श्री दयारामभाई के जाति के थे. नागजीभाई गोधरा गांव के देसाई थे. श्री महाप्रभुजी ने विचार किया कि नागजीभाई के द्वारा बहुत सारे सेवक बनेंगे इसलिए नागजीभाई को श्री गुंसाई जी का सेवक होने की आज्ञा की.

श्री गुंसाई जी ने नागजीभाई में ऐसा सामर्थ्य भरा था कि दस दिन का रास्ता एक दिन में पूरा कर लेते थे. चाहे उतना रास्ता चल सकते थे. बहुत सारा बोझ उठा लेते थे.

नागजीभाई बहुत ही त्यागी थे. एक बार उनके स्नेही सहेजपाल दोशी, माधवदास दलाल, जीवा पारेख ने नागजीभाई को उनकी पुत्री के विवाह के लिए दस हजार रु. भिजवाये थे.

नागजीभाई ने दस हजार रु. अडेल ले जाकर श्री गुंसाई जी को वै-णवों ने दिये हैं ऐसा कहकर समर्पित किये. 3 माह श्रीनाथद्वार में नागजीभाई रहे.

गोधरा आकर नागजीभाई ने दस हजार रु. वापस खंभात के वै-णवों को भिजवा दिये. खंभात के वे-णवों ने दस हजार रु. श्री गुंसाई जी को भिजवा दिये.

एक बार नागजीभाई ने युगलगीत का प्रसंग पूछा तब तीन दिन एवं तीन रात्रि तक अदभुत रस की व-र्ाा कर सभी वै-णवों को रसावेश में भर दिया. देह अनुसंधान न रहने पर सावधान किया.

नागजीभाई को सरकार की सहायता मिलनी अचानक बंद हो गयी थी. सभी पंचों ने मिलकर हाकिम को कहकर नागजीभाई की सरकार से आजीविका प्रारम्भ करवा दी.

एक बार नागजीभाई को गोधरा के हाकिम ने राजनगर के बादशाह के पास में जागीर बढ़ाने के लिए 2000 रु. देकर भिजवाया.

नागजीभाई ने दक्षिण का वस्त्र बहुत सुंदर देखा. 1000 रु. में वस्त्र खरीदकर गोकुल में श्री गुंसाई जी को भेंट किया तथा वापस आकर राजनगर में बादशाह से मिलकर पांचगुना पटटा करवाया.

गोधरा आकर हाकिम से मिले तब हाकिम बहुत ही प्रसन्न हुआ. एक महाल का पंचमहाल हुआ. गोधरा पंचमहाल के नाम से आज भी जाना जाता है.

वर्तमान में श्री गुंसाई जी की बैठक में बहुत ही उमंग एवं आनन्द के साथ में नित्य सत्संग, कीर्तन, उत्सव एवं बहुत सारे मनोरथ चलते रहते हैं.

श्री गुंसाई जी यहां पर साक्षात बिराज रहे हैं. श्री गुंसाई जी के एक बार दर्शन करने पर मन में दर्शन की लालसा बनी रहती है. वै-णवों के हर मनोरथ पूरे कर रहे हैं. यहां पर आपने अनेक जीवों को अपने शरण में लिया है.

श्री गोवर्धन गोशाला ट्रस्ट भूरावाव चार रस्ता, गोधरा, जिला पंचमहाल दूरभा-ा 02672-241639 ने 15 गायें, 5 बछियाएं, 4 बछड़े कुल 24 गोवंश रखे हैं.

श्री सदगुरु सत्य कबीर आश्रम डाकघर लुणावाडा जिला पंचमहाल दूरभा-ा 02674-250372 ने 8 गायें, 2 बछियाएं, 4 बछड़े कुल 14 गोवंश रखे हैं.

आणंद

श्री सोजित्रा पांजरापोल डाकघर सोजित्रा जिला आणंद दूरभा-ा 234533 ने 3 नंदी, 55 गायें, 20 बछियाएं, 1 बैल, 62 अन्य कुल 141 गोवंश हैं.

खंभात

श्री गुंसाई जी की 24 वी बैठक

श्री गुंसाई जी की बैठक खंभात में नारायणसर तालाब के उपर है. यहां पर छोकर का वृक्ष सूख जाने के कारण निकाल दिया गया है. खंभात में तीन बार श्री गुंसाई जी पधारे हैं. श्री गुंसाई जी के अलौकिक प्रभाव के कारण ही अनेक जीव आपके सेवक बने हैं.

यहां पर श्री गुंसाई जी के माधवदास दलाल, जीवा पारेख, सहेजपाल दोसी सेवक बने हैं. तीनों ने पुि-टमार्ग के सिद्धांत को अपने आचरण में उतारा था. हमेशा सत्य बोलने की प्रतिज्ञा की थी. तीनों में आपस में बहुत ही अधिक स्नेह था. तीनों में परोपकार की भावना बहुत ही अधिक थी.

श्री गुंसाई जी के परम कृपापात्र सेवक नागजीभाई को 10,000 रु. पुत्री के विवाह के अवसर पर तीनों ने मिलकर भिजवाये थे.

मगनभाई श्री गुंसाई जी के सेवक बने तथा एक लाख रु. भेट किये. मगनभाई ने जब पूछा कि ब्रहमसंबंध लेने से क्या होता है तब उनको पता चला कि ब्रहम संबंध लेने पर जीव का नया जन्म होता है?

मगनभाई को इस बात का विश्वास नहीं हुआ इसलिए मगनभाई ने इस बात की परीक्षा लेने का विचार किया.

माधवदास दलाल ने बहुत सारे धोल पद श्री गुंसाई जी के बनाये हैं.

मुरारी आचार्य 6 शास्त्र में सम्पन्न थे. मुरारी आचार्य आपसे चर्चा करने के लिए गोकुल में आये तब आपने एक क्षण में ही उसे निरुत्तर कर दिया.

मुरारीदास ने विनंती की कि आप तो ईश्वर हैं ईश्वर के आगे सभी हार जाते हैं. ऐसा कहकर सा-टांग दंडवत किया. मुरारीदास ने श्री गुंसाई जी से सेवक करने के लिए विनंती की.

तब चाचा हरिवंश जी ने विनंती की कि जीव तो दैवी है कृपया अंगीकार करें. ऐसे पंडित अपने मार्ग में चाहिए.

मुरारी आचार्य श्री गुंसाई जी के सेवक बने तथा श्री गुंसाई जी ने श्री मदनमोहन जी का स्वरुप पधरा दिया था. वर्तमान में श्री मदनमोहन जी अहमदावाद में सांचोरा चुनीलाल माणेकलाल के माथे बिराज रहे हैं. सांचोरा रणछोड़भाई सेवा कर रहे हैं.

मुरारी आचार्य ने श्री गुंसाई जी के पास में गोकुल में रहकर श्रीविद्वन्मंडन, श्री सुबोधिनी आदि ग्रंथों का अभ्यास किया. अभ्यास पूरा कर काशी गये.

काशी में पंडितों के साथ में वाद कर उनको हरा दिया. श्रीनाथजी के दर्शन कर श्री गुंसाई जी से विदायगीरी मांग कर वापस खंभात आये.

श्री खंभात पांजरापोल डाकघर खंभात जिला आणंद दूरभा-ा 220545 ने 5 नंदी, 125 गायें, 57 बछड़े, 4 बैल, 61 अन्य कुल 252 गोवंश हैं.

श्री बोरसद पांजरापोल खंभाती दरवाजा, टाउन होल के पीछे, डाकघर बोरसद, जिला आणंद ने 1 नंदी, 96 गायें, 30 बछियाएं, 42 बछड़े, 43 बैल, 61 अन्य कुल 273 गोवंश हैं.

श्री पेटलाद पांजरापोल पेटलाद, जिला आणंद 94 गायें, 24 बछियाएं, 8 बछड़े, 19 अन्य कुल गोवंश 145 रखे हैं.

पूज्य शिवाबापा एवं हिराबा पटेल पांजरापोल हरि पशुसेवा ट्रस्ट संचालित डाकघर खांधली जिला आणंद 2 नंदी, 170 गायें, 20 बछियाएं, 21 बछड़े, 10 बैल, 30 अन्य कुल 273 गोवंश रखे हैं.

श्री बापेश्वर महादेव मंदिर गौशाला डाकधर करमसद जिला आणंद दूरभा-ा 02692-232054 ने 2 नंदी, 10 गायें, 19 बछियाएं, 4 बछड़े कुल 32 गोवंश रखे हैं.

श्री जगन्नाथ महादेव मंदिर गौशाला एन.डी.डी.बी रोड, वेटनरी कोलेज के पास में, आणंद दूरभा-ा 02692-253173 ने 1 नंदी, 10 गायें, 3 बछियाएं, 2 बछड़े कुल 16 गोवंश रखे हैं.

श्री आदर्श गौशाला वल्लभ विद्यालय डाकघर बोचासण तालुका बोरसद, जिला आणंद दूरभा-ा 02696-286761 ने 15 गायें, 6 बछियाएं, 1 बछड़ा, 2 बैल कुल 24 गोवंश हैं.

श्री जनहितार्थ चेरिटेबल ट्रस्ट गोशाला डाकधर महेडाव जिला आणंद दूरभा-ा 02697-247696 ने 90 गायें, 21 बछियाएं, 17 बछड़े, 2 बैल कुल 130 गोवंश रखे हैं.

श्री सत केवल गौशाला डाकघर सारसा जिला आणंद 2720666 ने 100 गायें, 40 बछियाएं, 10 बछड़े, 2 बैल कुल 152 गोवंश रखे हैं.

अक्षरपुरु-गोत्तम स्वामीनारायण मंदिर गौशाला डाकघर बोचासण तालुका बोरसद, जिला आणंद ने 1 नंदी, 31 गायें, 11 बछियाएं, 7 बछड़े कुल 50 गोवंश रखे हैं.